THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 350 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.13, 2082 मंगलवार, 17 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पश्चिम एशिया संकट के चलते 4,335 भारतीय और 1,187 विदेशी उड़ानें रद्द

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बीते 17 दिनों से जारी संघर्ष का बड़ा असर वैश्विक ईंधन आपूर्ति के साथ-साथ उड़ान सेवा पर भी देखने को मिला है। इसी बात के मद्देनजर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने सोमवार को राज्यसभा में बताया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण भारतीय एयरलाइंस ने अब तक 4,335 और विदेशी एयरलाइंस ने 1,187 फ्लाइट रद्द की हैं। नायडू ने कहा कि अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण पश्चिम एशिया का हवाई क्षेत्र बंद हो गया है, जिससे उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ है।

तेलंगाना को वैश्विक मॉडल बनाने का लक्ष्य : राज्यपाल

राज्यपाल ने विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित किया

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार ऐसे तेलंगाना का निर्माण कर रही है जो नवाचार में अग्रणी, कमजोर वर्गों के लिए सुरक्षित आश्रय तथा विश्व के लिए एक आदर्श मॉडल बने। तेलंगाना विधानसभा का बजट सत्र सोमवार को प्रारम्भ हुआ, जिसकी शुरूआत राज्यपाल के दोनों विधान सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करने से हुई।

तेलंगाना विधानमंडल के संयुक्त सत्र में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कांग्रेस सरकार के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्रस्तुत किया तथा तेलंगाना में नेतृत्व संभालने के बाद से उसकी उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने प्रशासन की रणनीतिक रूपरेखा 'तेलंगाना राइजिंग-2047' का उल्लेख करते हुए बताया कि इसके अंतर्गत वर्ष 2047 तक राज्य को 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में परिवर्तित करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि वर्ष 2034 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की मध्यवर्ती उपलब्धि का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राज्यपाल ने यह भी बताया कि वित्त वर्ष 2025-2026 के लिए राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 17.82 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें 10.7 प्रतिशत की वृद्धि दर तथा प्रति व्यक्ति आय 4.18 लाख रुपये होने की संभावना है। उन्होंने कहा, तेलंगाना एक असाधारण परिवर्तन की दहलीज पर खड़ा है। यह बजट केवल वित्तीय आवंटन का विषय नहीं है- यह एक सशक्त और अधिक सुदृढ़ तेलंगाना के निर्माण का संकल्प है। यह प्रगति का मार्गदर्शक, न्याय के प्रति प्रतिबद्धता और प्रत्येक नागरिक के सपनों को महत्व देने का वचन है। उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प अटूट है और प्रत्येक नीति, प्रत्येक पहल तथा प्रत्येक सुधार का उद्देश्य अवसरों का सृजन करना, लोगों को सशक्त बनाना और समावेशी विकास को गति देना है। उन्होंने कहा कि दृष्टि स्पष्ट है, दिशा निर्धारित है और प्रगति की गति अजेय है। राज्यपाल ने कहा कि तेलंगाना विकसित वैश्विक नगरों और देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा तथा विशव के सफल मॉडलों से प्रेरणा लेते हुए वर्ष 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य प्राप्त करेगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार तेलंगाना में आध्यात्मिक धरोहर को सतत पर्यटन विकास से जोड़ते हुए ईको-टेम्पल पर्यटन को बढ़ावा देने की योजना बना रही है। अगले वर्ष होने वाले गोदावरी पुष्करालु की तैयारी के अंतर्गत बसार से भद्राचलम तक गोदावरी नदी के तटों पर स्थित मंदिरों का विकास किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं के लिए बेहतर आधारभूत संरचना और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इन पहलों के माध्यम से सरकार तेलंगाना की आध्यात्मिक विरासत को सुदृढ़ करने के साथ-साथ पर्यटन और क्षेत्रीय विकास को भी प्रोत्साहित कर रही है।

शिव प्रताप शुक्ल ने आगे कहा कि राज्य सरकार हैदराबाद के पारिस्थितिक गलियारे को पुनर्जीवित करने के लिए 55 किलोमीटर लंबी मूसी रिवरफ्रंट ट्रांसफॉर्मेशन परियोजना पर कार्य कर रही है, जो उस्मान सागर और हिमायत सागर जलाशयों से गांधी सरोवर तक विस्तारित होगी। उन्होंने बताया कि परियोजना का प्रथम चरण वर्तमान में कार्यान्वयनाधीन है। मूसी नदी के पुनरुद्धार के अंतर्गत गोदावरी चरण-2 और चरण-3 परियोजनाएं पहले ही स्वीकृत हो चुकी हैं और कार्य तीव्र गति से चल रहा है।

एनडीए ने बिहार-ओडिशा में 8 सीटें जीतीं

हरियाणा में 4 घंटे से काउंटिंग रुकी कांग्रेस के 1 विधायक का वोट रद्द

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा, बिहार और ओडिशा की 11 राज्यसभा सीटों पर सोमवार को चुनाव हुए। तीनों राज्यों में कुल 14 उम्मीदवार मैदान में हैं। बिहार की सभी 5 सीटों और ओडिशा की 4 सीटों के नतीजें आ गए हैं। दोनों राज्यों की 9 में से 8 सीटों पर एनडीए या एनडीए समर्थित कैंडिडेट्स ने जीत दर्ज की है। हरियाणा की दो सीटों पर शाम 5 बजे से काउंटिंग रुकी हुई है। भाजपा ने कांग्रेस के दो विधायकों के वोट में सीक्रेसी लीक होने की शिकायत की थी। मामला चुनाव आयोग के समक्ष गया है। वहां से फैसला होने और अनुमति मिलने के बाद काउंटिंग होगी। इनमें एक कांग्रेस विधायक का वोट रद्द हो गया है। दूसरे विधायक के वोट की जांच की जा रही है। वहीं, चुनाव आयोग ने मंत्री अनिल विज के वोट पर कांग्रेस की आपत्ति को रद्द कर दिया है। हरियाणा की दो सीटों में से एक पर बीजेपी कैंडिडेट संजय भाटिया की जीत तय बताई जा रही है। दूसरी सीट के लिए कांग्रेस उम्मीदवार कर्मवीर बौद्ध और भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल के बीच मुकाबला है।

बंगाल में बीजेपी की पहली लिस्ट, 144 नाम

सुवेंदु अधिकारी को ममता की दोनों सीटों भबानीपुर-नंदीग्राम से टिकट

कोलकाता/तिरुवनंतपुरम, 16 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। पहली लिस्ट में 144 उम्मीदवारों के नाम हैं। पार्टी ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी को नंदीग्राम और भबानीपुर से टिकट दिया है। ये दोनों सीटें बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की हैं। सुवेंदु अधिकारी ने 2021 विधानसभा चुनाव में ममता को नंदीग्राम सीट से हराया था। नंदीग्राम में हार के बाद ममता भबानीपुर से उपचुनाव जीती थीं। भबानीपुर सीट टीएमसी का मजबूत गढ़ मानी जाती है। ममता 2011 से 2021 तक लगातार यहां से विधायक रही हैं। भाजपा ने डायमंड हार्बर से दीपक कुमार हालदार को टिकट दिया है। यह इलाका ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी के लोकसभा क्षेत्र डायमंड हार्बर में आता है। अभी यहां से टीएमसी के पन्नालाल हलदर विधायक हैं। भाजपा ने बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष को खड़गपुर सदर से टिकट दिया है। भाजपा ने बंगाल से पहले केरल में भी उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। 140 में से 47 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। पार्टी ने राज्य के भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर को नेमोम सीट से मैदान में उतारा है।

ईरान युद्ध : शिवालिक और नंदा देवी के बाद 'जग लाडकी' भी आ रहा भारत

दुनिया देख रही 'तिरंगे' की ताकत

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के युद्धग्रस्त होर्मुज स्ट्रेट से गुजर कर तिरंगे वाला पहली भारतीय जहाज 'शिवालिक' गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पहुंच चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के बीच हुई बातचीत के बाद 'शिवालिक' एलपीजी टैंकर पहला जहाज है, जिसे ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने दिया।

इसके बाद एलपीजी टैंकर 'नंदा देवी' को भी ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की अनुमति दी। हालांकि, भारतीय झंडे वाला तीसरा जहाज जो 'नंदा देवी' के पीछे-पीछे भारत की ओर शान से बढ़ता चला आ रहा है, वह एक तेल टैंकर 'जग लाडकी' है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है, 14 मार्च, 2026 को जब भारतीय झंडे वाला जहाज 'जग लाडकी', फुजैराह सिंगल प्वाइंट मूरिंग में कच्चा तेल लोड कर रहा था, तब फुजैराह तेल टर्मिनल पर अटैक हुआ। प्रेस रिलीज के अनुसार जहाज रविवार को 10.30 बजे फुजैराह से सुरक्षित निकल गया। इसपर 80,800 मीट्रिक टन मुरबान क्रूड ऑयल लदा है और भारत आ रहा है। जहाज और जहाज पर मौजूद भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। मुरबान क्रूड ऑयल बहुत ही उच्च श्रेणी का कच्चा तेल है। इससे पहले शनिवार को भारतीय झंडे वाले दो एलपीजी कैरियर 'शिवालिक और नंदा देवी' ने जोखिमों से भरे होर्मुज स्ट्रेट को क्रॉस किया, जिनमें से 'शिवालिक' मुंद्रा पोर्ट पहुंच भी चुका है और 'नंदा देवी' के मंगलवार को गुजरात में ही कांडला बंदरगाह पहुंचने की योजना है। दोनों टैंकरों पर लगभग 92,712 मीट्रिक टन एलपीजी लदे हैं। इसके बाद फारस की खाड़ी के पश्चिमी क्षेत्र में भारतीय झंडे वाले 22 जहाज बच गए हैं, जिनपर 611 नाविक सवार हैं। मंत्रालय के मुताबिक ये जहाज और नाविक डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ शिपिंग की निगरानी में हैं। यह भारत की कूटनीति का परिणाम है कि धीरे-धीरे पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारतीय जहाजों को एक-एक करके सुरक्षित निकलने का मौका मिल रहा है। ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध के बाद भारत पहुंचने वाला सबसे पहला जहाज शेनलॉन्ग स्वेजमैक्स लाइबेरिया का था, जो खाड़ी से कच्चा तेल लेकर मुंबई बंदरगाह पहुंचा। इसके साथ खतरा यह था कि इसने होर्मुज स्ट्रेट पार करने के लिए डार्क ट्रांजिट का सहारा लिया। ईरान के साथ बातचीत के बाद जिस जहाज को सबसे पहले होर्मुज से सुरक्षित गुजरने की अनुमति मिली वह एलपीजी टैंकर 'शिवालिक' है।

32 पिछड़ी जातियों को केंद्र की ओबीसी लिस्ट में शामिल करें

> बीजेपी सांसद लक्ष्मण ने सरकार से की मांग

नई दिल्ली, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद के. लक्ष्मण ने सोमवार को सरकार से आग्रह किया कि वह तेलंगाना की 27 जातियों और आंध्र प्रदेश की पांच जातियों को सेंट्रल ओबीसी लिस्ट में शामिल करे, ताकि वे केंद्र सरकार के अधीन सार्वजनिक नियुक्तियों, रोजगार और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण का फायदा उठा सकें। उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए बीजेपी सांसद लक्ष्मण ने कहा कि तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के कई ओबीसी समुदायों को सेंट्रल ओबीसी लिस्ट में शामिल करने की मांग लंबे समय से की जा रही है।

उन्होंने कहा कि नेशनल कमीशन फॉर बैकवर्ड क्लासेस (एनसीबीसी) ने पहले ही तेलंगाना की 27 जातियों और आंध्र प्रदेश की पांच जातियों को सेंट्रल लिस्ट में शामिल करने की सिफारिश कर दी है। लक्ष्मण ने कहा, इन समुदायों को, अपनी सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक पिछड़ेपन के बावजूद, केंद्र सरकार की नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए केंद्र सरकार द्वारा ओबीसी नहीं माना जाता है, भले ही वे अपने-अपने राज्यों की ओबीसी लिस्ट में शामिल हों। उन्होंने बताया कि जहां इन समुदायों को राज्य स्तर पर आरक्षण में उनका उचित हिस्सा मिलता है, वहीं वे शिक्षा के क्षेत्र में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के लिए अपात्र बने हुए हैं, जिसे केंद्र ने हाल ही में पहली बार लागू किया है।

लक्ष्मण ने सरकार से आग्रह किया कि वह एनसीबीसी की लंबे समय से लंबित सिफारिशों पर जल्द से जल्द कार्रवाई करे और इन समुदायों को सार्वजनिक नियुक्तियों, रोजगार और केंद्रीय शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण का लाभ दें। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि मोदी सरकार इस मामले पर सहानुभूतिपूर्वक और मानवीय आधार पर विचार करेगी और संविधान के जनादेश को पूरा करने और इन योग्य समुदायों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

केरल के लिए भाजपा की पहली सूची में 47 नाम राजीव चंद्रशेखर और मुरलीधरन लड़ेंगे चुनाव

तिरुवनंतपुरम, 16 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी केरल विधानसभा चुनाव के लिए 47 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। दो पूर्व केंद्रीय मंत्रियों को भी टिकट दिया गया है। इनमें राजीव चंद्रशेखर शामिल हैं, जो नेमोम से चुनाव लड़ेंगे। दूसरा नाम वी मुरलीधरन का है, जो कझाकूट्टम से चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा, पार्टी ने के चंद्रशेखरन को मंजेश्वर सीट से उम्मीदवार बनाया है। जबकि, नव्या हरिदास को कोझिकोड उत्तर से टिकट दिया गया है। देखें उम्मीदवारों की सूची-नव्या हरिदास को कोझिकोड उत्तर से टिकट दिया गया है। नव्या भाजपा महिला मोर्चा की नेता हैं। उन्होंने 2024 में केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ा था। राहुल गांधी के सीट छोड़ने पर यहां उपचुनाव हुआ था। उपचुनाव में नव्या को हार का सामना करना पड़ा था।

संसद से निलंबित सांसदों की बहाली आज, 12 बजे हटेगा सस्पेंशन

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। संसद से निलंबित सांसदों के मामले में अहम फैसला लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में इस बात पर सहमति बनी है कि निलंबित सांसदों का सस्पेंशन मंगलवार को दोपहर 12 बजे से वापस ले लिया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि निलंबन वापस लेने के लिए संसद में मंगलवार को प्रस्ताव लाया जाएगा। बैठक में यह भी फैसला लिया गया कि सांसद सदन की कार्यवाही के दौरान तख्तियां (प्लेकार्ड) और एआई से तैयार की गई तस्वीरों का इस्तेमाल नहीं करेंगे और सदन की गरिमा बनाए रखेंगे। संसद के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी दलों के बीच इस मुद्दे पर सहमति बनी है। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को संसद में निलंबन समाप्त करने के लिए प्रस्ताव लाया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि यह प्रस्ताव विपक्ष की ओर से पेश किया जा सकता है, जिस पर सदन की सहमति से निर्णय लिया जाएगा।

संविधान को भूल जाओ, सिर्फ 'भाईजान' पर ध्यान दो

> मुस्लिम आरक्षण को लेकर तेलंगाना सरकार पर क्यों भड़की बीजेपी

नई दिल्ली, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने मुस्लिम आरक्षण को लेकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर निशाना साधा है। बीजेपी प्रवक्ता शाहजाद पूनावाला ने सोमवार को पूछा कि रेवंत रेड्डी क्या पूरे तेलंगाना के मुख्यमंत्री हैं या सिर्फ तेलंगाना के मुसलमानों के सीएम हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि आईएनसी (इंडियन नेशनल कांग्रेस) का मतलब इस्लामिक नेशनल कैलिफेट हो चुका है। मुख्यमंत्री को निशाने पर लेते हुए शाहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि संविधान को भूल जाओ, सिर्फ 'भाईजान' पर ध्यान दो।

इफ्तार पार्टी का वीडियो शेयर क्या बोली बीजेपी :

हैदराबाद में रविवार को आयोजित इफ्तार पार्टी का वीडियो एक्स पर शेयर करते हुए शाहजाद पूनावाला ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाया कि जुबान पर संविधान, लेकिन ये हैं तुष्टिकरण के असली भाईजान, ये हैं वोटबैंक के भाई जान, ये चलाते हैं शरिया की दुकान, आज रेवंत रेड्डी जी, जो पहले भी कह चुके हैं कि मुस्लिम कांग्रेस की वजह से हैं, वो टोपी लगाकर कैप पॉलिटिक्स यानी कम्पेरेटिव अपीजमेंट पॉलिटिक्स कर रहे हैं।

मुस्लिम आरक्षण को लेकर मुख्यमंत्री पर साधा निशाना :

रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए शाहजाद पूनावाला ने कहा, तेलंगाना के सीएम कहने लगे हैं कि उन्होंने मुस्लिम आरक्षण दिया, वो कहते हैं कि उन्होंने मुस्लिमों के लिए हॉस्टल बनाया, मुस्लिमों के लिए कल्याणकारी योजनाएं लेकर आए, और यहां तक कह गए कि हम रमजान के पवित्र महीने में रमजान अता करते हैं।

तुष्टिकरण की राजनीति में जो लोग संविधान और अंबेडकर की बात करते हैं, धार्मिक आधार पर आरक्षण देना अंबेडकर जी की विचारधारा थी क्या? तेलंगाना में किसानों, युवाओं और महिलाओं से जो बड़े बड़े वादे किए गए, उन्हें लेकर मुख्यमंत्री को फुर्सत नहीं है कि उन पर बात करें। बता दे कि हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में आयोजित दावत-ए-इफ्तार कार्यक्रम में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मौजूद लोगों को संबोधित किया।

डिजिटल अरेस्ट मामलों पर स्वत: संज्ञान

> सुप्रीम कोर्ट अगले हफ्ते करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। देशभर में बढ़ते डिजिटल अरेस्ट के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट एक हफ्ते बाद सुनवाई करेगा। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा कि इस मामले में हमने एक स्टेटस रिपोर्ट फाइल की है, जिसे कोर्ट पढ़ ले, इसके बाद मामले पर आगे की सुनवाई करें।

पिछली सुनवाई में कोर्ट ने देश भर में डिजिटल अरेस्ट के मामलों में जांच का ज़िम्मा सीबीआई को सौंपा था। साथ ही केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी कोर्ट को बताया था कि डिजिटल अरेस्ट के मामलों से निपटने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। गृह मंत्रालय के विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा) इस समिति के अध्यक्ष हैं। इसके पहले 9 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट मामले में सुनवाई के दौरान कहा था कि ऐसे घोटालों में बैंक अधिकारी भी आरोपियों के साथ मिले हुए पाए गए हैं। खासकर वरिष्ठ नागरिक इसकी चपेट में आ रहे हैं। एक रिटायर्ड दंपति का उदाहरण देते हुए कोर्ट ने बताया कि उनकी पूरी जिंदगी की जमा-पूंजी ठगों ने छीन ली। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने केंद्र सरकार की ओर से स्टेटस रिपोर्ट पेश कर बताया था कि डिजिटल अरेस्ट से निपटने के लिए अब काफी व्यापक एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) तैयार की गई है। कोर्ट ने इसे प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जरूरी निर्देश जारी करने की बात कही थी।

सुप्रीम कोर्ट ने आरबीआई की एसओपी का जिक्र किया था, जिसमें साइबर फ्रॉड की आशंका होने पर बैंकों द्वारा अस्थायी डेबिट होल्ड लगाने जैसी त्वरित कार्रवाई का प्रावधान है। कोर्ट ने गृह मंत्रालय से कहा था कि 2 जनवरी 2026 की एसओपी को पूरे देश में लागू किया जाए और इंटर-एजेंसी कोऑर्डिनेशन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही इन नियमों को दो हफ्तों के अंदर नोटिफाई करने का आदेश दिया था।

एलएलबी की पढ़ाई 5 साल से घटाकर 4 साल करने की याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पांच वर्षीय एकीकृत एलएलबी कोर्स को चार वर्ष करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई की। इस दौरान टॉप कोर्ट ने कहा कि कानूनी शिक्षा से जुड़े मामलों में अदालत अपने विचार थोप नहीं सकती। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मुद्दों पर सभी संबंधित पक्षों के साथ व्यापक विचार-विमर्श जरूरी है।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें विधि पाठ्यक्रमों की अवधि और पाठ्यक्रम सहित विधि शिक्षा ढांचे की समीक्षा और सुधार के लिए प्रख्यात न्यायविदों से मिलकर एक विधि शिक्षा आयोग के गठन की मांग की गई थी। अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने मौखिक रूप से 2025 में दायर याचिका का उल्लेख किया। जिसमें मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान, उपाध्याय ने कहा कि भारत में अधिकांश व्यावसायिक पाठ्यक्रम चार साल के होते हैं। उनका तर्क था कि पांच वर्षीय विधि पाठ्यक्रम प्रतिभाशाली छात्रों को विधि शिक्षा प्राप्त करने से हतोत्साहित करता है।

उपाध्याय ने प्रस्तुत किया, यह एक जनहित याचिका है जिसमें पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए प्रख्यात न्यायविदों से युक्त एक विधिक शिक्षा आयोग के गठन की मांग की गई है। सीए, बी.टेक जैसे सभी व्यावसायिक पाठ्यक्रम चार वर्ष के होते हैं, जबकि इंटर के बाद एलएलबी पांच वर्ष की होती है। यह सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को आकर्षित करने में विफल रहा है। प्रस्तुत दलीलों का जवाब देते हुए सीजेआई ने कहा कि कानूनी शिक्षा से संबंधित मुद्दों के लिए सभी हितधारकों के बीच व्यापक परामर्श की आवश्यकता है और इनका निर्णय केवल न्यायपालिका द्वारा नहीं किया जा सकता है। इस बातचीत के दौरान, सीजेआई ने भारत में पांच वर्षीय विधि कार्यक्रम के प्रारंभिक इतिहास का भी उल्लेख किया। सीजेआई ने कहा, पांच वर्षीय पाठ्यक्रम शुरू करने वाला संस्थान बैंगलोर का नेशनल लॉ स्कूल नहीं, बल्कि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक था। पहला बैच लगभग 1982 या 1983 में शुरू हुआ था। पीठ ने आगे कहा कि न्यायपालिका कानूनी शिक्षा नीति को आकार देने में शामिल कई हितधारकों में से केवल एक है।

देश में गैस की कोई कमी नहीं : केंद्र

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि देश में गैस की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को निर्बाध सीएनजी और पीएनजी की आपूर्ति जारी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की विपणन और तेल शोधन विभाग की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि सीएनजी की आपूर्ति करने वाले ईंधन पंप और घरेलू पीएनजी कनेक्शन सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सीएनजी उपयोगकर्ताओं और पीएनजी उपभोक्ताओं दोनों को आपूर्ति पूरी तरह से जारी रखी जा रही है। अधिकारियों ने जमाखोरी रोकने के लिए प्रवर्तन कार्रवाई भी शुरू कर दी है। ईंधन भंडारण और आपूर्ति की जांच के तहत कई राज्यों में छापे मारे गए हैं।

वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने आगे कहा कि कच्चा तेल भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने कहा, सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं।

भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों को 'सख्ती' से कहा

'बिना हमसे संपर्क साधे न करें ईरान बॉर्डर पार'

तेहरान, 16 मार्च (एजेंसियां)। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने सैन्य संघर्ष में फंसे अपने नागरिकों को साफ कहा है कि बिना दूतावास से कोआर्डिनेट किए सीमा पार न करें। दूतावास ने एक्स पर एडवाइजरी पोस्ट की है, जिसमें स्पष्ट कहा है कि 9 मार्च की एडवाइजरी को जारी रखते हुए/दोहराते हुए, ईरान में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को सख्ती से सलाह दी जाती है कि वे आगे की यात्रा के लिए ईरान की किसी भी जमीनी सीमा के पास न जाएं और न ही उसे पार करने की कोशिश करें, जब तक कि उन्होंने तेहरान स्थित भारतीय दूतावास के साथ पहले से और साफ तौर पर संपर्क न किया हो। इसमें आगे लिखा है कि दूतावास भारतीय समुदाय के साथ लगातार संपर्क में है, और जरूरत के मुताबिक इंतजाम किए जा रहे हैं। जमीनी सीमाओं की ओर बिना दूतावास के सहयोग के जाने से सख्ती से मना किया जाता है। अंदेशा जताया है कि जो भारतीय नागरिक दूतावास की जानकारी और मार्गदर्शन के बिना जमीनी सीमाओं के रास्ते ईरान छोड़ने की कोशिश करेंगे, उन्हें गंभीर लॉजिस्टिकल और इमिग्रेशन संबंधी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

एम्बेसी ने अपील करते हुए अपने निर्देशों को पालन करने की वजह और अपनी सीमा का जिक्र किया है। कहा है कि एक बार जब लोग बिना कोआर्डिनेशन के ईरानी सीमा से बाहर चले जाएंगे, तो दूतावास उनकी मदद करने की स्थिति में नहीं होगा। इसलिए, ईरान में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों से आग्रह किया जाता है कि वे दूतावास की एडवाइजरी का सख्ती से पालन करें, आधिकारिक माध्यमों से संपर्क में रहें, और कोई भी यात्रा शुरू करने से पहले उनसे सलाह लें।

इसके साथ ही आपात स्थितियों के लिए, कुछ नंबर भी सुझाए हैं। एम्बेसी ने हेल्पलाइन नंबर +98-9128109115, +98-9128109102, +98-9128109109 और +98-9932179359 शेयर किए हैं, साथ ही कॉन्सुलर सपोर्ट के लिए ईमेल एड्रेस सीओएनएसडॉटतेहरानएटएमईएडॉटजीओवीडॉटइन भी है।

10 मरीजों की मौत; 11 कर्मचारी भी घायल

कटक के मेडिकल कॉलेज में लगी भीषण आग

भुवनेश्वर, 16 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा के कटक में सोमवार तड़के एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। यहां के एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के आईसीयू में भीषण आग लग गई। इस घटना में अब तक 10 मरीजों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि आग सुबह करीब 2:30 से 3:00 बजे के बीच लगी।

ट्रॉमा केयर विभाग के आईसीयू से भड़की आग

मामले को लेकर एक अधिकारी ने बताया, आग अस्पताल के ट्रॉमा केयर विभाग के आईसीयू में भड़की थी और देखते ही देखते आग ने बड़ा रूप ले लिया। यहां उन मरीजों का इलाज चल रहा था जिनकी हालत बहुत गंभीर थी। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें तुरंत अस्पताल पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने अभियान चलाकर आग पर काबू पाया।

11 कर्मचारी भी झुलसे

मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश में अस्पताल के 11 कर्मचारी भी झुलस गए। कुल 23 मरीजों को आनन-फानन में दूसरे विभागों और वार्डों में शिफ्ट किया गया। इस बचाव कार्य में अस्पताल के कर्मचारियों, पुलिस और मरीजों के साथ आए लोगों ने भी सहयोग किया।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी पहुंचे अस्पताल

हादसे की खबर मिलते ही मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग अस्पताल पहुंचे। उन्होंने वहां के हालात का जायजा लिया और भर्ती मरीजों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आग लगने की मुख्य वजह शॉर्ट-सर्किट हो सकती है। आग ने ट्रॉमा केयर आईसीयू के साथ-साथ पास के कुछ और वार्डों को भी अपनी चपेट में ले लिया था। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बताया कि सात गंभीर मरीजों की मौत शिफ्टिंग के दौरान ही हो गई थी। इसके बाद तीन और मरीजों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

मृतक के परिवार को 25 लाख की आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घायल मरीजों के इलाज में कोई कमी न रहे। उन्होंने इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। सरकार ने हर मृतक के परिवार को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का फैसला किया है। फिलहाल अस्पताल में स्थिति को संभालने की कोशिश की जा रही है और मामले की गहराई से जांच हो रही है।

ओडिशा अग्निकांड पर राष्ट्रपति

पीएमओ ने जताया दुख, मृतकों के परिजन के लिए 2 लाख की सहायता राशि का एलान

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा के कटक में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां एससीबी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू में अचानक भीषण आग लग गई। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस घटना की जानकारी दी है। हादसे की खबर मिलते ही मुख्यमंत्री तुरंत अस्पताल पहुंचे और मौके पर हालात का जायजा लिया। इस घटना पर देश के तमाम बड़े नेताओं ने शोक व्यक्त किया है।

राष्ट्रपति ने जताया दुख

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को ओडिशा के अस्पताल में आग लगने की घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। घटना पर राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने लिखा, 'ओडिशा के कटक में एक अस्पताल में आग लगने की दुखद घटना में लोगों की मौत से मुझे बहुत दुख हुआ है। शोक में डूबे परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करती हूं।' वहीं ओडिशा के कटक में हुए अस्पताल हादसे पर प्रधानमंत्री ने भी गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'ओडिशा के कटक स्थित एक अस्पताल में हुई दुर्घटना अत्यंत दुखद है।

खबरें जरा हटके

खिड़की खुली छोड़कर गया था शख्स तीन साल बाद लौटा तो उड़े होश

घर में राज कर रहे थे दर्जनों कबूतर!

कभी-कभी छोटी सी लापरवाही भी बड़ी समस्या बन सकती है. रूस के एक शख्स के साथ कुछ ऐसा ही हुआ, जिसकी कहानी इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है. जब वह करीब तीन साल बाद अपने फ्लैट में लौटा, तो वहां का नजारा देखकर उसके होश उड़ गए. उसका घर पूरी तरह कबूतरों का ठिकाना बन चुका था. रूस के खनन शहर वोरकुटा से सामने आई इस घटना का वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो गया है. वीडियो में एक घर के अंदर दर्जनों कबूतर आराम से बैठे दिख रहे हैं, मानो वही इस जगह के असली मालिक हों. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फ्लैट का मालिक करीब तीन साल पहले काम के सिलसिले में साइबेरिया चला गया था. जल्दबाजी में वह अपने अपार्टमेंट की एक खिड़की बंद करना भूल गया. बस यही छोटी सी गलती कबूतरों के लिए मौका बन गई. धीरे-धीरे आसपास के कबूतर उस खिड़की से अंदर आने लगे और कुछ ही समय में पूरा फ्लैट उनका ठिकाना बन गया.

जब तीन साल बाद मालिक वापस लौटा, तो घर का नजारा बिल्कुल बदल चुका था. फर्श पर जगह-जगह कबूतरों की बीट, पंख और घोंसले दिखाई दे रहे थे. फर्नीचर पर भी कबूतर बैठे नजर आ रहे थे, जैसे वे वहां लंबे समय से रह रहे हों. घर की हालत देखकर मालिक भी हैरान रह गया. उसने मजाकिया अंदाज में कहा कि उसका फ्लैट तो अब "कबूतरों का दुबई" बन चुका है. उसने बताया कि हर तरफ घोंसले, पंख और गंदगी फैली हुई है. कबूतर इतने आराम से बैठे थे कि जैसे वही इस घर के असली मालिक हों और वह खुद एक घुसपैठिया बनकर आया हो. इस पूरे दृश्य का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया. लोग इस घटना पर तरह-तरह के मजेदार कमेंट कर रहे हैं।

जैसे ही जमीन खोदो, निकल आते हैं नागराज!

बुंदेलखंड के इस टीले में छिपा है 1000 साल पुराना रहस्य

मध्य प्रदेश के सागर जिले के ढाना गांव के पास स्थित पटनेश्वर धाम इन दिनों रहस्यमयी खोज को लेकर चर्चा में है. यहां जमीन की खुदाई में कलचुरी काल यानी 10वीं से 12वीं शताब्दी की प्राचीन मूर्तियां मिलने का दावा किया जा रहा है. स्थानीय लोगों का कहना है कि जैसे ही खुदाई शुरू होती है वहां नागराज निकलने लगते हैं, जिससे काम रोकना पड़ता है. विशेषज्ञों का मानना है कि यहां कभी प्राचीन मंदिर या बस्ती रही होगी जो समय के साथ मिट्टी में दब गई. अगर इस क्षेत्र में वैज्ञानिक तरीके से उत्खनन किया जाए तो कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक रहस्य सामने आ सकते हैं. वीर बुंदेलाओं की धरती कहे जाने वाले बुंदेलखंड का इतिहास सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं है. यहां की मिट्टी, खंडहर और पुराने टीले आज भी बीते समय की कहानियां सुनाते हैं. सागर जिले के ढाना गांव के पास स्थित पटनेश्वर धाम इन दिनों एक रहस्यमयी वजह से चर्चा में है. यहां जमीन की खुदाई के दौरान लगातार प्राचीन मूर्तियां और पत्थर निकल रहे हैं. स्थानीय लोगों का दावा है कि ये मूर्तियां हजारों साल पुरानी हैं और संभवतः किसी प्राचीन मंदिर या बस्ती के अवशेष हैं.

खुदाई में मिल रही कलचुरी कालीन मूर्तियां

स्थानीय लोगों के मुताबिक यहां खुदाई में जो मूर्तियां निकल रही हैं, उन्हें कलचुरी काल यानी 10वीं से 12वीं शताब्दी के आसपास का माना जा रहा है. हालांकि अभी तक इसका कोई आधिकारिक पुरातात्विक सर्वे नहीं हुआ है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि यह स्थान शोध का बड़ा विषय हो सकता है.

माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पाई गई ऐसी चीज, खुल गया भयंकर राज!

माउंट एवरेस्ट, जो पृथ्वी की छत कहलाता है और 8848 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, वहां की चोटी पर मिली एक खोज ने वैज्ञानिकों और आम लोगों दोनों के होश उड़ा दिए हैं. हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों और रिपोर्ट्स में दिखाया गया है कि एवरेस्ट की सबसे ऊपरी चट्टानों में 450 मिलियन साल पुराने समुद्री जीवाश्म (फॉसिल्स) पाए गए हैं. ये जीवाश्म क्रिनॉइड्स, ट्राइलोबाइट्स, ब्रैकियोपॉड्स और ऑस्ट्राकोड्स जैसे प्राचीन समुद्री जीवों के हैं, जो कभी गर्म, उथले समुद्र में रहते थे. ये सबूत बताते हैं कि दुनिया की सबसे ऊंची जगह कभी प्राचीन टेथिस महासागर की तलहटी थी!

क्या कहते हैं वैज्ञानिक?

वैज्ञानिकों के अनुसार, एवरेस्ट की चोटी वाली चट्टानें 'क्वोमोलांगमा लाइमस्टोन' नाम की सेडिमेंटरी रॉक हैं, जो ऑर्डोविशियन पीरियड (488-443 मिलियन साल पहले) की हैं. इन चट्टानों में समुद्री जीवों के गोले, कंकाल और प्रिंट्स संरक्षित हैं. हाल की एक रिसर्च टीम ने 13,000 फीट से ज्यादा ऊंचाई पर ये फॉसिल्स कन्फर्म किए, जो बताते हैं कि ये रॉक कभी टेथिस सागर के फ्लोर पर बने थे. टेथिस सागर भारत और एशिया के बीच फैला हुआ प्राचीन महासागर था, जो अब गायब हो चुका है. इसका जवाब है प्लेट टेक्टॉनिक्स! लगभग 225 मिलियन साल पहले, भारतीय प्लेट गोंडवाना सुपरकॉन्टिनेंट से अलग होकर उत्तर की ओर बढ़ी. यह प्लेट यूरेशियन प्लेट से टकराई, जिससे हिमालय पर्वत श्रृंखला बनी. इस टक्कर ने समुद्र तल की चट्टानों को ऊपर धकेला और जो कभी समुद्र की गहराई में था, वो आज 29,000 फीट से ज्यादा ऊंचाई पर है.

बंगाल में ईडी की बड़ी कार्रवाई

अवैध कॉल सेंटर मामले में सिलीगुड़ी-हावड़ा समेत 10 ठिकानों पर छापेमारी

कोलकाता, 16 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। जांच एजेंसी की टीमों ने राज्य के अलग-अलग कई इलाकों में छापेमारी की। यह पूरी कार्रवाई एक अवैध कॉल सेंटर चलाने और लोगों से धोखाधड़ी करने के मामले से जुड़ी है। अधिकारियों ने बताया कि सिलीगुड़ी, हावड़ा, बिधाननगर और दुर्गापुर जैसे इलाकों में करीब 10 जगहों पर तलाशी ली गई। इस मामले में सुरश्री कर, सम्राट घोष और सुभजीत चक्रवर्ती के नाम मुख्य रूप से सामने आए हैं। एजेंसी इन लोगों और इनके साथियों के ठिकानों पर जरूरी सबूत तलाश रही है। इन लोगों पर आरोप है कि इन्होंने कॉल सेंटर के जरिए बहुत से मासूम लोगों को अपना शिकार बनाया और उनसे बड़ी रकम ठगी है।

फिलहाल यह साफ नहीं हो पाया है कि इस मामले का कोई संबंध चुनावी फंडिंग या राजनीति से है या नहीं। जांच एजेंसी हर पहलू से मामले की पड़ताल कर रही है। ईडी के अधिकारी जब्त किए गए दस्तावेजों और सामानों की जांच कर रहे हैं ताकि इस गिरोह की पूरी सच्चाई सामने आ सके। यह छापेमारी एसे समय में हुई है जब बंगाल में चुनावी माहौल पूरी तरह गरमाया हुआ है। चुनाव आयोग ने हाल ही में राज्य में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा की है। बंगाल में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को दो चरणों में मतदान होना है। चुनाव के नतीजों का एलान 4 मई को असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के साथ होगा।

बीएसएफ जवान ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पुंछ में एक सेना के जवान की हार्ट अटैक से मौत

जम्मू, 16 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में एक बीएसएफ जवान ने सोमवार तड़के कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। मृतक जवान की पहचान उत्तर प्रदेश के रहने वाले हेड कॉन्स्टेबल हरि बाबू के रूप में हुई है। वह सांबा के पेंठी इलाके में एक कैंप में तैनात थे। वही पुंछ जिले के कृष्णा घाटी सेक्टर में लाइन ऑफ कंट्रोल पर तैनात एक सेना के जवान की कथित तौर पर हृदयाघात से मौत हो गई। मृतक जवान की पहचान नाइक तिलक सिंह के रूप में हुई है। सेना की व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने एक पोस्ट में कहा, हम नाइक तिलक सिंह को श्रद्धांजलि देते हैं, जिन्होंने 15 मार्च को कृष्णा घाटी सेक्टर में एलओसी पर ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवा दी।

शराब घोटाला केस

हाईकोर्ट ने केजरीवाल-सिसोदिया और बाकी को जवाब दाखिल करने का दिया समय, 6 अप्रैल को सुनवाई

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में आज सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और इस मामले के अन्य आरोपियों को अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है।

मामले की अगली सुनवाई 6 अप्रैल को निर्धारित की गई है। नोटिस के बाद भी केजरीवाल या अन्य किसी आरोपी के द्वारा जवाब दाखिल नहीं किया गया। सुनवाई के दौरान सीबीआई की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह हर बार आरोप लगाकर भाग जाते हैं, न्यायिक प्रक्रियाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं। केजरीवाल की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन ने कहा कि वह कुछ समय चाहते हैं क्योंकि इस मामले में बेंच बदलने के लिए सुप्रीम कोर्ट से मांग की गई है। जिसपर अदालत ने केजरीवाल की मांग पर जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय दिया।

बता दें कि कथित दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने राउज एवेन्यू कोर्ट के उस फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा कुल 23 आरोपियों को आरोपमुक्त किया था।

केजरीवाल ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मामले में जज बदलने की मांग को लेकर अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पहले केजरीवाल ने हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर मामले की सुनवाई किसी अन्य पीठ को सौंपने का अनुरोध किया था। हाईकोर्ट ने ऐसा करने से इन्कार कर दिया। उसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

ऑपरेशन सिंदूर टिप्पणी मामले में प्रोफेसर अली खान को राहत

हरियाणा सरकार ने बंद किया केस

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर पर की गई टिप्पणी को लेकर विवादों में घिरे अशोका यूनिवर्सिटी के इतिहास के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को बड़ी राहत मिलती नजर आ रही है।

हरियाणा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वह प्रोफेसर के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले में आगे अभियोजन की अनुमति नहीं देगी और इसे एक बार की उदारता मानते हुए कार्रवाई बंद करने का फैसला किया है। सरकार के इस रुख के बाद यह मामला अब लगभग खत्म होता दिखाई दे रहा है। कोर्ट में बताया गया कि राज्य सरकार ने प्रोफेसर अली खान के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्रवाई को बंद करने का फैसला किया है। सरकार ने इसे एक बार की उदारता (वन-टाइम मैग्नैनिमिटी) बताते हुए आपराधिक कार्रवाई को बंद करने का फैसला किया है। दरअसल, प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद पर आरोप था कि उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर टिप्पणी की थी। बता दें कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की वह जवाबी कार्रवाई थी जो पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ की गई थी।

सीजेआई सूर्यकांत की बेंच कर रही थी सुनवाई

इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच कर रही थी। सुनवाई के दौरान हरियाणा सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कोर्ट को बताया कि कोर्ट के पहले दिए गए सुझाव के बाद सरकार ने इस मामले को बंद करने का फैसला किया है।

कोर्ट ने प्रोफेसर को जिम्मेदारी से व्यवहार करने की सलाह दी

सुप्रीम कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि राज्य सरकार ने बताया है कि वह इस मामले में आगे की कार्रवाई के लिए अभियोजन की अनुमति नहीं देगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि चार्जशीट पहले ही दाखिल हो चुकी है, लेकिन सरकार ने आगे केस न चलाने का फैसला लिया है। कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता एक पढ़े-लिखे और समझदार प्रोफेसर हैं और उम्मीद है कि वह आगे जिम्मेदारी से व्यवहार करेंगे। इस फैसले के बाद प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद के खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई अब खत्म होने की संभावना है।

गैस की कालाबाजारी को रोकने के लिए महाराष्ट्र सरकार की सख्ती

18 गिरफ्तार और 1208 गैस सिलिंडर जब्त

मुंबई, 16 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच गैस की संभावित कमी और कालाबाजारी को रोकने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। राज्य के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री बच्चू कडू ने बताया कि गैस सिलिंडर की अवैध बिक्री और जमाखोरी के खिलाफ राज्यभर में कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई के तहत कई जगह छापेमारी की गई और बड़ी संख्या में सिलिंडर जब्त किए गए। सरकार का कहना है कि आम लोगों को गैस की आपूर्ति प्रभावित न हो, इसके लिए लगातार निगरानी की जा रही है।

मंत्री बच्चू कडू ने विधान परिषद में बताया कि राज्य सरकार ने अब तक 23 मामले दर्ज किए हैं और 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिलों में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक की संयुक्त समितियां बनाई गई हैं, जिन्होंने राज्यभर में 2129 छापे मारे। इन छापों में 1208 एलपीजी सिलिंडर और करीब 33.66 लाख रुपये का सामान जब्त किया गया है। सरकार का कहना है कि यह कार्रवाई गैस की कृत्रिम कमी और जमाखोरी रोकने के लिए की गई है। सरकार ने साफ किया है कि राज्य में रसोई गैस, एलपीजी और पाइप्ड गैस की कोई कमी नहीं है। मंत्री ने बताया कि उन्होंने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों से बातचीत की है।

आठ साल की बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म

पुलिस ने पकड़े तीन नाबालिग आरोपी

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के ओखला इलाके में एक 8 साल की बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने तीन नाबालिग आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस को प्राप्त जानकारी के अनुसार, ओखला औद्योगिक क्षेत्र पुलिस स्टेशन में 14 मार्च को एक पीसीआर कॉल आई थी। कॉल में एक आठ वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ तीन नाबालिग लड़कों द्वारा कथित यौन उत्पीड़न की सूचना दी गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की।

संसद भवन के गेट पर अचानक बजने लगा सायरन

> कुछ देर के लिए रोकी गईं गाड़ियां, मची अफरा-तफरी

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। देश की सबसे सुरक्षित इमारतों में से एक संसद परिसर में आज अचानक सुरक्षा सायरन बजने से हड़कंप मच गया। सुरक्षा से जुड़े सूत्रों ने इस घटना की जानकारी दी है। यह घटना उस समय हुई जब संसद के एंट्री गेट पर लगा एक बूम बैरियर अचानक नीचे गिर गया। बैरियर के गिरते ही वहां लगा ऑटोमैटिक सुरक्षा सायरन जोर-जोर से बजने लगा।

सायरन की आवाज सुनते ही वहां तैनात सुरक्षाकर्मी तुरंत अलर्ट हो गए। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अधिकारियों ने फौरन संसद परिसर में गाड़ियों के आने-जाने पर रोक लगा दी। अचानक एंट्री रुकने से गेट के बाहर गाड़ियों की कतार लग गई और कुछ देर के लिए वहां अफरा-तफरी जैसा माहौल बन गया। सुरक्षा टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच की। सायरन बजने के बाद इसलिए भी हलचल तेज हो गई क्योंकि मौके पर संसद में बजट सत्र चल रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि तेज हवा के दबाव की वजह से बैरियर अचानक गिर गया होगा। इसके बाद क्यूआरटी अपनी जगह वापस लौट गई और कुछ देर के लिए रुकी गाड़ियों की आवाजाही फिर से शुरू कर दी गई। हालांकि

अधिकारी अब इस बात की जांच कर रहे हैं कि बैरियर गिरने की असली वजह क्या थी। एक संभावना यह भी जताई जा रही है कि शायद सिस्टम वहां से गुजर रही किसी कार का एंट्री स्टिकर सही से पढ़ नहीं पाया, जिससे बैरियर अपने आप नीचे आ गया। सूत्र ने बताया, इस पूरी घटना के दौरान सुरक्षा से जुड़े सभी कड़े नियमों का पालन किया गया।

बता दें कि दिसंबर 2023 में संसद की सुरक्षा में हुई बड़ी चूक के बाद, मई 2024 में सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी सीआईएसएफ को सौंपी गई थी। गृह मंत्रालय के अधीन काम करने वाले इस बल ने संसद परिसर की सुरक्षा के लिए करीब 3,300 जवान तैनात किए हैं। इस सुरक्षा घेरे में फायर फाइटर्स और आपदा प्रबंधन की टीमें भी शामिल रहती हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 17 मार्च, 2026 3

सुविचार: टूट जाते है गरीबी में वो रिश्ते जो ख़ास होते है, हजारों यार बनते है जब पैसा पास होता है!

अखिल भारतीय पुलिस फुटबॉल चैंपियनशिप 25 से : डीजीपी

तेलंगाना पुलिस विभाग आयोजन की मेजबानी करेगा

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवधर रेड्डी ने घोषणा की है कि हैदराबाद में प्रतिष्ठित 74वीं बी.एन. मलिक मेमोरियल अखिल भारतीय पुलिस फुटबॉल चैंपियनशिप की मेज़बानी के लिए सभी इंतज़ाम पूरे कर लिए गए हैं। डीजीपी ने बताया कि तेलंगाना पुलिस विभाग इस भव्य खेल आयोजन की मेज़बानी करेगा, जो इस महीने की 25 तारीख से शुरू होकर 5 अप्रैल तक चलेगा। उन्होंने बताया कि देश के अलग-अलग राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए शहर में जमा हो रहे हैं।

उन्होंने आगे बताया कि इस मेगा-टूर्नामेंट के लिए शहर के अंदर छह बड़े मैदान तैयार किए गए हैं, इनमें गच्चीबावली में जीएमएसी बालायोगी स्टेडियम, अज़ीज़ नगर में एचएफसी गोगजीज़ स्पोर्ट्स एरिना, मोइनाबाद में श्रीनिधि फुटबॉल क्लब ग्राउंड, शिवरामपल्ली में राष्ट्रीय पुलिस अकादमी ग्राउंड, गोलकोंडा में आर्टिलरी सेंटर ग्राउंड और तेलंगाना पुलिस अकादमी ग्राउंड शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गच्चीबावली और एचएफसी मैदानों पर फ़्लडलाइट की सुविधा उपलब्ध है, जिससे रात में भी मैच खेले जा सकेंगे।

उन्होंने घोषणा की कि 24 मार्च को टीम मैनेजरों की एक बैठक और ड्रॉ ऑफ़ लॉट्स (पर्चियों द्वारा टीमों का बंटवारा) होगा, जिसके बाद 25 मार्च की दोपहर तीन बजे गच्चीबावली स्टेडियम में उद्घाटन समारोह होगा, उन्होंने यह भी बताया कि उद्घाटन मैच तेलंगाना पुलिस की टीम खेलेगी। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रतियोगिताएं बिना किसी रुकावट के हों, इस आयोजन की देखरेख एक आईपीएस अधिकारी करेंगे, जिनके साथ डीएसपी /सहायक कमांडेंट रैंक के 13 अधिकारी, 23 इंस्पेक्टर और 35 टीम मैनेजर होंगे। उन्होंने आगे बताया कि इस भव्य खेल आयोजन का समापन 5 अप्रैल को समापन समारोह के साथ होगा। डीजीपी ने बताया कि अब तक, पुरुषों की श्रेणी में 37 टीमें और महिलाओं की श्रेणी में 9 टीमें इस चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए आगे आई हैं। यह बताते हुए कि आज टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए आवेदन करने की अंतिम समय सीमा है, उन्होंने कहा कि इस फ़ुटबॉल मुकाबले में कुल 46 टीमें आमने-सामने होंगी।

इस अवसर पर, डीजीपी ने टूर्नामेंट के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए लोगो का अनावरण किया। इस बैठक में आरबीवीआरआर तेलंगाना पुलिस अकादमी की निदेशक अभिलाषा बिष्ट, अतिरिक्त डीजीपी (कानून-व्यवस्था) महेश एम. भागवत, अतिरिक्त डीजीपी (ग्रेहाउंड्स) अनिल कुमार, अतिरिक्त डीजीपी (टीजीएपी) संजय कुमार जैन, साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ.एम. रमेश, आईजीपी चंद्रशेखर रेड्डी और रमेश नायडू, हैदराबाद के अतिरिक्त सीपी तपसीर इक़बाल, संयुक्त सीपी श्वेता रेड्डी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

90 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का विशाल लक्ष्य निर्धारित : उत्तम

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने चल रहे रबी मौसम के दौरान 90 लाख मीट्रिक टन धान की अभूतपूर्व खरीद के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक व्यापक कार्ययोजना का अनावरण किया। सोमवार को यहां रबी मौसम की तैयारी के लिए आयोजित बैठक में अतिरिक्त कलेक्टरों, जिला नागरिक आपूर्ति अधिकारियों तथा सिविल सप्लाइज कॉरपोरेशन के जिला प्रबंधकों को संबोधित करते हुए मंत्री ने बताया कि इस वर्ष 54.48 लाख एकड़ में धान की खेती होने का अनुमान है, जिससे लगभग 152.03 लाख मीट्रिक टन उत्पादन होने की संभावना है। तेलंगाना स्टेट सिविल सप्लाइज कॉरपोरेशन लिमिटेड ने 90 लाख मीट्रिक टन- जिसमें 60 लाख मीट्रिक टन मोटा और 30 लाख मीट्रिक टन महीन धान शामिल है- सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम

समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है।

किसानों के लिए सुगम और अनुकूल व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए राज्य में 8,251 धान खरीद केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जिन्हें आईकेपी, पीएसीएस और अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित किया जाएगा। इन केंद्रों पर आधुनिक उपकरण, पर्याप्त भंडारण, परिवहन और मौसम संबंधी सतर्कता की व्यवस्था की जाएगी। मंत्री ने कहा कि किसी भी प्रकार की मजबूरी में बिक्री (डिस्ट्रेस सेल) नहीं होने दी जाएगी और किसानों के हितों की रक्षा के लिए सशक्त निगरानी, गोदामों की पहचान तथा जमीनी स्तर पर सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि सरकार द्वारा निर्धारित एमएसपी पर प्रत्येक दाना खरीदा जाएगा और किसी किसान को मजबूरी में धान बेचने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में 8,251 धान खरीद केंद्रों का अभूतपूर्व नेटवर्क स्थापित किया जाएगा। यह व्यापक विकेन्द्रीकृत व्यवस्था किसानों की कठिनाइयों को कम करने और आधुनिक सुविधाओं के साथ स्थल पर ही खरीद सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। मंत्री ने रबी मौसम के लिए घोषित एमएसपी दरों को भी दोहराया ग्रेड ए धान के लिए 2,387 रुपये प्रति क्विंटल तथा सामान्य किस्म के लिए 2,369 रुपये प्रति क्विंटल। उन्होंने कहा कि ये दरें किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी और बाजार में उतार-चढ़ाव से सुरक्षा प्रदान करेंगी। उत्तम कुमार रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिकॉर्ड स्तर की खरीद सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सभी कदम तुरंत उठाए जाएं। सभी खरीद एमएसपी दरों के अनुसार पारदर्शिता के साथ की जाएगी। सभी केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में जूट की बोरियां (गन्नी बैग) पहले ही उपलब्ध करा दी गई हैं। साथ ही धान को खरीद केंद्रों से चावल मिलों तक सुचारु रूप से पहुंचाने के लिए पर्याप्त वाहनों की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

उसमानिया अस्पताल में कृत्रिम अंग निर्माण सुविधा शुरू

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गरीब और अंगविहीन मरीजों की मदद के लिए उसमानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) में सोमवार को कृत्रिम अंग निर्माण की नई सुविधा शुरू की गई। यह केंद्र अस्पताल के पहले से संचालित फुट कैंसर केंद्र में स्थापित किया गया है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. राकेश सहाय ने इस सुविधा का उद्घाटन किया। इसे एंडोक्रिनोलॉजी, जनरल सर्जरी और ऑर्थोपेडिक विभाग संयुक्त रूप से संचालित करेंगे।

यहां उन मरीजों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराए जाएंगे, जिनके अंग दुर्घटना या गंभीर मधुमेह संबंधी जटिलताओं के कारण काटने पड़े हैं। अत्याधुनिक तकनीक और 3डी प्रिंटिंग से तैयार किए गए ये कृत्रिम अंग हल्के और मरीज के शरीर के अनुरूप बनाए जाते हैं, जिससे उन्हें चलने-फिरने में आसानी होती है। एक कृत्रिम अंग की लागत लगभग 25 हजार रुपये है, लेकिन जरूरतमंद मरीजों को यह निःशुल्क दिया जाएगा। नई सुविधा शुरू होने के बाद निचले अंग गंवा चुके 10 मरीजों को विशेष 3डी प्रिंटेड कृत्रिम अंग प्रदान किए गए, जिनमें एक ऐसा मरीज भी शामिल है जिसके दोनों पैर कट चुके थे।

एचपीवी टीकाकरण से सर्वाइकल कैंसर थमेगा

हैदराबाद में जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रेस सूचना ब्यूरो, हैदराबाद ने राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के अवसर पर किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीके के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए एआरटीए नामक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम मुशीबाद के एक सरकारी विद्यालय में आयोजित किया गया, जिसमें 14-15 वर्ष आयु की छात्राओं को लक्षित किया गया। यह पहल 28 फरवरी से शुरू हुए 90 दिनों के राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का हिस्सा है। कार्यक्रम के दौरान टीके के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक नाट्य प्रस्तुति भी आयोजित की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीआईबी की अतिरिक्त महानिदेशक श्रुति पाटिल ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक 14 वर्षीय लड़की को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए निःशुल्क टीका उपलब्ध कराया जाए, जिससे एक स्वस्थ भारत के निर्माण में मदद मिलेगी। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. चांदनी ने टीके से जुड़े भ्रमों को दूर करते हुए कहा कि इसे गर्भावस्था या मासिक धर्म से जोड़ने वाले दावे पूरी तरह गलत हैं। उन्होंने बताया कि यह टीका सुरक्षित है और सर्वाइकल कैंसर के लगभग 90 प्रतिशत मामलों को रोक सकता है, जो भारत में महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे आम कैंसर है। उन्होंने यह भी बताया कि यह टीका मुंह और गुदा से जुड़े कैंसर को रोकने में भी सहायक हो सकता है। इस जागरूकता कार्यक्रम में शिक्षकों, छात्रों तथा प्रेस सूचना ब्यूरो और केंद्रीय संचार ब्यूरो के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

ट्रेन संचालन में सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : संजय श्रीवास्तव

महाप्रबंधक ने ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने रेल निलयम में पूरे क्षेत्र में रेलगाड़ियों के संचालन की सुरक्षा संबंधी एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की। इस बैठक में सत्य प्रकाश, अपर महाप्रबंधक तथा विभिन्न विभागों के प्रधान विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। सभी छह मंडलों विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। सुरक्षा पर विशेष बल देते हुए संजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि रेलगाड़ियों के संचालन में सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे विशेष रूप से ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा नियमों और प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी मंडल रेल प्रबंधकों को निर्देश दिया कि पटरियों की मजबूती और उपयुक्त स्थिति पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा ग्रीष्म ऋतु में बढ़ते तापमान को देखते हुए पटरियों पर आवश्यकतानुसार पत्थर (बैलेस्ट) की समुचित व्यवस्था बनाए रखी जाए। उन्होंने रेलगाड़ियों में ज्वलनशील पदार्थों के अवैध या अनधिकृत परिवहन की जांच को और सख्त करने तथा कोच खड़े करने वाले यार्ड और माल भंडार स्थलों पर अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाकर निगरानी व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने क्षेत्र में चल रहे सड़क अधोसेतु निर्माण कार्यों को शीघ्र गति से पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि रेलगाड़ियों के आवागमन की सुरक्षा और बेहतर हो सके। उन्होंने विशेष रूप से घुमावदार स्थानों और बहु-पटरी वाले क्षेत्रों में संकेतों की स्पष्ट दृश्यता सुनिश्चित करने पर जोर दिया और अधिकारियों को सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते समय अधिक सतर्क रहने को कहा। सड़क अधोसेतुओं में जलभराव की समस्या पर चर्चा करते हुए महाप्रबंधक ने मंडल रेल प्रबंधकों को निर्देश दिया कि इस समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए तथा वैज्ञानिक तरीकों और प्रभावी जल निकासी एवं पंप व्यवस्था के माध्यम से इसे दूर किया जाए।

गंडीपेट झील में नहाने गए तीन युवक डूबे, शव बरामद

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को रंगारेड्डी जिले के गंडीपेट में एक झील में नहाने के दौरान तीन युवकों की डूबने से मौत हो गई। उनके शव सोमवार को झील से बरामद किए गए। मृतकों की पहचान कार्तिक (25), गोवर्धन (23) और वेंकटेश (25) के रूप में हुई है, जो इब्राहिम बाग इलाके के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार तीनों युवक झील में तैरने के लिए उतरे थे, लेकिन पानी के गहरे हिस्से में चले जाने से डूबने लगे। स्थानीय लोगों ने घटना देख तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों तथा कुशल तैराकों की मदद से तलाशी अभियान शुरू किया, लेकिन रात होने के कारण अभियान रोकना पड़ा। सोमवार को दोबारा खोजबीन कर तीनों शवों को पानी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

साहित्य अकादमी पुरस्कार पर नंदिनी सिद्धा रेड्डी को केसीआर व बीआरएस नेताओं की बधाई

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने प्रख्यात कवयित्री और लेखिका नंदिनी सिद्धा रेड्डी को वर्ष 2025 के साहित्य अकादमी पुरस्कार के लिए चुने जाने पर बधाई दी और इसे तेलंगाना के लिए गर्व का क्षण बताया।

अपने बयान में उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान वैश्विक संकट और मानवीय संबंधों पर पड़े प्रभाव को दर्शाने वाले उनके कविता संग्रह अनिमेषा के लिए दिया गया यह सम्मान पूरी तरह उचित है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव और पार्टी के वरिष्ठ नेता टी हरीश राव ने साहित्य अकादमी पुरस्कार के लिए चयनित प्रख्यात कवयित्री और लेखिका नंदिनी सिद्धा रेड्डी को बधाई दी और इसे तेलंगाना के लिए गर्व का क्षण बताया। अपने बयान में नेताओं ने कहा कि सिद्धा रेड्डी ने आधुनिक तेलुगु कविता और तेलंगाना साहित्य को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्होंने यह भी कहा कि यह सम्मान उनकी लंबी साहित्यिक यात्रा और तेलंगाना की संस्कृति तथा पहचान को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका की स्वीकृति है।

बीआरएस नेताओं ने तेलंगाना आंदोलन के दौरान उनकी सक्रिय भूमिका को भी याद किया और कहा कि उनकी रचनाओं और गीतों ने जनता की भावनाओं को अभिव्यक्ति दी और अलग राज्य की मांग को मजबूत किया। हरीश राव ने उन्हें साहित्यिक योद्धा बताते हुए कहा कि यह पुरस्कार राज्य के सांस्कृतिक और साहित्यिक क्षेत्र में उनके योगदान की सच्ची पहचान है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, VIMALA BEN, M/O: SEP Bhoi Vikrambhai Ramanbhai, R/O: KANAJAV, PANI NI TANKI, BHOIVADA, LUNAWADA, KANJAV, MAHISAGAR, KIDIA, GUJARAT - 388270, have changed my name from VIMALA BEN to BHOI VIMALABEN RAMANBHAI and DOB is: 01-06-1957 vide Affidavit dt.16-03-2026 AT Hyderabad

I, GENKATA VEERA SS DEVI, W/O: EX SGT CHELLINGI SRINIVASA RAO, R/O: H.NO.37-93/47/2/3/1/B, MADHURA NAGAR,ROAD NO.5, NEREDMET, MALKAJGIRI, MEDCHAL MALKAJGIRI, TG -500056 have changed my name from GENKATA VEERA SS DEVI to GUBBALA VENKATA VEERA SATYA SUNDARI DEVI and my DOB is:15/06/1967 vide Affidavit dt.07-03-2026 AT Hyderabad

I, BHOI RAMAN BHAI, F/O: SEP Bhoi Vikrambhai Ramanbhai, R/O: KANAJAV, PANI NI TANKI, BHOIVADA, LUNAWADA, KANJAV, MAHISAGAR, KIDIA, GUJARAT - 388270, have changed my name from BHOI RAMAN BHAI to BHOI RAMANBHAI SOMABHAI vide Affidavit dt.16-03-2026 AT Hyderabad

I, Parasu Ram Rathoure, Father of JC 782903N, Nb Sub, Krishn Kumar Rathoure, R/o, Dist : Anuppur, Madhya Pradesh, changed my name from Parasu Ram Rathoure to Parasu Rathour vide Affidavit No.284949 dt. 12.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

WANTED

Wanted Male TAILORS for Ladies Garments @ A Wholesale Cloth Store Near KOMPALLY, Hyderabad Language : Hindi or Telugu Ph. 7993979516

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

डीपफेक वीडियो से सावधान रहें, पुलिस आयुक्त की अपील

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ डीपफेक वीडियो और तस्वीरों के जरिए लोगों को गुमराह करने के मामले बढ़ रहे हैं। इस पर शहर के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि एआई से बनाए गए कई वीडियो और फोटो देखने में बिल्कुल असली लगते हैं, जिससे उन्हें पहचानना मुश्किल हो जाता है।

हालांकि ध्यान से देखने पर असामान्य रोशनी, चेहरे के अजीब भाव और अस्वाभाविक हरकतों जैसे संकेत मिल सकते हैं। आयुक्त ने लोगों से अपील की कि संदिग्ध सामग्री को सोशल मीडिया पर साझा करने से पहले उसकी सच्चाई जरूर जांच लें। उन्होंने बताया कि रिवर्स इमेज सर्च से अक्सर फोटो या वीडियो के मूल स्रोत का पता लगाया जा सकता है और यह भी समझ में आता है कि उसमें छेड़छाड़ हुई है या नहीं।

कर्णन ने गोशामहल और कारवान सर्किलों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के 99-दिवसीय कार्यक्रम 'प्रजा पालना-प्रगति प्राणालिका' के अंतर्गत जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने सोमवार को तड़के गोशामहल और कारवान सर्किलों में आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने भगत सिंह जंक्शन पर चल रहे जंक्शन विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां स्थित इंदिरम्मा कैंटीन के संचालन की भी समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि आम जनता की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए आसपास की सड़कों पर तुरंत पैचवर्क कराया जाए। आयुक्त ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के अंतर्गत संचालित सार्वजनिक शौचालयों के रखरखाव की भी समीक्षा की। उन्होंने देखरेख करने वाले कर्मचारी से बातचीत की, सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति का सत्यापन किया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन सुविधाओं को हर समय स्वच्छ और स्वच्छतापूर्ण रखा जाए। इसके बाद गोलकुंडा के जोनल आयुक्त मुकुंद रेड्डी, सहायक आयुक्त (स्वच्छता) रवि किरण, अभियंत्रण तथा स्वच्छता विभाग के अधिकारियों और रामकी के प्रतिनिधियों के साथ आयुक्त ने आसपास की सड़कों तथा कचरा-संवेदनशील बिंदुओं (जीवीपी) का पैदल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अंबेडकर सामुदायिक भवन के पास किए गए अतिक्रमणों को हटाने के निर्देश दिए तथा कहा कि इस भवन को उगादी (तेलुगु नववर्ष) के अवसर पर उद्घाटन के लिए तैयार किया जाए। इसके बाद कर्णन ने जियागुड़ा स्थित 100 फीट सड़क का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने स्वच्छता और सड़क रखरखाव कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा अधिकारियों को क्षेत्र में विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जोनल आयुक्त, एसई, ईई, डीईई, एई तथा कारवां सर्किल के स्वच्छता कर्मचारी भी उपस्थित थे।

कोत्तागुडेम का हरिथा होटल तैयार, फिर भी महीनों से बंद

कोत्तागुडेम, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पर्यटन विभाग द्वारा जिला मुख्यालय के येल्लंडू चौराहे पर बनाया गया हरिथा होटल निर्माण पूरा होने के कई महीनों बाद भी अब तक आम जनता के लिए नहीं खोला गया है, जिससे पर्यटकों और श्रद्धालुओं में निराशा है। परियोजना के लिए नीति आयोग के तहत लगभग 12.36 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया था। आठ एकड़ भूमि पर होटल और कन्वेंशन सेंटर का निर्माण 2016 में शुरू हुआ और दिसंबर 2025 तक पूरा हुआ। होटल में 46 कमरे, रेस्तरां, 800 लोगों की क्षमता वाला बैंक्वेट हॉल, सुइट और डॉरमेट्री सहित कई सुविधाएं मौजूद हैं। भद्राचलम जाने वाले मार्ग पर स्थित होने के बावजूद श्री राम नवमी, मुक्कोटी एकादशी और गर्मियों के दौरान आने वाले श्रद्धालु इसका लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। पर्यटन विभाग द्वारा निजी भागीदारी के तहत संचालन के लिए जारी निविदाओं में कोई बोलीदाता आगे नहीं आया, जिसके कारण होटल बंद पड़ा है। इसी तरह किन्नरसानी जलाशय के पास बने दूसरे हरिथा होटल की स्थिति भी ऐसी ही है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों होटलों के संचालन के लिए नई निविदा प्रक्रिया शुरू की जा रही है, ताकि जल्द ही इन्हें जनता के लिए खोला जा सके।

जब 145 करोड़ जनशक्ति का भारत बोलता है तो विकट समस्या का भी समाधान होता है : सीएम योगी

लखनऊ, 16 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मातृशक्ति का आह्वान किया कि छोटी आयु के बच्चों को रोने-नाराज होने दें, कुछ देर में वे ठीक हो जाएंगे, लेकिन स्मार्टफोन कतई न दें। स्मार्ट फोन का अधिकाधिक प्रयोग समय की हानि के साथ आंखों को नुकसान पहुंचा रहा है। यह सोचने की सामर्थ्य को कम और बुद्धि को कुंठित कर रहा है।

लोग डिप्रेशन के शिकार हो रहे हैं। स्मार्टफोन के तमाम गेम नकारात्मक दिशा की ओर ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चा जितना समय स्मार्टफोन पर खर्च कर रहा है, उतना समय यदि अच्छी पुस्तकों, योग, व्यायाम पर लगाएगा तो जीवन सुंदर-व्यवस्थित होगा। स्मार्टफोन का लगातार प्रयोग नशे जैसा खतरनाक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में 200 से अधिक देश हैं, लेकिन भारत जैसा कोई नहीं। भारत दुनिया में अलग क्यों है, इसके लिए त्योहारों, परंपराओं, ऋषियों-मुनियों, विद्वानों, सैनिकों, किसानों, नौजवानों, बहन-बेटियों तथा माताओं के योगदान की विशिष्टता को समझना होगा।

सीएम ने सिरे मंदिर के आसपास बंदरों के चौराहे का जिक्र करते हुए कहा कि कल जब हम लोग यहां रुके तो कई बंदर आ गए। हमने एक बंदर को रोटी दी तो वह खाने लगा, लेकिन जब तक उसने पहली रोटी खा नहीं ली, तब तक दूसरी रोटी नहीं ली। मनुष्यों को यह शालीनता सीखनी चाहिए। मनुष्य हड़पने व संचय की बजाय जरूरतमंद तक पहुंचाने का भाव रखे। लोभ संवरण साधना है और इसे जीवन का हिस्सा बनाना परम साधना है।

राजस्थान दौरे के दूसरे दिन सोमवार को गोरक्षपीठाधीश्वर और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जालोर के श्री रत्नेश्वर महादेव मंदिर (सिरे मंदिर) के 375 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय महायज्ञ एवं विशाल धर्मसभा में शामिल हुए। उन्होंने धर्मसभा को संबोधित करते हुए युवा पीढ़ी को सीख दी कि जितना आवश्यक है, उतना ही स्मार्टफोन प्रयोग कीजिए। परिवार के लिए समय निकालिए, बातचीत कीजिए। भोजन, पूजा के समय फोन न उठाइए, बाद में कॉलबैक कीजिए। स्मार्टफोन एक समय बाद डिप्रेशन की बीमारी पैदा करने वाला है। छोटी-छोटी बातों के कारण आत्महत्याओं की प्रवृत्ति बढ़ी है। कभी विफलता मिली है तो कारण ढूंढ़कर उसे सफलता में बदलना ही जीवन है। विफलता से घबराना नहीं, बल्कि चुनौतियों का मुकाबला करना है। कोई भाग्य नहीं ले सकता, सब कुछ ईश्वरीय कृपा से ही मिलता है।

सीएम योगी ने पूरी की बच्चे की मुराद सेल्फी लेकर जीत लिया दिल

लखनऊ, 16 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के जालौर स्थित श्री शांतिनाथ बालिका उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर में पढ़ने वाले एक बच्चे की इच्छा रविवार को पूरी हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चे के मनोभाव को समझते हुए तत्काल उसके मन की मुराद पूरी कर दी। दरअसल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को राजस्थान में थे। वह श्री शांतिनाथ बालिका उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित नवीन भवन के अवलोकन कार्यक्रम में पहुंचे। यहां पढ़ने वाला एक बच्चा विद्यालय के कणिया गिरि मंच के नीचे खड़ा होकर मुख्यमंत्री के फ्रेम में बार-बार सेल्फी लेने की कोशिश कर रहा था। यह देखकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उस बच्चे को मंच पर बुला लिया। बच्चे से उसका नाम, क्लास आदि की जानकारी ली, फिर मोबाइल लेकर अपने हाथों से बच्चे के साथ सेल्फी खींची।

बरेली में दामाद ने सास और साले को मार डाला

बरेली, 16 मार्च (एजेंसियां)। बरेली के इज्जतनगर थाना क्षेत्र में अफसर खान नाम के युवक ने सोमवार को दिनदहाड़े अपनी सास आसमां (54 वर्ष) और साले आदिल (20 वर्ष) की हत्या कर दी। जानकारी के मुताबिक गांव रहपुरा चौधरी निवासी अफसर का अपनी पत्नी साइमा से विवाद चल रहा था। उसी को लेकर सोमवार को पंचायत बुलाई गई थी। पंचायत के दौरान ही अफसर ने चाकू से अपनी सास और साले पर हमला कर दिया। दोनों पर ताबड़तोड़ प्रहार किए, जिससे आसमां और उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया।

परिजन आनन-फानन दोनों को लेकर निजी अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बीच-बचाव करने के दौरान आरोपी की पत्नी भी घायल हो गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर, वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग गया। दोहरे हत्याकांड से गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस अफसर मौके पर पहुंचे और आसपास के लोगों से घटना की जानकारी जुटाई।

फायरिंग में शशांक पंडित समेत तीन आरोपियों ने किया सरेंडर

दीवानी में लगी पुलिस करती रही इंतजार

अलीगढ़, 16 मार्च (एजेंसियां)। भाजयुमो के दो गुटों में गैंगवार के दौरान फायरिंग कांड में फरार शशांक पंडित समेत तीन आरोपियों ने सरेंडर कर दिया। आरोपियों को अलीगढ़ की बन्नादेवी पुलिस अपने साथ ले गई। बन्नादेवी थाना अंतर्गत सराय हकीम बाजार में 12 मार्च को भाजयुमो के दो गुटों के बीच फायरिंग की घटना में पुलिस ने भाजयुमो मंत्री हर्षद हिंदू, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष यश गोयल, अमन पंडित, प्रिंस गोयल, भाजयुमो मंत्री शशांक पंडित, मोहित शर्मा, अनुराग ठाकुर, हनी शिवाजी, भाजयुमो मंत्री योगेंद्र योगी, यशनंदन, हमजा, मन्नू पंडित, प्रखर राठी व 10-12 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। जिनमें से हर्षद हिंदू, यश गुप्ता, मयंक ठाकुर, योगेंद्र योगी, प्रफुल्ल पंडित उर्फ लवली,नमन,काटू उर्फ गौरव, आयुष शर्मा को जेल भेज दिया था।
16 मार्च को दीवानी में पुलिस आरोपियों के सरेंडर का इंतजार कर रही थी। सरेंडर से पहले कुछ भाजपा नेता अचानक एसएसपी से मिलने गए। इसके बाद अचानक से पुलिस लाइन के पीछे गाड़ी से आए तीनों आरोपियों को बन्नादेवी पुलिस अपने साथ ले गई।

हाई कोर्ट का फैसला

'सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करें'

संभल में 20 लोगों के नमाज की अनुमति का आदेश रद्द

प्रयागराज, 16 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की इलाहाबाद हाई कोर्ट ने संभल प्रशासन के आदेश को रद्द कर दिया है। संभल प्रशासन की ओर से मस्जिद में 20 लोगों को नमाज पढ़ने की इजाजत दी गई थी। संभल प्रशासन ने सुरक्षा का मसला बताते हुए नमाज को सीमित करने का आदेश दिया था।

पिछले दिनों सुनवाई के क्रम में हाई कोर्ट ने सुरक्षा के मसले पर संभल डीएम और एसपी को कड़ी फटकार लगाई थी। सुरक्षा न दे पाने की स्थिति में इस्तीफा देने की बात कही थी। अब हाई कोर्ट ने मामले में सुनवाई के क्रम में संभल प्रशासन के आदेश को रद्द कर दिया है। हाई कोर्ट ने आदेश में कहा है कि प्रशासन सभी नमाज पढ़ने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। अगर नमाज पढ़ने में कोई बाधा उत्पन्न करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

कोर्ट ने क्या कहा था?

हाई कोर्ट ने पिछली सुनवाई के दौरान कहा था कि कानून व्यवस्था कायम रखना हर हाल में सरकार की जिम्मेदारी है। डीएम और एसपी अगर सोचते हैं कि नमाज अदा करने वालों की संख्या बढ़ने से कानून व्यवस्था की स्थिति खराब होगी।

अगर वे नमाजियों की संख्या सीमित करना चाहते हैं, तो या उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे दें या संभल से तबादला करा लें। कोर्ट ने कहा कि राज्य का दायित्व है कि वह हर समुदाय के निर्धारित स्थल पर शांतिपूर्ण प्रार्थना की व्यवस्था करे। अगर कोई निजी संपत्ति पर पूजा करना चाहता है तो इसके लिए अनुमति की जरूरत नहीं है।

क्या है मामला?

दरअसल, इलाहाबाद हाई कोर्ट में मुनाजिर खान की ओर से रिट सी याचिका दाखिल की गई थी। इसमें कहा गया कि उन्हें गाटा संख्या 291 पर रमजान के दौरान नमाज अदा करने से रोका जा रहा है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान कहा था कि वहां एक मस्जिद स्थित है। मामले में हाई कोर्ट के जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस सिद्धार्थ नंदन की डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई। हाई कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए पिछली सुनवाई में प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई थी।

दरअसल, इस जगह पर रमजान के माह में सामूहिक नमाज की इजाजत मांगी गई थी। जिला प्रशासन ने कानून व्यवस्था का मामला बताते हुए 20 से अधिक लोगों के नमाज पढ़ने पर यहां रोक लगा दी। प्रशासन के फैसले के खिलाफ संबंधित पक्ष हाई कोर्ट चला गया। सुनवाई के क्रम में हाई कोर्ट ने प्रशासन को खूब सुना दिया।

हाई कोर्ट ने कहा कि केवल सरकारी या सार्वजनिक प्रॉपर्टी पर पूजा करने की अनुमति लेनी होगी। याची का कहना है कि वह मस्जिद में लोगों के साथ नमाज पढ़ना चाहता है। प्रशासन संख्या सीमित कर रहा है। इस पर राज्य सरकार ने दलील दी कि गाटा संख्या 291 के स्वामित्व का विवाद है। यह जमीन राजस्व अभिलेखों में मोहन सिंह और भूराज सिंह के नाम दर्ज है। हालांकि, कोर्ट ने इन दलीलों को खारिज कर दिया।

टीटीई की पत्नी की चलती ट्रेन से कूदने से चली गई जान

बांदा, 16 मार्च (एजेंसियां)। यूपी में चित्रकूट धाम मंडल के मानिकपुर जंक्शन पर रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। प्रयागराज से गलत ट्रेन में बैठ गई एक महिला ने जब चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश की तो वह संतुलन खोकर रेलवे ट्रैक पर गिर गई। हादसे में महिला का एक हाथ कट गया और सिर में गंभीर चोटें आईं। इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। 28 वर्षीय रिंकी देवी अपने दो बच्चों के साथ बिहार जाने के लिए प्रयागराज के छिवकी जंक्शन से ट्रेन में सवार हुई थीं। लेकिन गलती से वह अहमदाबाद जाने वाली ट्रेन में बैठ गईं। मानिकपुर जंक्शन पहुंचने पर जब उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ तो उन्होंने चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश की। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वह ट्रैक पर गिर पड़ीं। ट्रेन की चपेट में आने से उनका एक हाथ कट गया।

धड़ से अलग कर सिर 500 मीटर दूर फेंका, खून के धब्बे और संघर्ष

क्रूरता कर शिनाख्त मिटाने की पूरी साजिश

बुलंदशहर, 16 मार्च (एजेंसियां)। बुलंदशहर के बुगरासी थाना नरसेना इलाके के बुगरासी चौकी क्षेत्र में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब गांव घुंघरावली में रजवाहे के समीप एक खेत में करीब 32 वर्षीय महिला का सिरविहीन शव मिला। करीब सात घंटे बाद घटनास्थल से 500 मीटर की दूरी पर पुलिस ने झाड़ियों से महिला का सिर भी बरामद कर लिया।
महिला के हाथ पर बबली और जूनी सिंह जैसे नाम गुदे हुए हैं। इन्हीं के आधार पर पुलिस उसकी शिनाख्त के प्रयास कर रही है। शनिवार सुबह करीब साढ़े सात बजे ग्रामीण जब अपने खेतों की ओर जा रहे थे, तब उन्होंने रजवाहे के पास झाड़ियों और खेत के बीच एक महिला का खून से लथपथ शव देखा। शव को देखते ही ग्रामीणों के पैरों तले जमीन खिसक गई, क्योंकि शव का सिर गायब था। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही थाना पुलिस और उच्चाधिकारी मौके पर पहुंच गए।
प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग या रंजिश में की गई हत्या का प्रतीत हो रहा है। शव मिलने के बाद सबसे बड़ी चुनौती महिला के सिर की तलाश करना था। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह के निर्देश पर पुलिस टीमों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर आसपास के जंगलों, रजवाहे के पानी में तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने करीब 500 मीटर के दायरे में सघन कांबिंग की। दोपहर बाद पुलिस को सफलता मिली और शव मिलने के स्थान से करीब आधा किलोमीटर दूर सरसों के खते में महिला का कटा हुआ सिर बरामद हो गया। सिर मिलने के बाद पुलिस ने उसे कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पहले फोटो कॉपी की दुकान, 20 साल में बने करोड़पति

कारोबारियों के बैंक खाते और गहनों के साथ गाड़ियां सीज

बांदा, 16 मार्च (एजेंसियां)। आयकर विभाग की ग्रेनाइट खनन, मेडिकल और रियल एस्टेट व्यवसायों से जुड़े 18 से 20 कारोबारियों और ठेकेदारों के ठिकानों पर छापे की कार्रवाई रविवार को खत्म हो गई। पांच दिनों तक चली इस गहन जांच में सालाना 10 करोड़ रुपये से अधिक की टैक्स चोरी का खुलासा हुआ है।
कुल 500 करोड़ रुपये से अधिक के नामी-बेनामी कारोबार का पर्दाफाश हुआ है। विभाग ने जांच के बाद सामने आए कारोबारियों के बैंक खातों, गाड़ियों, गहनों को सीज करने के साथ ही संपत्तियों की बिक्री पर भी रोक लगा दी है। रविवार को एक बार फिर टीम कारोबारी दिलीप सिंह के यहां भोर में पहुंची। यहां करीब तीन घंटे रुककर जरूरी दस्तावेज एकत्र कर लौट गई। कानपुर आयकर विभाग की टीमों ने बीते बुधवार को उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में जीडी ग्रुप के संचालक दिलीप सिंह, शिवशरण सिंह, सीरजध्वज सिंह और अज्ञात गुप्ता जैसे प्रमुख कारोबारियों के ठिकानों पर एक साथ छापा मारा था। बिहार के एक मेडिकल कारोबारी व पूर्व मंत्री की शिकायत के बाद चित्रकूटधाम मंडल के बांदा, चित्रकूट और महोबा जनपदों में चल रहे स्टोन क्रशर, मौरंग खदान, अस्पताल, पेट्रोल पंप और रियल स्टेट जैसे व्यवसायों की जांच की गई। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि कारोबारी महज एक करोड़ रुपये के कारोबार पर होने वाली आय से संबंधित टैक्स का भुगतान कर रहे थे जबकि 400 करोड़ रुपये के कारोबार को फर्जी नामों से संचालित किया जा रहा था।

बरामदगी और सीज की गई संपत्तियां

जांच के दौरान आयकर विभाग ने करोड़ों रुपये के सोने के गहने, हीरे की अंगूठियां, हार, महंगी गाड़ियां और कई बैंक खातों का पता चला। टीम से गहनों, गाड़ियों के साथ ही बैंक खाते सीज किए हैं। इसके अलावा कई महानगरों में कारोबारियों के परिजन और रिश्तेदारों के नाम पर खरीदे गए मकानों की बिक्री पर भी रोक लगा दी गई है।

संभावित जुर्माना और आगे की कार्रवाई

आयकर विभाग के एक ज्वाइंट कमिश्नर ने बताया कि अब तक की जांच में सालाना 10 करोड़ रुपये से अधिक की टैक्स चोरी पाई गई है और यह सिलसिला दशकों से चल रहा था। जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद विभाग इन कारोबारियों से 20 गुना जुर्माने के साथ टैक्स की वसूली करेगा। जांच में लगभग एक महीने का समय लगने का अनुमान है। बरामद दस्तावेजों की गहनता से जांच की जाएगी और कारोबारी सहित जिनके नाम पर संपत्तियां खरीदी गई हैं या फर्म बनाई गई हैं उनके बयान दर्ज किए जाएंगे। इसके लिए विभागीय नोटिस जारी किए जाएंगे।

लखीमपुर खीरी में तेंदुए से भिड़ा युवक

काफी देर तक लड़ा, फिर रस्सी से बांधकर खेत में डाला

लखीमपुर खीरी, 16 मार्च (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी के धौरहरा वन रेंज के देवीपुरवा गांव में सोमवार सुबह एक युवक का अचानक तेंदुए से सामना हो गया। तेंदुए ने हमला किया तो युवक उससे भिड़ गया। युवक ने हिम्मत दिखाते हुए तेंदुए को रस्सी से बांध दिया। इसके बाद ग्रामीणों और वन विभाग को सूचना दी गई।
वन रेंज के देवीपुरवा गांव निवासी अंकुल भार्गव (40 वर्ष) ने बताया कि वह सोमवार सुबह अपने खेत पर चारा काटने गए थे। उनके हाथ में रस्सी थी। इसी दौरान गेहूं के खेत की ओर से किसी जंगली जानवर के गुर्राने की आवाज सुनाई दी। जब अंकुल पास जाकर देखने लगे तो सामने तेंदुआ खड़ा था। तेंदुए ने अचानक उन पर हमला कर दिया।

होटल के कमरे में प्रेमी संग रंगरलियां मना रही थी पत्नी

चुपके से पहुंचे पति ने रंगे हाथ पकड़ा, फिर जो हुआ

अलीगढ़, 16 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अलीगढ़ जिले के क्वार्सी थाना क्षेत्र में स्थित एक निजी होटल में शाम को उस समय हंगामा खड़ा हो गया जब एक युवक ने अपनी पत्नी को उसके प्रेमी के साथ होटल के कमरे में रंगे हाथों पकड़ लिया। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और महिला तथा उसके प्रेमी को हिरासत में लेकर थाने ले गई। फिलहाल पुलिस तीनों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

होटल के कमरे में पत्नी को प्रेमी के साथ पकड़ा

मिली जानकारी के अनुसार, बुलंदशहर के गुलावठी निवासी आकाश कुमार अलीगढ़ में अपनी बहन के घर आए हुए थे। इसी दौरान उन्होंने अपनी पत्नी को एक युवक के साथ देखा। शक होने पर उन्होंने दोनों का पीछा किया। बताया गया कि महिला अपने प्रेमी मृदुल उर्फ निखिल के साथ रामघाट रोड स्थित एक निजी होटल में पहुंची और कमरा नंबर 302 बुक कर लिया। इसके बाद दोनों कमरे में चले गए। आकाश ने तुरंत डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने के बाद जब कमरे का दरवाजा खुलवाया गया तो दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में पाया गया।

पुलिस तीनों को थाने ले गई

पुलिस महिला और उसके प्रेमी को हिरासत में लेकर क्वार्सी थाने ले गई। इसके बाद पति को भी पूछताछ के लिए थाने बुलाया गया। पुलिस फिलहाल तीनों से पूछताछ कर पूरे मामले की जांच कर रही है। पीड़ित पति आकाश कुमार का आरोप है कि उसकी शादी करीब साढ़े तीन साल पहले लव मैरिज के जरिए हुई थी। उसने बताया कि उसकी पत्नी का इस युवक के साथ लंबे समय से अफेयर चल रहा है। आकाश का कहना है कि उसकी पत्नी ने उसके खिलाफ दहेज का झूठा केस भी दर्ज कराया है। उसका आरोप है कि पत्नी ने अदालत में दावा किया है कि शादी में सात लाख रुपये दिए गए थे और 15 लाख रुपये खर्च हुए थे, जबकि उनकी शादी लव मैरिज थी और उसे किसी तरह का दहेज नहीं मिला। थाना क्वार्सी पुलिस का कहना है कि मामले में सभी पक्षों से पूछताछ की जा रही है। शिकायत और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला न्यायालय में अधिवक्ता से मारपीट के विरोध में वकीलों का हंगामा, दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग

ग्रेटर नोएडा, 16 मार्च (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर स्थित जिला न्यायालय परिसर में अधिवक्ता के साथ कथित मारपीट के मामले को लेकर सोमवार को वकीलों में भारी आक्रोश देखने को मिला। घटना के विरोध में बड़ी संख्या में अधिवक्ता न्यायालय परिसर में एकत्रित हो गए और पुलिस के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि वकीलों ने न्यायालय परिसर में मौजूद पुलिसकर्मियों का घेराव कर दिया और उन्हें परिसर से बाहर जाने के लिए मजबूर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नाराज अधिवक्ताओं ने पुलिसकर्मियों को न्यायालय परिसर के अंदर प्रवेश करने से भी रोक दिया। इस पूरे घटनाक्रम के कई वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें पुलिसकर्मियों को न्यायालय परिसर से बाहर जाते हुए देखा जा सकता है। वीडियो सामने आने के बाद यह मामला और अधिक चर्चा का विषय बन गया है।

शूटर दादी प्रकाशी तोमर की नाक की नस फटी

नोएडा के अस्पताल में कराया भर्ती, नहीं रुक रहा खून

बागपत, 16 मार्च (एजेंसियां)। बागपत के जौहड़ी गांव की विश्वविख्यात शूटर दादी प्रकाशी तोमर की नाक की नस फटने से हालत बिगड़ गई हैं।

उनकी पुत्री अंतरराष्ट्रीय शूटर सीमा तोमर और परिवार के लोगों ने उन्हें नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया है।

शूटर दादी के पुत्र रामबीर सिंह ने बताया कि शनिवार रात करीब दो बजे अचानक उनकी नाक से खून बहने लगा। काफी देर तक खून रुका नहीं और वे बोहोश होकर जमीन पर गिर गईं। रात में ही उन्हें बड़ौत के निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे, जहां पर चिकित्सकों ने उनका इलाज किया। आराम मिलने पर वे उन्हें घर लेकर आ गए।
रविवार सुबह फिर दोबारा दादी की नाक से खून बहना शुरू हो गया, तो परिवार के लोग फिर उन्हें बड़ौत के अस्पताल में लेकर पहुचे, लेकिन इस बार शूटर दादी की नाक से खून रुक नहीं रहा था। इसके बाद चिकित्सकों ने उन्हें दिल्ली करने को कहा। दादी की पुत्री अंतरराष्ट्रीय शूटर सीमा तोमर ओर परिवार के लोगों ने उन्हें नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया।

सीमा तोमर ने बताया कि चिकित्सक उनका इलाज कर रहे हैं, दादी की हालत अभी स्थिर है।

बता दें कि शूटर दादी प्रकाशी तोमर के जीवन संघर्ष पर फिल्म सांड की आंख भी बनी है। तापसी पन्नू ने शूटर दादी का किया था। दादी की हालत बिगड़ने से उनके प्रशंसक चिंतित हैं।

आंधी के कारण टीन शेड गिरा, नीचे दबकर पूर्व प्रधान समेत दो की मौत

मेरठ, 16 मार्च (एजेंसियां)। जिले में बीती रात तेज आंधी-तूफान ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिसके चलते एक बड़ा हादसा हो गया। नकुड़ रोड पर बारिश और तूफान से बचने के लिए एक दुकान के बाहर लगे टीन शेड के नीचे खड़े दो लोगों पर अचानक वह शेड गिर गया। इस हादसे में भटपुरा गांव के पूर्व प्रधान जयपाल सैनी (50) और नवादा गांव के राम मुकेश सैनी (52) की मौत हो गई। यह दुखद घटना तब हुई, जब जयपाल सैनी और राम मुकेश सैनी रुड़की (उत्तराखंड) के एक गांव में किसी पंचायत में शामिल होकर लौट रहे थे।

बदायूं हत्याकांड में खुलासा-संदिग्ध भूमिका वाले कर्मियों की होगी छुट्टी, 20 कर्मी बिना ड्यूटी के पा रहे वेतन

बदायूं, 16 मार्च (एजेंसियां)। बदायूं के मूसाझाग थाना क्षेत्र के सैजनी स्थित एचपीसीएल प्लांट में दो अफसरों की हत्या के मामले में एक और खुलासा हुआ है। एचपीसीएल के अधिकारियों ने कर्मचारियों को रखने वाली कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए हैं कि सैजनी गांव के जो भी कर्मचारी संदिग्ध भूमिका वाले हैं उन सभी को निकालकर नए कर्मचारी बाहर से नियुक्त किए जाएं। इसको लेकर भी क्षेत्र में चर्चाएं जोरों पर हैं। जांच में सामने आया है कि आरोपी के परिवार के अलावा कुछ रिश्तेदार भी प्लांट में नौकरी करते पाए गए हैं। इसी के साथ ही गांव के तमाम लोग प्लांट में नौकरी करते आ रहे थे। घटना के बाद एचपीसीएल के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो यह मामला खुलकर सामने आ गया। यह भी पता लगा है कि 20 से अधिक कर्मचारी बिना ड्यूटी किए ही वेतन पा रहे हैं। अब ऐसे लोगों पर पूरी तरह से रोक लग जाएगी। इसके लिए अधिकारियों ने कार्यदायी संस्था को उन्हें प्लांट से निकालने के आदेश दिए हैं। आरोपी का मकान-दुकान चिह्नित होने के बाद भी प्रशासन ने बुलडोजर की कार्रवाई नहीं की है।

भारत की कूटनीति काम कर गई !

हमले पर पहले चुप्पी, फिर ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच कैसे बिठाया संतुलन

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया के युद्धग्रस्त होर्मुज स्ट्रेट से बीते तीन दिनों में ईरान ने जिस तरह से भारतीय झंडे वाले तीन जहाजों को गुजरने दिया है, उससे साफ है कि भारत की कूटनीति अब रंग लाने लगी है। जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले शुरू किए तो भारत की चुप्पी पर सवाल उठ रहे थे।

पर अब लग रहा है कि जो कुछ हुआ, उसके पीछे पूरी रणनीति थी और वह अब काम करती नजर आई है। भारत को ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध में जबतक शांत रहना था, वह शांत रहा। लेकिन, जब मध्य एशिया में जारी लड़ाई की वजह से घरेलू हालात बिगड़ने लगे, ऊर्जा संकट पैदा होने लगा, अर्थव्यवस्था में खतरे की घंटी घनघनाने लगी तो उसमें अपने सारे कूटनीतिक घोड़े छोड़ने शुरू कर दिए।

पीएम मोदी के ईरानी राष्ट्रपति से बात करने से बदले हालात

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने स्तर पर पहले से ही मोर्चा संभाल रखा था। आखिरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद आगे बढ़कर देश के सामने पैदा हुई चुनौतियों से निपटने के लिए कमान संभाल लिया। पश्चिम एशिया में लड़ाई की वजह से देश में गैस की भारी किल्लत के बीच उन्होंने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से बात की।

होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने लगे एक-एक कर भारतीय जहाज

गुरुवार (12 मार्च, 2026) को पीएम मोदी की बात हुई और अगले ही दिन यानी शुक्रवार (13 मार्च, 2026) को ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट होकर भारत के पहले एलपीजी टैंकर 'शिवालिक' को गुजरने की अनुमति दे दी। 'शिवालिक' के पीछे-पीछे एक और भारतीय एलपीजी तेल टैंकर 'नंदा देवी' भी होर्मुज स्ट्रेट से तिरंगा लहराता हुआ शान से निकल आया। मोदी सरकार ने शुक्रवार को जानकारी दी कि दो एलपीजी टैंकर होर्मुज स्ट्रेट से गुजर चुके हैं। सोमवार को तीसरे भारतीय जहाज के भी होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकल आने की जानकारी आई है।

'ईरान-अमेरिका दोनों के साथ बैलेंस बिठा रहा भारत'

बेंगलुरु स्थित एक थिंक टैंक तक्षशिला इंस्टीट्यूशंस के फाउंडर नितिन पाई ने ब्लूमबर्ग से कहा है, 'भारत अमेरिका और ईरान दोनों ही के साथ संबंधों में बैलेंस बिठाने की कोशिश कर रहा है।' होर्मुज से जहाजों के निकलने का संकेत यह है कि कूटनीति काम कर रही है।

नितिन पाई,फाउंडर,तक्षशिला इंस्टीट्यूशंस

पाई के मुताबिक पिछले हफ्ते पीएम मोदी का ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान को फोन करना 'डैमेज कंट्रोल' था और इससे पता चलता है कि पहले मोदी सरकार पर अमेरिका और इजरायल के साथ होने के जो आरोप लग रहे थे, उसे 'संतुलित' करने की कोशिश की जा रही है।

होर्मुज से चीन और रूस के बाद भारत के जहाज निकल रहे

ईरान पर अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को हमले शुरू किए थे और उसके बाद से चीन और रूस के जहाजों के अलावा भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जिसके जहाज होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकल रहे हैं। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आयातक है, जो होर्मुज का मार्ग बाधित होने के चलते अभी इसकी जबरदस्त किल्लत से गुजर रहा है। भारत करीब 90% कच्चे तेल का भी आयात करता है, जो कि 100 बैरल से ज्यादा मंहगा हो चुका है। इससे महंगाई बढ़ने का डर है, भारतीय रुपये पर भी दबाव बढ़ेगा और ट्रेडिंग रिकॉर्ड भी खराब हो सकता है।

भारत को रूस से तेल खरीदने की छूट दे चुका है अमेरिका

ईरान से पहले भारत अमेरिका के साथ अपने संबंधों को भी पटरी पर बनाए रखने में सफल रहा है। इसी वजह से इस महीने अमेरिका ने रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए 30 दिनों की छूट भी दी है। यही अमेरिका पहले इसी वजह से 50% टैरिफ लगा चुका है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है और दोनों देशों में ट्रेड डील पर बात हो रही है।

अधिकारियों को हटाने पर तृणमूल का राज्यसभा से वॉकआउट

रिजिजू ने कहा-यह सही नहीं

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसदों ने सोमवार को सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया। ये सांसद चुनाव आयोग द्वारा पश्चिम बंगाल में वरिष्ठ अधिकारियों को हटाने का विरोध कर रहे थे। तृणमूल सांसदों ने चुनाव आयोग के इस फैसले के खिलाफ अपना विरोध जताते हुए पूरे दिन के लिए सदन से वॉक आउट करने का फैसला किया। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी गई है। रविवार को चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की आधिकारिक घोषणा की थी। सोमवार को राज्यसभा की कार्यवाही प्रारंभ होने के थोड़ी देर बाद ही तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रॉयन ने यह विषय सदन में उठाया।

उन्होंने सभापति सीपी राधाकृष्णन से कहा कि हम शून्यकाल में कोई व्यवधान नहीं डालना चाहते। इसलिए हमें 30 सेकंड का समय दीजिए, क्योंकि हमारा उद्देश्य सदन की कार्यवाही को बाधित करना नहीं है। उन्होंने सदन में कहा कि बीती रात के अंधेरे में पश्चिम बंगाल राज्य के मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और गृह सचिव को निर्वाचन आयोग द्वारा हटा दिया गया है। डेरेक ओ ब्रॉयन ने कहा कि चुनाव आयोग के पास ऐसा करने की पूरी शक्ति है। डेरेक ओ ब्रॉयन ने सभापति से कहा, 'महोदय, उनके (चुनाव आयोग) के पास यह अधिकार है कि वे ऐसा करें। वे यह भी कह सकते हैं कि मैं सफेद शर्ट की जगह नीली शर्ट पहनूं।' तृणमूल सांसद ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मुख्य निर्वाचन आयुक्त जो कर रहे हैं उसके विरोध में राज्यसभा में उनकी पार्टी ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस सोमवार के लिए सदन से वॉकआउट कर रही है। डेरेक ओ'ब्रायन के इस वक्तव्य व तृणमूल सांसदों के वॉकआउट के उपरांत संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू इसका जवाब देने के लिए खड़े हुए। उन्होंने कहा कि माननीय सदस्य (डेरेक ओ ब्रॉयन) सदन में अचानक खड़े हो गए हैं, जबकि उनका मुद्दा कार्यसूची में सूचीबद्ध नहीं है। वे एक संवैधानिक प्राधिकरण से जुड़े विषय को उठा रहे हैं, जिसका इस सदन या सरकार से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। किरेन रिजिजू ने कहा, यदि हर सदस्य न्यायालय या चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक प्राधिकरणों के निर्णयों पर यहां सवाल उठाने लगे, तो यह उचित नहीं होगा। चुनाव आयोग की शक्तियां अलग हैं। चुनाव आयोग को यह अधिकार संविधान द्वारा दिया गया है। इसलिए इस विषय को सदन में उठाने का कोई औचित्य नहीं है। किरेन रिजिजू ने कहा, मेरा मानना है कि सभी को संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करना चाहिए।

ऋषिकेश के प्राचीन वीरभद्र महादेव मंदिर के पास बन रहा था चबूतरा

मिले मूर्ति के अवशेष; दर्शन को उमड़े लोग

ऋषिकेश, 16 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड के ऐतिहासिक, पौराणिक और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण ऋषिकेश से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दरअसल, प्राचीन वीरभद्र महादेव मंदिर के पास एक पीपल के पेड़ के नीचे स्थित मंदिर का चबूतरा बनाने का काम चल रहा था। निर्माण कार्य के दौरान करीब 12वीं एवं 13वीं शताब्दी के पत्थर की मूर्ति के अवशेष निकलने लगे। प्राचीन मूर्तियों के अवशेष निकलने का मामला सामने आते ही हलचल बढ़ गई। देखते ही देखते यह मामला तेजी से फैल गया। जानकारी मिलते ही लोग बड़ी संख्या में वहां जुट गए। मामले की जानकारी के बाद भारतीय पुरातत्व विभाग (एएसआई), देहरादून की टीम मौके पर पहुंची। एएसआई टीम मूर्तियों से संबंधित जानकारियों को जुटाया।

चबूतरे को कराया जा रहा था ठीक

प्राचीन वीरभद्र महादेव मंदिर के पास पीपल के पेड़ के नीचे स्थित छोटा सा शिव मंदिर है। इसका चबूतरा जीर्ण-शीर्ण अवस्था में था। इसको देखते हुए एक भक्त ने इसे ठीक कराने का निर्णय लिया। चबूतरा निर्माण के लिए मजदूर लगाए गए थे। चबूतरा निर्माण के लिए खुदाई का काम चल रहा था। इसी बीच पत्थर की शिलाओं पर उकेरी गई मूर्तियों के अवशेष मिलने शुरू हो गए। इसकी जानकारी आसपास के लोगों तक आग की तरह फैल गई।

मूर्तियों के निकलने का मामला जानते ही लोग मंदिर पहुंचने लगे। इन मूर्तियों को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इसी बीच इसकी जानकारी भारतीय पुरातत्व विभाग, देहरादून को मिली। विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और मूर्तियों के अवशेषों की फोटोग्राफी कर मूर्तियों से संबंधित जानकारी एकत्र की। तीर्थनगरी ऋषिकेश के प्राचीन मंदिरों में प्रसिद्ध वीरभद्र महादेव मंदिर के आसपास का क्षेत्र भारतीय पुरातत्व विभाग के अनुसार महत्वपूर्ण है।

किश्तवाड़ में एचआरटी प्रोजेक्ट पर भूस्खलन, दो मजदूरों की मौत

कई लोगों के फंसे होने की आशंका

किश्तवाड़, 16 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सोमवार को डांगडरो इलाके में स्थित एचआरटी (हेड रेस टनल) प्रोजेक्ट साइट पर भूस्खलन होने से दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, भूस्खलन उस समय हुआ जब प्रोजेक्ट साइट पर एक वाहन मौजूद था। अचानक पहाड़ी से मलबा गिरने लगा और वाहन उसकी चपेट में आ गया। इस दौरान कई लोग मलबे के नीचे दब गए।

घटना की जानकारी मिलते ही बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंच गए और राहत व बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। रेड क्रॉस सोसायटी किश्तवाड़ यूनिट के अनुसार अब तक मलबे से दो शव बरामद किए जा चुके हैं। मृतकों की पहचान डोडा निवासी शहनवाज अहमद और किश्तवाड़ जिले के पालमार निवासी निशात अहमद के रूप में हुई है।

अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर 'छाती पीटने' वालों को आरएसएस का संदेश

शोक जताएं, माहौल न बिगाड़ें

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) ने ईरान युद्ध की वजह से देश में हो रहे विरोध प्रदर्शनों को लेकर बहुत बड़ा संदेश दिया है। आरएसएस ने कहा है कि किसी की मौत पर शोक जताना स्वाभाविक है, लेकिन यह शांतिपूर्ण होना चाहिए, जिससे कि सामाजिक सौहार्द न बिगड़े और न ही किसी समुदाय को निशाना बनाया जाए।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने के बाद भारत में हुए प्रदर्शनों को लेकर रविवार को एक प्रश्न के उत्तर में यह प्रतिक्रिया दी। आरएसएस की ओर से यह प्रेस कांफ्रेंस हरियाणा में पानीपत के समालखा में संघ के तीन दिनों की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक के समापन पर बुलाई गई थी।

'खामेनेई की मौत पर शोक जताएं, सामाजिक माहौल न बिगाड़ें'

आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले ने कहा, 'लोगों की अपनी भावना है और वह शोक व्यक्त कर सकते हैं। लेकिन, ये चीजें शांतिपूर्ण तरीके से होनी चाहिए और किसी अन्य समुदाय को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए या न ही सामाजिक सौहार्द बिगाड़ना चाहिए।'

राष्ट्रहित को देखकर केंद्र सरकार उठा रही कदम-आरएसएस

इस दौरान आरएसएस नेता ने रविवार को यह भी कहा कि पश्चिम एशिया या खाड़ी क्षेत्र में जो युद्ध हो रहा है, उसको लेकर केंद्र सरकार की ओर से जो भी कदम उठाए जा रहे हैं, वह राष्ट्रहित को देखकर लिए जा रहे हैं। युद्ध जितनी जल्दी हो समाप्त होना चाहिए। केंद्र सरकार की ओर से प्रयास हो रहे हैं, जो कि देश के लोगों के बेहतर हित में हैं।

दत्तात्रेय होसबले, आरएसएस के सरकार्यवाह

'वैश्विक शांति हमारा दृष्टिकोण, वसुधैव कुटुंबकम में विश्वास'

समालखा के माधव सृष्टि में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में इस युद्ध को लेकर पूछे गए एक और सवाल के जवाब में संघ के नेता बोले, 'वैश्विक शांति हमारा दृष्टिकोण है, क्योंकि हम वसुधैव कुटुंबकम में विश्वास करते हैं। एक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ हाल में हुई एक बैठक में यह चर्चा हुई कि एक व्यक्ति को न सिर्फ अपने देश की बेहतरी के बारे में सोचना चाहिए, बल्कि पूरे विश्व के बारे में सोचना चाहिए।'

चुनाव कार्यक्रम पर प्रियंका गांधी ने उठाए सवाल

कहा-क्या बीजेपी की सुविधा देखकर तय हुई मतदान की तारीख?

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। देश में आगामी विधानसभा चुनावों की तारीखों के एलान के बाद सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनाव कार्यक्रम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि मतदान की तारीखें और चरणों का ढांचा ऐसा लगता है जैसे सत्तारूढ़ भाजपा की सुविधा को ध्यान में रखकर तय किया गया हो। उनके इस बयान के बाद चुनाव कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक बहस और तेज हो गई है।

चुनाव आयोग ने रविवार को असम, केरल, तमिलनाडु, पुदुचेरी और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान किया था। इसके तहत असम, केरल और पुदुचेरी में नौ अप्रैल को मतदान होगा, जबकि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में होंगे। वहां 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को मतदान होगा। सभी राज्यों के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनाव की तारीखों और चरणों को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिस तरह चुनाव की तारीखें तय की गई हैं और जिस तरीके से चरण बनाए गए हैं, उससे ऐसा लगता है कि यह सब भाजपा की सुविधा को ध्यान में रखकर तय किया गया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है और जनता के मुद्दों को लेकर मैदान में उतरेगी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी चुनाव कार्यक्रम पर हैरानी जताई। उन्होंने कहा कि केरल में चुनाव की तारीख उम्मीद से काफी पहले घोषित कर दी गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी को उम्मीद थी कि अप्रैल के आखिरी दस दिनों में मतदान होगा, लेकिन 9 अप्रैल की तारीख ने सभी को चौंका दिया है। उनके अनुसार अब चुनाव के लिए बहुत कम समय बचा है और यह कांग्रेस के लिए एक बड़ी चुनौती है। शशि थरूर ने कहा कि केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा यानी एलडीएफ ने कई मौजूदा विधायकों को फिर से टिकट दिया है।

चेन्नई पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पुझल डकैती कांड का फरार आरोपी मुठभेड़ में ढेर

चेन्नई, 16 मार्च (एजेंसियां)। चेन्नई के माधवराम राउंडटाना के पास सोमवार सुबह पुलिस ने एक मुठभेड़ में शातिर बदमाश थोप्पई गणेश एनकाउंटर किया। यह बदमाश पुझल इलाके में हुई एक बड़ी डकैती के मामले में मुख्य आरोपी था। मामले जब पुलिस ने जब उसे गिरफ्तार करने की कोशिश की, तो उसने पुलिस टीम पर हमला कर दिया और वहां से भागने लगा। बचाव में पुलिस ने गोली चलाई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार, 30 जनवरी 2026 की सुबह करीब 5:40 बजे पुझल के महावीर गार्डन स्थित विजयकुमार के घर में डकैती हुई थी। छह नकाबपोश बदमाश रसोई के पिछले दरवाजे से घर के अंदर घुसे थे। बदमाशों ने घरवालों को चाकू दिखाकर डराया और वहां से 25 लाख रुपये नकद, सोने के 15 आभूषण और हीरे की बालियां लूट लीं। लूट के बाद सभी बदमाश कार से फरार हो गए थे। इस घटना में वसंत नाम की महिला को मामूली चोट भी आई थी। इसके बाद मामले में पुझल पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों को पकड़ने के लिए एक विशेष टीम बनाई। सीसीटीवी फुटेज और उंगलियों के निशान की मदद से पुलिस ने थोप्पई गणेश की पहचान की। इस मामले में पुलिस ने दो वकीलों समेत कई लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। सोमवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि गणेश माधवराम राउंडटाना के पास छिपा है। पुलिस ने उसे पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन उसने अधिकारियों पर हमला कर दिया। आत्मरक्षा में पुलिस ने फायरिंग की, जिसमें गणेश को गोली लग गई। उसे तुरंत स्टेनली सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

थोप्पई गणेश का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में हत्या और लूट के 14 मामले दर्ज थे। करीब एक साल पहले भी उसे गिरफ्तार किया गया था, तब उसके साथी अरिवाझगन को पुलिस ने गोली मारी थी। जमानत पर बाहर आने के बाद गणेश फरार हो गया था और फिर से वारदातों को अंजाम देने लगा था।

23 मई 2026 को खुलेंगे हेमकुंड साहिब के कपाट

ट्रस्ट के अध्यक्ष ने की मुख्य सचिव से मुलाकात

चमोली, 16 मार्च (एजेंसियां)। हेमकुंड साहिब के कपाट 23 मई को खुलेंगे। हेमकुंड साहिब प्रबंधन ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र जीत सिंह बिंद्रा ने मुख्य सचिव आनंदवर्धन से आगामी तीर्थयात्रा सीजन की तैयारियों पर चर्चा के लिए मुलाकात की। विस्तृत विचार-विमर्श और मौसम स्थितियों का आकलन करने के बाद दोनों पक्षों ने पवित्र गुरुद्वारा हेमकुंड साहिब के कपाट शनिवार, 23 मई को खोलने पर आपसी सहमति व्यक्त की है।

ट्रस्ट राज्य सरकार के समन्वय में इस यात्रा का संचालन करता है। तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए हरिद्वार, ऋषिकेश, श्रीनगर, रतूड़ा, जोशीमठ, गोविंदघाट और घांघरिया में अपनी धर्मशालाओं में मुफ्त ठहरने और भोजन की व्यवस्था करता है। हेमकुंड साहिब पर भी लंगर परोसा जाता है, लेकिन ऊंचाई और सीमित सुविधाओं के कारण तीर्थयात्रियों को रात्रि विश्राम की अनुमति नहीं है। यह निर्णय पिछले वर्षों की तुलना में कम बर्फबारी होने के कारण संभव हुआ है, जिससे जलवायु परिस्थितियां यात्रा के शीघ्र आरंभ के लिए अनुकूल सिद्ध हो रही हैं। हालांकि, जलवायु परिवर्तन के कारण इस वर्ष कम बर्फ पड़ी है, लेकिन मौसम अप्रत्याशित रहता है। पिछले वर्षों के रुझान को ध्यान में रखते हुए, यात्रा को इस वर्ष थोड़ा पहले आरंभ करने का निर्णय ट्रस्ट द्वारा लिया गया है। इस वर्ष चारधाम के पवित्र मंदिरों के कपाट अप्रैल माह में खोले जाने का कार्यक्रम निर्धारित है।

मोबाइल न मिलने पर 13 वर्षीय बच्चे ने लगाई फांसी

माता ने पढ़ाई का हवाला देते हुए किया था मना

बिलासपुर, 16 मार्च (एजेंसियां)। मोबाइल फोन न मिलने से नाराज एक 13 वर्षीय बच्चे की ओर से फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। घटना से क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल है। जानकारी के अनुसार आरएच अस्पताल बिलासपुर से थाना सदर पुलिस को सूचना मिली कि एक बच्चे को अचेत अवस्था में जिला अस्पताल बिलासपुर लाया गया है।

माता से मोबाइल फोन देने की जिद कर रहा था सचिन

सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि सचिन (13) पुत्र सतवीर सिंह निवासी गांव मल्लपुर सिद्धारी डाकघर सयावली माला तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि सचिन अपनी माता से मोबाइल फोन देने की जिद कर रहा था। उसकी परीक्षा चल रही थी, इसलिए माता ने पढ़ाई का हवाला देते हुए मोबाइल देने से मना कर दिया।

सीएपीएफ कैडर अफसरों के समर्थन में आए कांग्रेस अध्यक्ष 'खरगे'

पीएम मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के कैडर अफसरों के समर्थन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। अपने पत्र में खरगे ने पीएम मोदी से आग्रह किया है कि वे सुप्रीम कोर्ट द्वारा कैडर अफसरों के हितों से संबंधित जो फैसला दिया गया था, उसे लागू कराने के लिए तुरंत हस्तक्षेप करें। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सीएपीएफ के उन कैडर अफसरों को राहत मिली थी, जो अपने हितों, खासतौर से 'पदोन्नति' एवं दूसरे आर्थिक फायदों के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहे थे। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को मूल भावना के साथ लागू किया जाए। इस तरह के मामले में सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटने के लिए 'वैधानिक हस्तक्षेप' का सहारा लेना, यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा के 'स्तंभ' यानी कैडर अफसरों के उत्साह को तोड़ने वाला होगा।

पिछले साल 23 मई को सीएपीएफ कैडर अफसरों के करियर प्रोग्रेशन के संबंधित एक केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सीएपीएफ में

'एसएजी' (वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड) स्तर तक के पदों पर आईपीएस की प्रतिनियुक्ति को सरकार, अगले दो साल में धीरे-धीरे कम करे। इन बलों में आईपीएस के चलते सीएपीएफ के कैडर अधिकारी, पदोन्नति में पिछड़ जाते हैं। उन्हें नेतृत्व का अवसर नहीं मिल पाता। सभी कार्यों के लिए 'संगठित समूह ए सेवा' (ओजीएएस) पैटर्न' लागू हो। सेवा और भर्ती नियमों में बदलाव हो। छह महीने में 'कैडर रिव्यू' किया जाए।

केंद्र सरकार ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 'पुनर्विचार याचिका' दायर की, मगर वह भी खारिज हो गई। अवमानना केस में सरकार को नोटिस जारी हो गया। अब सरकार के पास, सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए वैधानिक संशोधन के अलावा दूसरा विकल्प नहीं बचा। इसके चलते अब केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 लाया गया है। इसे कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। अब इसे संसद में पेश करने की तैयारी हो रही है।

कांग्रेस पार्टी के नेता गुरदीप सिंह सप्पल ने एक्स पर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के पत्र को टैग करते हुए लिखा, 17 साल का मुकदमा, सुप्रीम कोर्ट के दो स्पष्ट आदेश, एक खारिज पुनर्विचार याचिका, अब इन सबको रद्द करने के लिए एक विधेयक, ताकि परोक्ष रूप से सीएपीएफ पर आईपीएस का नियंत्रण बहाल किया जा सके। यह 'सुधार' नहीं है, बल्कि कानून के शासन और उन हजारों कैडर अधिकारियों पर सीधा हमला है, जिन्होंने अपना जीवन भारतीय सीमाओं और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की रक्षा करने, महत्वपूर्ण सार्वजनिक हस्तियों को सुरक्षा प्रदान करने, आपदा प्रबंधन करने और आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में व्यतीत किया है।

यूएई पर 300 मिसाइल और 1600 ड्रोन हमले

ब्रिक्स को खुद बर्बाद कर रहा ईरान, भारत पर बना रहा दबाव

तेहरान/अबूधाबी, 16 मार्च (एजेंसियां)। ईरान ने 28 फरवरी से युद्ध शुरू होने के बाद से इजरायल पर करीब 550 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। ईरान ने इजरायल पर करीब 1000 ड्रोन भी दागे हैं। जबकि इजरायल से उसका सीधा युद्ध चल रहा है। दूसरी तरफ ईरान ने अभी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर 298 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं और 1600 ड्रोन हमले किए हैं। यानि, इजरायल से करीब 200 मिसाइल हमले ही कम यूएई पर किए गये हैं जबकि करीब 600 ड्रोन ज्यादा यूएई पर दागे गये हैं। ईरान ने युद्ध शुरू होने के बाद सऊदी अरब पर सिर्फ 34 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है और करीब 150 ड्रोन हमले किए हैं।

जबकि सऊदी अरब का नाराज कर यूएई ने ईरान से मजबूत व्यापारिक और कूटनीतिक संबंध बनाए थे। अब इस कहानी के दूसरे पन्ने को खोलते हैं जहां कई जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट्स भारत पर लांक्षण लगा रहे हैं कि आखिर भारत ईरान पर हमले को लेकर ब्रिक्स का बयान क्यों जारी नहीं कर रहा है? जबकि इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास है और ईरान ब्रिक्स की तरफ से बयान जारी करने को लेकर भारत पर दबाव बना रहा है।

ब्रिक्स के आर्थिक सहयोग का सपना क्या टूट जाएगा?

ईरान ने मार्च की शुरुआत से ही जहाजों पर हमले करके होर्मुज जलडमरूमध्य को ब्लॉक कर दिया है। जिससे 1000 से ज्यादा जहाजों की आवाजाही में देरी हुई है या उन्हें दूसरे रास्ते से गुजरने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इस जलडमरूमध्य से आम तौर पर दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत समुद्री तेल, एलएनजी, उर्वरक, अनाज और अन्य सामानों को एक हिस्से से दूसरे हिस्से में भेजा जाता है। ईरान के इस कदम से तेल और गैस की कीमतें आसमान छू गईं हैं टैंकरों का किराया तेजी से बढ़ा है।

शिपिंग कंपनियों ने जहाजों को 'केप ऑफ गुड होप' के रास्ते से भेजना शुरू कर दिया जिससे गंतव्य तक समाना पहुंचने में 10 से 14 दिनों की देरी हो रही है। भारत के लिए जो ब्रिक्स का एक अहम सदस्य है उसकी अर्थव्यवस्था के लिए ये देरी नुकसान पहुंचाने वाला है।

उर्वरक बाजार इस व्यवधान से परेशान है। गैस की कीमतों में भारी उछाल और शिपिंग में देरी की वजह से वैश्विक स्तर पर उर्वरक की लागत लगभग 20-30 प्रतिशत तक बढ़ गई। हालांकि भारत ने घरेलू अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले इस प्रभाव को कम करने के लिए कदम उठाए हैं। सरकार का कहना है कि खरीफ 2026 के मौसम से पहले उर्वरक का पर्याप्त भंडार मौजूद है और यूरिया का स्टॉक पिछले साल की तुलना में अधिक है।

वैश्विक सप्लाई चेन के लिए घातक बना ईरान

समुद्री परिवहन के ब्लॉक होने की वजह से सप्लाई चेन पर इसका घातक असर पड़ा है। सऊदी अरब और यूएई जैसे खाड़ी देश अपनी खाद्य सामग्री का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं समुद्री मार्गों से आयात करते हैं। जबकि भारत और चीन जैसे बड़े आयातक देशों को अनाज, चीनी और वनस्पति तेलों के परिवहन (फ्रेट) की बढ़ती लागत का सामना करना पड़ रहा है। इसका सीधा असर ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर आएगा।

ईरान ने करीब 1600 ड्रोन और करीब 300 बैलिस्टिक मिसाइलों के जरिए यूएई पर हमले किए हैं। ईरान और यूएई दोनों अब ब्रिक्स के सदस्य हैं।

एक सदस्य का दूसरे पर सीधा हमला संगठन की एकजुटता और भरोसे को खत्म कर रहा है।

ईरान में 15 दिन बाद भी सत्ता नहीं बदली

एक्सपर्ट बोले- ट्रम्प अकेले जंग नहीं रोक सकते तेहरान के पास अभी भी खेल पलटने की ताकत

वॉशिंगटन, 16 मार्च (एजेंसियां)। दो हफ्ते तक ईरान के खिलाफ युद्ध चलने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जल्द ही जीत का ऐलान कर सकते हैं। हालांकि आखिरी परिणाम इस बात पर भी निर्भर करेगा कि ईरान आगे क्या करता है। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक अगर ईरान लड़ाई जारी रखता है, जहाजों पर हमले करता है या जवाबी कार्रवाई करता है, तो युद्ध वास्तव में खत्म नहीं होगा। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की नौसेना का बड़ा हिस्सा नष्ट कर दिया गया है। उसकी कई मिसाइलें खत्म हो चुकी हैं और उसके कई टॉप लीडर्स मारे जा चुके हैं।

इसके बावजूद ट्रम्प के वे बड़े राजनीतिक मकसद अब तक पूरे नहीं हुए हैं जिनकी उन्होंने कई बार बात की थी। ईरान में अभी भी पुराना शासन ही कायम है। इसके साथ ही ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में तेल के समुद्री रास्ते को बाधित करके वैश्विक तेल बाजार में उथल-पुथल मचा दी है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान में अभी भी खेल पलटने की ताकत है।

यह स्थिति ट्रम्प के लिए मुश्किल पैदा करती है, क्योंकि उनकी अपनी ही पार्टी के लोग अब उनसे युद्ध खत्म करके अर्थव्यवस्था पर ध्यान देने की मांग कर रहे हैं। इसी साल नवंबर में अमेरिका में मिडटर्म चुनाव होने वाले हैं।

युद्ध का असर अमेरिका के अंदर भी दिखने लगा है। अमेरिका और इजराइल के हमले शुरू होने के बाद पेट्रोल की कीमतों में लगभग 25 फीसदी तक बढ़ोतरी हो चुकी है। किसानों के लिए खाद महंगी हो गई है और अमेरिकी सैनिकों की मौत का आंकड़ा भी बढ़कर 13 पहुंच गया है।

ईरान ने यह भी दिखाया है कि वह होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर हमला करने की क्षमता रखता है। इस वजह से यह साफ नहीं है कि अमेरिका अगर अकेले युद्ध रोक भी दे, तो क्या तेल की कीमतों में तुरंत कमी आएगी। ईरानी हमलों ने फारस की खाड़ी के उन देशों के सामने भी बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है जो लंबे समय से अमेरिका के सहयोगी रहे हैं और जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने भी मौजूद हैं।

इसके बावजूद ट्रम्प लगातार यह दावा कर रहे हैं कि युद्ध पर उनका पूरा कंट्रोल है। उन्होंने शुक्रवार को फॉक्स न्यूज रेडियो से कहा कि युद्ध तब खत्म होगा जब उन्हें लगेगा कि अब इसे खत्म करने का समय आ गया है।

एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि युद्ध में जीत हासिल करना और किसी देश के खतरे को लंबे समय तक खत्म करना दो अलग-अलग बातें हैं। कुछ को यह भी डर है कि युद्ध के बाद ईरान के भीतर कट्टरपंथी ताकतें और मजबूत हो सकती हैं।

ऐसी स्थिति में वह परमाणु हथियार बनाने की दिशा में ज्यादा तेजी से आगे बढ़ने का फैसला कर सकता है। ईरान के पास अब भी करीब 440 किलोग्राम समृद्ध यूरेनियम मौजूद है, जिसे अमेरिका और उसके सहयोगी देश एक बड़ा खतरा मानते हैं।

यह यूरेनियम ईरान के लिए एक तरह की रणनीतिक ताकत भी है, जिससे वह अमेरिका और इजराइल के हमलों के बीच खुद को बचाने की कोशिश कर सकता है। यह भी साफ नहीं है कि ईरान अपने समृद्ध यूरेनियम के भंडार तक पहुंच सकता है या नहीं। माना जाता है कि जून में अमेरिकी हमलों के बाद परमाणु ठिकानों पर गिरा मलबा इन गैस के कंटेनरों को ढक चुका है।

चीन ने बनाई दुनिया की सबसे सटीक घड़ी

30 अरब साल में सिर्फ 1 सेकंड की गलती

बीजिंग, 16 मार्च (एजेंसियां)। चीन के वैज्ञानिकों ने दुनिया की सबसे सटीक ऑप्टिकल घड़ियों में से एक विकसित की है। यह घड़ी इतनी सटीक है कि करीब 30 अरब साल में भी इसमें सिर्फ 1 सेकंड की गलती होगी। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह तकनीक भविष्य में समय की सबसे छोटी इकाई 'सेकंड' की नई परिभाषा तय करने में मदद कर सकती है।

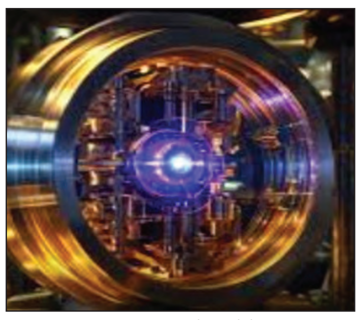

यह घड़ी परमाणुओं में इलेक्ट्रॉन के ऊर्जा स्तर बदलने पर निकलने वाली रोशनी की आवृत्ति को मापकर समय तय करती है। ऑप्टिकल घड़ियां अभी दुनिया की सबसे सटीक समय मापने वाली तकनीक मानी जाती हैं।

ज्ञानिक माप में बड़ी मदद मिल सकती है। इसके अलावा इससे गुरुत्वाकर्षण में छोटे बदलाव, धरती की सतह में होने वाले परिवर्तन और ज्वालामुखी गतिविधियों को भी ज्यादा सटीक तरीके से समझा जा सकेगा।

वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर दुनिया के अलग-अलग संस्थानों में ऐसी कम से कम तीन घड़ियां एक जैसी सटीकता के साथ काम करने लगें, तो भविष्य में 'सेकेंड' की परिभाषा को दोबारा तय किया जा सकता है।

ईरान में अभी 1,000 टारगेट पर होगी बमबारी

इजरायल आर्मी का जानें 21 दिन का प्लान, इमरजेंसी बजट को मंजूरी

तेल अवीव, 16 मार्च (एजेंसियां)। इजरायल ने आने वाले दिनों ईरान में हमले तेज करने का ऐलान किया है। इजरायली सेना ने आने वाले तीन हफ्तों में ईरान में करीब एक हजार ठिकानों पर हमला करने की बात कही है। इजरायल ने युद्ध के लिए आपातकालान बजट को मंजूरी दी है ताकि सैन्य साजो-सामान खरीदे जा सकें। इजरायल के इस प्लान से ईरान में युद्ध और तेज होने का अंदेशा पैदा हो गया है। बीते 17 दिनों से चल रही इस लड़ाई में पहले ही जानमाल का भारी नुकसान हुआ है।

सीएनएन की रिपोर्ट अनुसार, इजरायली सेना ने ईरान में कम से कम तीन हफ्ते (21 दिन) और हमलों की योजना बनाई है। इस दौरान ईरान में एक हजार से ज्यादा टारगेट को निशाना बनाया जाएगा। साथ ही इजरायल ने सैन्य खरीद के लिए 827 मिलियन डॉलर के आपातकालीन बजट

मंजूर किया है। इस रकम से सुरक्षा खरीद और तत्काल जरूरतों के लिए किया जाएगा।

इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि इजरायली आर्मी ने अमेरिका को मिसाइल इंटरसेप्टर की कमी होने की जानकारी दी है। सार ने कहा है कि इजरायल का एयर डिफेंस सिस्टम मजबूती से काम कर रहा है और सेना के पास मिसाइल इंटरसेप्टर की कोई कमी नहीं है।

इजरायली मीडिया ने सुरक्षा अधिकारियों के हवाले से बताया है कि 28 फरवरी को लड़ाई शुरू होने के बाद से 13 मार्च तक ईरान ने इजरायल पर 250 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। वहीं बड़ी संख्या में ड्रोन भी दागे गए हैं। इजरायली अधिकारियों और आपातकालीन बचाव कर्मियों ने ईरान के हमलों में देशभर में बारह लोगों की मौत की पुष्टि की है।

अमेरिका और इजरायल गठबंधन ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था।

इसके बाद से लगातार इजरायल और अमेरिका ने ईरान में बमबारी की है। इन हमलों में ईरान में 1300 से ज्यादा मौतें हुई हैं। इसमें एक स्कूल पर हमलें में 160 छोटी बच्चियों की मौत भी शामिल है। ईरान में बड़े पैमाने पर इमारतों और बुनियादे ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है। ईरान ने इजरायल और अमेरिका के हमलों का जवाब मिसाइल और ड्रोन हमले से दिया है। ईरान ने इजरायल में लगातार मिसाइल और ड्रोन दागे हैं, इसमें तेल अवीव और हाइफा जैसे बड़े शहरों में काफी नुकसान हुआ है। ईरान ने कतर, कुवैत, बहरीन, यूएई जैसे पड़ोसी देशों में अमेरिका के सैन्य ठिकानों को भी अपने हमलों का निशाना बनाया है।

जंग के बीच यूएई में 19 भारतीय गिरफ्तार

फेक न्यूज फैलाने का आरोप, मौत की अफवाह के बीच कॉफी पीते दिखे नेतन्याहू

तेल अवीव, 16 मार्च (एजेंसियां)। इजराइल-ईरान जंग के बीच यूएई ने 35 लोगों को गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। इनमें 19 भारतीय शामिल हैं। इन पर सोशल मीडिया पर फेक न्यूज फैलाने का आरोप है।

यूएई के अटॉर्नी जनरल डॉ. हमद सैफ अल शम्स ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म की निगरानी के बाद यह कार्रवाई की गई, ताकि झूठी खबरों से फैलने वाली अफवाह और अशांति को रोका जा सके।

वहीं इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी मौत की अफवाहों के बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वे यरुशलम के एक रेस्टोरेंट में कॉफी पीते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वे मजाक में कहते हैं, "क्या आप मेरी उंगलियां गिनना चाहते हैं?" दरअसल 13 मार्च के एक वीडियो में कुछ लोगों ने उनके हाथ में 6 उंगलियां दिखने की बात कही थी। इसके बाद कई यूजर्स ने उस वीडियो को AI और डीपफेक बताकर उनकी मौत की अफवाह फैलानी शुरू कर दी थी।

ईरान ने कहा है कि देश के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई पूरी तरह ठीक हैं और उन्हें कोई चोट नहीं लगी है। इससे पहले ब्रिटिश मीडिया द सन ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि मुजतबा 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के हमले में घायल हो गए थे। इसके बाद से वे कोमा में हैं और उनका एक पैर भी काटना पड़ा है।

तालिबान से जंग पर पाकिस्तान ने दोस्त चीन का नहीं किया लिहाज, दिया झटका

अब क्या करेंगे जिनपिंग के दूत?

इस्लामाबाद, 16 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के साथ संघर्ष खत्म करने के लिए चीन की मध्यस्थता स्वीकार करने या बातचीत की मेज पर आने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान ने चीन से कहा है कि वह अफगानिस्तान के तालिबान शासन के साथ बातचीत ना करने की नीति पर कायम रहेगा। पाक सरकार ने कहा है कि अफगानिस्तान की जमीन पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जैसे समूहों को पनाह मिल रही है। ये गुट लगातार पाकिस्तान में आतंकी हमले कर रहे हैं। अफगानिस्तान इन गुटों को पनाह देने की नीति नहीं बदल रहा है तो पाकिस्तान भी बातचीत नहीं करेगा।

इस्लामाबाद ने अपने करीबी सहयोगी बीजिंग की उस ताजा कूटनीतिक कोशिश को ठुकरा दिया है, जिसका मकसद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव कम करना था। पाकिस्तान की ओर से चीन को बार-बार दोस्त कहा गया है लेकिन अफगानिस्तान मुद्दे पर उसने दोस्त का लिहाज नहीं किया है। ये सब ऐसे समय हो रहा है, जब पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बीते कुछ हफ्ते से युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है। चीन की मध्यस्थता की कोशिशों से जुड़े

घटनाक्रम को जानने वाले सूत्रों ने 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' को बताया कि पाकिस्तान ने संकट को सुलझाने के बीजिंग की नेक कोशिशों की सराहना की। चीन की कोशिशों के लिए पाकिस्तान ने शुक्रिया कहा लेकिन साथ ही साफ कर दिया कि जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव हुए बिना काबुल के साथ सामान्य बातचीत फिर से शुरू करना मुमकिन नहीं है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने चीनी पक्ष को बताया कि तालिबान सरकार के प्रति मौजूदा सख्त नीति अपनाने से पहले इस्लामाबाद ने कूटनीति की कोशिश की। पाकिस्तान ने तालिबान शासन ने टीटीपी और दूसरी समूहों को पनाह नहीं देने की अपील की। इसके लिए द्विपक्षीय माध्यमों के साथ-साथ मित्र देशों के जरिए काबुल के सामने अपनी बात रखी गई लेकिन तलिबान शासन ने ध्यान नहीं दिया।

पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, तालिबान ने चीनी दूत के सामने अपनी पुरानी बात दोहराई कि टीटीपी का मुद्दा पाकिस्तान का आंतरिक मामला है और कहा कि अफगान जमीन का इस्तेमाल पड़ोसी देश के खिलाफ नहीं किया जा रहा है।

पाकिस्तानी अधिकारियों ने काबुल के इस दावे को मानने से पूरी तरह से इनकार कर दिया।

कागज पर दोस्ती, युद्ध में दूरी

सऊदी-ईरान जंग ने खोली पाकिस्तान के 'डिफेंस पैक्ट' की पोल

इस्लामाबाद, 16 मार्च (एजेंसियां)। सऊदी अरब पर ईरान के हमलों के बीच पाकिस्तान सिर्फ जुबानी जंग में व्यस्त है। वह न तो सऊदी अरब की रक्षा के लिए आगे बढ़ रहा है और ना ही ईरान के खिलाफ कोई कार्रवाई कर रहा है। पाकिस्तानी सेना तो बिलकुल चुप है, लेकिन वहां के हुक्मरान सऊदी अरब के पैसों और तेल के लालच में उसके साथ जीने-मरने की कसमें खा रहे हैं। इस घटनाक्रम ने सऊदी अरब-पाकिस्तान रक्षा समझौते की पोल खोलकर रख दी है। जबकि, पाकिस्तान ने दावा किया था कि वह संकट के समय सऊदी अरब को अपने परमाणु हथियार की सुरक्षा उपलब्ध कराएगा।

पाकिस्तान सऊदी रक्षा समझौता फेल?

पाकिस्तान और सऊदी अरब ने सितंबर 2025 में स्ट्रैटजिक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट (एसएमडीए) किया था। इस समझौते में मुख्य प्रावधान यह है

कि एक देश पर हमला, दोनों पर हुआ हमला माना जाएगा। इससे सऊदी अरब को यह उम्मीद थी कि अगर उसके ऊपर कोई भी दूसरा देश आक्रमण करता है तो पाकिस्तान दुनिया की सबसे बड़ी सैन्य शक्तियों में एक होने और मुस्लिम दुनिया का एकमात्र परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र होने के कारण उसकी मदद को आगे आएगा। हालांकि, ईरान के सऊदी अरब पर लगातार जारी हमलों के बीच ऐसा कुछ दिखा नहीं है।

पाकिस्तान ने सऊदी अरब की रक्षा के लिए न तो अपनी सेना तैनात की है और ना ही कोई प्रत्यक्ष युद्धक सहायता की पेशकश की है। हालांकि, ईरानी हमले शुरू होने के बाद से पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सऊदी अरब का दौरा कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने बार-बार सऊदी अरब के प्रति अपनी अटूट एकजुटता दोहराई है, लेकिन जमीन पर उनकी प्रतिक्रिया काफी नपी-तुली और मुख्य रूप से जुबानी ही रही है।

पाकिस्तान के ईरान के साथ भी मजबूत संबंध हैं। दोनों देशों की सीमाएं सटी हुई हैं। पाकिस्तान में शिया आबादी भी काफी ज्यादा और प्रभावशाली है। पहले से ही अशांत गिलगित बाल्टिस्तान में इनकी संख्या और अधिक है। ऐसे में अगर पाकिस्तान सीधे ईरान के खिलाफ कोई सैन्य कार्रवाई करता है तो देश के शियाओं के नाराज होने का खतरा है। ऐसे में पाकिस्तान को ईरान जैसे एक शक्तिशाली मुल्क से भिड़ने के अलावा अंदरूनी तौर पर भी मुश्किल हालातों का सामना करना पड़ेगा।

पाकिस्तान में आमतौर पर भी अवाम में ईरान को लेकर एक नरमी है। वे ईरान को अमेरिका और इजरायल के अत्याचारों से पीड़ित देश के रूप में देखते हैं।

विधानसभा में उठा 3 छात्राओं के प्रेग्नेंट होने का मामला

शिक्षा मंत्री बोले- हॉस्टल में नहीं रहती तीनों स्टूडेंट, विपक्ष ने किया सदन का बहिष्कार

रायपुर, 16 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज शून्यकाल के दौरान बीजापुर के गंगालूर स्थित पोटा केबिन की 3 छात्राओं के गर्भवती होने का मामला उठा। इस मुद्दे पर विपक्ष ने स्थगन प्रस्ताव लाकर चर्चा की मांग की, लेकिन सरकार के जवाब के बाद आसंदी ने प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि तीनों स्टूडेंट हॉस्टल में नहीं रहती। मुद्दे पर चर्चा नहीं होने से नाराज विपक्षी विधायकों ने सदन में नारेबाजी करते हुए हंगामा किया और बाद में सदन से बहिष्कार कर दिया। इससे पहले अमानक चावल की खरीदी का मुद्दा सदन में गूंजा।

विधायक ब्यास कश्यप ने करोड़ों रुपए के घटिया चावल खरीदे जाने और गुणवत्ता परीक्षण में लापरवाही का मामला उठाते हुए दोषियों पर कार्रवाई और एफआईआर दर्ज करने की मांग की। मंत्री दयालदास बघेल ने बताया कि करीब 8153 क्विंटल अमानक चावल पाया गया है और कुछ अधिकारियों को निलंबित कर नोटिस जारी किया गया है, लेकिन जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने सरकार पर लीपापोती का आरोप लगाते हुए सदन में हंगामा किया और वॉकआउट कर दिया।

सदन में सक्ती जिले में धान उठाव नहीं होने का मुद्दा भी उठा। विधायक रामकुमार यादव ने सरकार पर आरोप लगाया कि 17 जनवरी से धान का उठाव रोकने की वजह से किसानों का धान बारिश में खराब हुआ और करोड़ों का नुकसान हुआ।

खाना में बाल मिलने पर युवक ने की आत्महत्या

पलामू, 16 मार्च (एजेंसियां)। पलामू जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के काचन स्थित गुरियाही में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान मध्य प्रदेश के सागर जिले के मंगरदहा निवासी अरविंद मगरधा के रूप में हुई है। वह पिछले 15 साल से गुरियाही में अपने ससुर नंदू मोची के घर रह रहा था।

ससुर नंदू मोची के अनुसार, रविवार को अरविंद ने मटन बनाने के बाद शराब का सेवन किया था। खाते समय खाने में बाल मिलने पर उसका अपनी पत्नी से विवाद हो गया, जिसके बाद उसने मारपीट शुरू कर दी। पत्नी और बच्चे विवाद के दौरान पड़ोस के घर चले गए। कुछ देर बाद जब पत्नी घर लौटी तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। मकान की कच्ची छत से देखने पर अरविंद का शव फंदे से लटका हुआ पाया गया। घटना की सूचना मिलने पर रामगढ़ पुलिस सोमवार को मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया।

नक्सली कैंप ध्वस्त, इंसास राइफल बरामद

राजनांदगांव, 16 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नवगठित जिले मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में पुलिस ने नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। संयुक्त बल ने कोहकाटोला के घने जंगलों में नक्सलियों के एक कैंप को ध्वस्त कर दिया। पुलिस की दबिश के बाद नक्सली अपने हथियार और अन्य सामान छोड़कर भागने पर मजबूर हो गए।

यह कार्रवाई राजनांदगांव रेंज के पुलिस महानिरीक्षक बालाजी राव सोमवार के मार्गदर्शन और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वायपी सिंह के नेतृत्व में की गई। इसमें जिला पुलिस बल, सीएएफ और डीआरजी की संयुक्त टीम शामिल थी।

पुलिस को 15 मार्च को सूचना मिली थी कि थाना औंधी के अंतर्गत कोहकाटोला जंगल में 4-5 हथियारबंद नक्सली सक्रिय हैं। इस सूचना पर संयुक्त टीम ने घेराबंदी की। घेराबंदी के दौरान नक्सलियों ने पहाड़ी और घने जंगल का सहारा लेकर भागने का प्रयास किया, लेकिन पीछा करने पर वे अपना सामान छोड़कर फरार हो गए। सर्चिंग ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने मौके से एक इंसास राइफल (बॉडी नंबर 16799802), एक मैगजीन और 15 जिंदा कारतूस जब्त किए। इसके अतिरिक्त, पावर बैंक, दवाइयां, बैग, खाद्य सामग्री और दैनिक उपयोग के अन्य सामान भी बरामद किए गए।

पुलिस के अनुसार, बरामद इंसास राइफल का उपयोग महिला नक्सली कमांडर हिड़मे मरकाम करती थी। आत्मसमर्पित नक्सलियों से पूछताछ में यह जानकारी सामने आई है। यह राइफल नक्सलियों ने 2010 में कांकेर जिले के दुर्गकोंडल थाना क्षेत्र के ग्राम भुस्की से लूटी थी।

चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से: इस बार हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2083 में 13 महीने

देवी पूजा का उत्सव चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से शुरू हो रहा है। ये पर्व 27 मार्च तक चलेगा। चैत्र नवरात्रि के साथ ही हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2083 भी शुरू हो जाएगा। इस बार हिन्दी वर्ष 12 नहीं 13 महीनों का रहेगा, क्योंकि संवत 2083 में एक अधिकमास भी है।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, चैत्र नवरात्रि और आश्विन नवरात्रि में आम भक्त देवी दुर्गा के नौ स्वरूपो की पूजा करते हैं, जबकि माघ और आषाढ़ मास की नवरात्रि गुप्त होती है, इन दिनों में तंत्र-मंत्र से जुड़े साधक देवी सती की दस महाविद्याओं की साधना करते हैं। इस तरह एक साल में चार बार नवरात्रि आती है- दो प्रकट नवरात्रि और दो गुप्त नवरात्रि।

27 मार्च तक चैत्र नवरात्रि

हिन्दी पंचांग के अनुसार इस वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि 19 मार्च की सुबह 6 बजकर 52 मिनट से शुरू होकर 20 मार्च की सुबह 4 बजकर 52 मिनट तक रहेगी। इसी वजह से 19 मार्च से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत मानी जा रही है। नौ दिनों तक चलने वाले ये पर्व 27 मार्च को रामनवमी के साथ खत्म होगा।

घटस्थापना से होती है चैत्र नवरात्रि की शुरुआत

नवरात्रि के पहले दिन घरों और मंदिरों में घटस्थापना यानी कलश स्थापना की जाती है। कलश को माता दुर्गा का प्रतीक माना जाता है। घटस्थापना के साथ ही नौ दिनों तक चलने वाली पूजा शुरू हो जाती है। कई लोग इन दिनों व्रत रखते हैं और सुबह-शाम माता की आरती करते हैं। मंत्र जप, ध्यान और देवी मां के ग्रंथों का पाठ करते हैं। इन दिनों में देवी के 51 शक्तिपीठों में काफी भक्त पहुंचते हैं।

संवत 2083 में ज्येष्ठ मास में आएगा अधिकमास

इस साल 17 मई से 15 जून तक ज्येष्ठ मास का अधिकमास रहेगा यानी ज्येष्ठ दो महीनों का रहेगा। इस वजह से संवत 2083 13 महीनों का होगा। संवत्सर का नाम रौद्र है। बृहस्पति ग्रह राजा और मंगल ग्रह मंत्री है। अधिकमास को पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं। यह महीना भगवान विष्णु की पूजा के लिए बहुत शुभ माना जाता है। इस समय लोग जप, तप, दान, कथा, तीर्थ और पूजा-पाठ करते हैं, हालांकि इस महीने में शादी, गृह प्रवेश, नया व्यापार शुरू करने लिए शुभ मुहूर्त नहीं होते हैं।

चैत्र नवरात्रि के नौ दिनों में करें देवी के नौ स्वरूपों की पूजा

चैत्र नवरात्रि पहले दिन मां शैलपुत्री की आराधना की जाती है, जिन्हें शक्ति और स्थिरता का प्रतीक माना जाता है। दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा होती है, जो तप और आत्मसंयम की प्रेरणा देती हैं। तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है, जिनकी आराधना से भय दूर होता है और साहस बढ़ता है।

नवरात्रि के चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा की जाती है। माना जाता है कि उनकी कृपा से ज्ञान और समृद्धि मिलती है। पांचवें दिन मां स्कंदमाता की आराधना होती है, जो मातृत्व और संतान सुख का आशीर्वाद देती हैं। छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा की जाती है और मान्यता है कि उनकी कृपा से विवाह संबंधी बाधाएं दूर होती हैं।

नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा की जाती है। उन्हें बुरी और नकारात्मक शक्तियों से रक्षा करने वाली देवी माना जाता है। आठवें दिन मां महागौरी की आराधना की जाती है, जिनकी पूजा से जीवन में शांति और पवित्रता आती है। नौवें और अंतिम दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा होती है। मान्यता है कि वे अपने भक्तों को सिद्धि, सफलता और पूर्णता का आशीर्वाद देती हैं।

प्रेरक प्रसंग- राजा ने भिखारी से मांगा अनाज

दान करते समय कंजूसी नहीं करनी चाहिए और अपने सामर्थ्य के अनुसार दान करना चाहिए

एक लोक कथा है। पुराने समय में एक छोटे से राज्य के राजा प्रजा के हाल जानने के लिए समय-समय पर घूमता था। एक दिन राजा घूमते-घूमते एक भिखारी के पास पहुंचा। उसने भिखारी से कहा, "भैया, मुझे थोड़ा सा अनाज दे दो। मेरे गुरु ने कहा है कि इससे मेरे राज्य का संकट दूर होगा।"

भिखारी हैरान रह गया। उसने सोचा, "एक राजा मुझसे भीख मांग रहा है। मैं मना कैसे करूं?" उसने अपनी झोली में हाथ डाला और मुट्ठी भर अनाज राजा को देने लगा, लेकिन मन ही मन वह सोचने लगा, "इतना अनाज राजा को दूंगा तो मेरे लिए क्या बचेगा। ज्यादा नहीं देना चाहिए।" इसलिए उसने अपनी मुट्ठी से कुछ अनाज झोली में ही छोड़ दिया और सिर्फ थोड़ा सा राजा को दे दिया।

राजा ने अनाज लेकर अपने मंत्री को दिया और कहा, "इस अनाज के बराबर का इनाम भिखारी को देना।" मंत्री ने भिखारी के लिए एक पोटली तैयार की और उसे दे दी। भिखारी जब घर आया, तो उसने पत्नी को पूरी बात बताई। पत्नी ने पोटली खोली और देखा कि उसमें सोने के सिक्के हैं।

भिखारी और उसकी पत्नी दोनों बहुत हैरान हुए। उन्हें समझ में आया कि अगर उन्होंने राजा को पूरा अनाज दिया होता, तो उन्हें और ज्यादा सोना मिलता। भिखारी को पछतावा हुआ कि उसने कंजूसी की। दोनों पति-पत्नी को समझ आ गया कि दान करते समय कंजूसी नहीं करनी चाहिए।

जरूरतमंद को खुश होकर देना चाहिए। छोटे दान में भी खुशी हो, लेकिन अपने सामर्थ्य के अनुसार दान देना चाहिए।

प्रसंग की सीख

दान हमेशा खुशी से दें: जब हम किसी जरूरतमंद को कुछ देते हैं, तो खुश होकर दें। मन में कोई उम्मीद या अहंकार न रखें। खुशी से दिया गया दान सबसे ज्यादा फल देता है।

सामर्थ्य अनुसार दें: दान हमेशा अपनी क्षमता के अनुसार करना चाहिए। बहुत ज्यादा देने की सोच कर खुद को परेशान न करें, लेकिन कंजूसी भी न करें।

छोटी मदद भी महत्वपूर्ण है: बड़ा दान ही जरूरी नहीं। कभी-कभी थोड़ा सा अनाज, कपड़ा या खाने की चीज भी किसी के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है।

दान का जिक्र न करें: जो चीज आप दान करते हैं उसका प्रचार न करें। इससे दान का वास्तविक फल नहीं मिलता।

नियमित दान की आदत डालें: दान एक दिन का काम नहीं है। समय-समय पर दान करने की आदत बनाएं। इससे पुण्य बढ़ता है और मन शांत रहता है।

जरूरतमंद को समझें: दान देते समय सोचें कि वास्तव में किसे मदद की जरूरत है। सही व्यक्ति तक मदद पहुंचाने से उसको और आपको दोनों का लाभ होता है।

दान से जीवन संतुलित होता है: जब हम दूसरों की मदद करते हैं, तो अपने जीवन में भी खुशी, संतोष और आत्म-सम्मान बढ़ता है। सामने वाले व्यक्ति को उसकी जरूरत की चीज मिल जाती है, हमें बदले में दुआएं और शांति मिलती है।

दान का प्रभाव लंबे समय तक रहता है: दान सिर्फ एक क्रिया नहीं है, बल्कि हमारे कर्मों का हिस्सा है। यह हमारे जीवन और भविष्य दोनों पर सकारात्मक असर डालता है।

हर व्यक्ति में कोई न कोई अच्छाई जरूर होती है

कई बार हमारी आलोचना सामने वाले की वास्तविकता नहीं, बल्कि हमारे पूर्वाग्रह, अपेक्षाएं और नकारात्मक सोच का परिणाम होती है। जब भी किसी में दोष दिखे, थोड़ी देर रुककर सोचें कि क्या हम पूरी परिस्थिति समझते हैं। हर व्यक्ति में कोई न कोई अच्छाई अवश्य होती है, उसे देखने का अभ्यास करें। साथ ही सहानुभूति रखें और खुद को उसकी स्थिति में रखकर विचार करें। नियमित आत्मचिंतन और सकारात्मक सोच से धीरे-धीरे दूसरों की कमियों पर नहीं, बल्कि उनके गुणों पर ध्यान जाने लगता है। आज जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए दूसरों में दुर्गुण देखने की आदत कैसे छोड़ें?

आदिशक्ति ने यहीं किया था चंड-मुंड का वध, हर मनोकामना होती है पूरी और दिव्यता देखकर कहेंगे- जय मां चंडी देवी

चैत्र नवरात्रि आने में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं, इस बार 19 मार्च को नवरात्रि के पहले दिन की पूजा अर्चना की जाएगी. नवरात्रि के नौ दिनों मां भवानी के नौ स्वरूपों की पूजा अर्चना की जाती है. चैत्र नवरात्रि के मौके पर आज हम आपको देवभूमि उत्तराखंड के मां दुर्गा के सिद्धपीठ मंदिर के बारे में बताने जा रहा है. दरअसल देवभूमि उत्तराखंड अपने कण-कण में आध्यात्मिक ऊर्जा समेटे हुए है. इसी पावन धरती पर हरिद्वार धरती धर्म और श्रद्धा का बड़ा केंद्र है. यहां नील पर्वत की ऊंचाई पर स्थित मां चंडी देवी मंदिर अपनी पौराणिक कहानी और आस्था का प्रतीक है. चैत्र नवरात्रि में यहां अलग ही उत्साह देखने को मिलता है।

प्रमुख सिद्धपीठ मंदिर में से एक - मां चंडी देवी मंदिर हरिद्वार में एक महत्वपूर्ण सिद्धपीठ मानी जाती है. कहा जाता है कि अगर हरिद्वार जाएं, तो चंडी देवी और मनसा देवी के दर्शन करना न भूलें. मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई हर इच्छा माता पूरी करती हैं और भक्तों को हर परेशानियों से दूर रखती हैं. यह हरिद्वार में स्थित तीन ऐसे पीठों में से एक है, अन्य दो मनसा देवी मंदिर और माया देवी मंदिर हैं।

नील पर्वत के शिखर पर विराजमान हैं मां चंडी देवी - चंडी देवी मंदिर अपनी पौराणिक कथाओं और महत्व के लिए प्रसिद्ध है. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, हरिद्वार में नील पर्वत के शिखर पर स्थित एक प्रसिद्ध सिद्धपीठ है, जो देवी चंडी (दुर्गा का रौद्र रूप) को

समर्पित है. यहां पर भक्त मां के दर्शन कर मनोकामना मांगते हैं. मंदिर की खास बात यह है कि यहां से गंगा नदी और पूरे हरिद्वार का खूबसूरत नजारा दिखता है. पहुंचने के लिए रोपवे की सुविधा है, जो यात्रा को और भी यादगार बना देती है. पैदल चढ़ाई करने वाले श्रद्धालु भी इसे एक विशेष अनुभव मानते हैं.यहीं पर हुआ था चंड-मुंड का वध - पौराणिक कहानी के अनुसार देवी चंडी ने शुंभ-निशुंभ के सेनापति चंड और मुंड नामक राक्षसों का वध इसी स्थान पर किया था, जिसके बाद वे कुछ समय के लिए यहां रुकी थीं. फिर, कश्मीर के राजा सुचात सिंह को माता के बारे में पता चला था, जिसके बाद उन्होंने 1929 में मंदिर की स्थापना करवाई थी. हालांकि, कहा जाता है कि मंदिर की मुख्य मूर्ति 8वीं शताब्दी में आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित की गई थी, जबकि मंदिर की वर्तमान संरचना 1929 में कश्मीर के राजा सुचात सिंह ने बनवाई थी।

पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है मां चंडी देवी मंदिर - मां चंडी देवी मंदिर ना सिर्फ धार्मिक महत्व रखता है बल्कि यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है. चंडी देवी मंदिर को हरिद्वार के तीन प्रमुख सिद्धपीठों (मनसा देवी और माया देवी के साथ) में से एक माना जाता है, जहां भक्त अपनी मनोकामनाएं पूरी करने और माता के प्रति अपनी आस्था को लेकर दर्शन के लिए आते हैं।

हर व्यक्ति या परिस्थिति में ईश्वर को अवश्य ढूंढिए

जिस दुनिया को हम जानते हैं, उससे भी ज्यादा अनजानी दुनिया है। मैं इन दिनों चार देशों- फिनलैंड, डेनमार्क, नॉर्वे और स्वीडन की यात्रा पर हूं। यहां मेरे प्रवचन चल रहे हैं। जितने लोगों से मिलता हूं, जितने दृश्य देखता हूं, लगता है कि हरेक के भीतर एक नई दुनिया है।

जो कुछ इस उम्र में हमने जाना है, देखा है, उससे कई गुना अनदेखा रह गया। इसलिए जीवन में आने वाला हर दृश्य और हर व्यक्ति परमात्मा का प्रसाद मानकर स्वीकारा जाए। ईश्वर हमें बहुत कुछ सिखाने के लिए नया-नया दिखाता है।

तुलसीदास जी ने एक पंक्ति लिखी है- निज प्रभुमय देखहिं जगत केहि सन करहिं बिरोध। इस सारे जगत को मैंने अपने ईश्वर जैसा देखा है तो फिर किससे विरोध करें? अगर किसी दृश्य को देखकर अच्छा लग रहा है तो मानकर चलिएगा उसमें ईश्वर बसा है। दुःख आए तो अपने दोष ढूंढना, सुख आए तो ईश्वर की कृपा मानना। नए दृश्य और नए व्यक्ति मिलें तो समझना कहीं न कहीं भगवान ही मिला है, नए का आनंद और बढ़ जाएगा।

शादी संयोग नहीं, पहले से लिखा हुआ 'भाग्य' है! गरुड़ पुराण का यह सच जानकर होश उड़ जाएंगे!

कर्म और विवाह का रिश्ता

-आधुनिक समय में हम मानते हैं कि जीवन साथी हमारी पसंद या परिस्थितियों से तय होता है. डेटिंग ऐप्स, मैट्रिमोनियल वेबसाइट और सोशल मीडिया के दौर में यह बात और मजबूत लगती है, लेकिन भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में एक अलग धारणा मिलती है।

-गरुड़ पुराण और कर्म सिद्धांत के अनुसार विवाह अक्सर "रणानुबंध" का परिणाम होता है. सरल शब्दों में समझें तो यह पिछले जन्मों के अधूरे लेन-देन या भावनात्मक रिश्तों का असर माना जाता है. जब आत्मा नए जन्म में आती है, तो उसके साथ कई पुराने कर्म भी जुड़े रहते हैं. माना जाता है कि उन्हीं कर्मों के आधार पर कुछ रिश्ते तय हो जाते हैं. इसी वजह से कई बार दो बिल्कुल अलग स्वभाव के लोग भी अचानक एक-दूसरे की जिंदगी का अहम हिस्सा बन जाते हैं।

शादी के पीछे छिपे तीन प्रकार के रिश्ते

संघर्ष वाला रिश्ता

कई शादियां ऐसी होती हैं जहां शुरुआत से ही टकराव रहता है. छोटी-छोटी बातों पर झगड़े, गुस्सा और लगातार तनाव. ऐसे रिश्तों में लोग अक्सर सोचते हैं कि उनकी किस्मत खराब है. आध्यात्मिक नजरिए से इसे पिछले कर्मों का नतीजा माना जाता है. कहा जाता है कि अगर किसी जन्म में किसी के साथ अन्याय हुआ हो, तो अगली जिंदगी में वही आत्मा किसी नए रिश्ते में सामने आ सकती है. इस वजह से रिश्ता चुनौतीपूर्ण बन जाता है. हालांकि इसका मतलब यह नहीं कि दुख सहना ही समाधान है. बल्कि इसे समझदारी और संतुलन से संभालना जरूरी माना जाता है।

कर्ज या जिम्मेदारी वाला रिश्ता

कुछ शादियों में एक व्यक्ति लगातार जिम्मेदारियों के बोझ में रहता है. कभी पार्टनर की बीमारी, कभी आर्थिक दबाव या कभी परिवार की बड़ी जिम्मेदारी. ऐसे रिश्तों को भी कर्म सिद्धांत से जोड़ा जाता है. माना जाता है कि यह जीवन एक तरह से पुराने कर्ज चुकाने का मौका हो सकता है. इसलिए कई लोग कठिन परिस्थितियों में भी रिश्ते निभाते रहते हैं. वास्तविक जिंदगी में भी ऐसे कई उदाहरण मिलते हैं जहां लोग सालों तक मुश्किल हालात में भी अपने साथी का साथ नहीं छोड़ते।

औपचारिक या सामान्य रिश्ता

कुछ शादीशुदा जीवन ऐसे भी होते हैं जहां ना बहुत ज्यादा प्यार दिखता है, ना बड़ी दुश्मनी. पति-पत्नी अपनी-अपनी जिम्मेदारियां निभाते हैं, बच्चों की परवरिश करते हैं और जिंदगी आगे बढ़ती रहती है।

ऐसे रिश्तों को कई लोग सामान्य मानते हैं. आध्यात्मिक दृष्टिकोण से इसे हल्का कर्म संबंध माना जाता है, जहां दो लोगों का साथ सिर्फ कुछ समय के लिए जरूरी होता है।

दुर्लभ लेकिन खास रिश्ते भी होते हैं

कभी-कभी ऐसे रिश्ते भी देखने को मिलते हैं जहां पति-पत्नी एक-दूसरे की ताकत बन जाते हैं. मुश्किल समय में साथ खड़े रहते हैं और एक-दूसरे को आगे बढ़ने में मदद करते हैं. इसे पुण्य संबंध कहा जाता है. माना जाता है कि ऐसे रिश्ते तब बनते हैं जब दो आत्माओं के बीच पहले से सकारात्मक संबंध रहा हो. हालांकि ऐसे रिश्ते बहुत कम देखने को मिलते हैं।

क्यों होता है कुछ रिश्तों में बहुत गहरा आकर्षण

कई बार ऐसा होता है कि लोग अचानक किसी के प्रति बेहद आकर्षित हो जाते हैं. आसपास के लोग समझाते हैं, लेकिन उन्हें कुछ सुनाई नहीं देता. मनोविज्ञान इसे भावनात्मक और जैविक कारणों से जोड़ता है, जैसे हार्मोन और केमिकल्स का असर. वहीं आध्यात्मिक सोच इसे पिछले कर्मों के आकर्षण से जोड़ती है. यानी कोई अधूरा रिश्ता दोबारा सामने आ सकता है. इसी वजह से कई बार लोग ऐसे फैसले ले लेते हैं जिनका असर आगे चलकर उनकी जिंदगी पर पड़ता है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 17 मार्च - 2026

जांच एजेंसियों की त्रुटियों की भी जांच हो

रघु ठाकुर

27 फरवरी 26 को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया आदि को ईडी के द्वारा दायर प्रकरण पर चार्ज लगाने के पूर्व ही मुक्त कर दिया। अदालत ने अपने लंबे आदेश में ईडी के द्वारा प्रस्तुत प्रकरण की खामियों पर चर्चा की तथा उसने कहा कि ईडी के पास न तो प्रमाण हैं और न ही वह प्रमाणिक ढंग से आरोप सिद्ध कर सकी है। इस घटना ने फिर एक बार ईडी को कठघरे में खड़ा किया है। वैसे भी पिछले दिनों जो प्रकरण ईडी ने दायर किये और राजनैतिक नेताओं व लोगों को लंबे समय तक जेल में रखा, वे अधिकांश सिद्ध नहीं पाये गये। हालात इतने बदतर हैं कि ईडी के द्वारा बनाये गये प्रकरणों में मुश्किल से 3 प्रतिशत प्रकरणों में ही आरोपियों को दंडित किया जा सका है। वह भी छोटे-मोटे अधिकारी, कर्मचारियों को। राजनेताओं में तो शायद ही कोई ऐसा दुर्भाग्यशाली रहा हो जिसे ईडी सीबीआई की विशेष अदालत ने दंडित किया हो, कम से कम मेरी जानकारी में तो नही है। इसके पूर्व भी हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री झारखंड, ए राजा (डीएमके) और ऐसे ही अनेक नाम लिये जा सकते हैं जिनमें कई-कई माह तक राजनेताओं को जेल में डाला गया, कई के राजनैतिक कैरियर नरुट हो गये और उन्हें अनावश्यक सार्वजनिक और राजनैतिक जीवन में अपमानित व लज्जित होना पड़ा और अंत में ईडी सीबीआई के मुकदमे खारिज हो गये। हालांकि यह भी आश्चर्यजनक है कि इसी सीबीआई के जज जितेन्द्र सिंह सिंह जिन्होंने अब यह फैसला दिया है, हालाँकि वे ही लगातार इन आरोपियों के जमानत आवेदनों को निरस्त भी करते रहे और ईडी को रिमांड देते रहे, जिससे इन आरोपियों अरविन्द केजरीवाल, मनीष सिसौदिया या इसके पहले श संजय सिंह को इसी प्रकार लंबे समय तक जेल में रहना पड़ा था।

होना तो यह चाहिए कि ऐसे गंभीर मामलों में यह कानून बने कि ईडी को या सीबीआई को व्यक्ति गिरफ्तार करते ही और कोर्ट में पेश करते ही चार्ज शीट पेश करने की अनिवार्यता हो। ताकि न्यायालय चार्ज लगाते समय प्रस्तुत तथ्यों के आधार पर प्रमाणिक निर्णय कर सके और इन ईडी या सीबीआई जैसे संस्थानों को रिमांड मांगने की जरूरत ही न पड़े। कोई भी व्यक्ति जो बाद में निरपराध सिद्ध हो, उसे अनावश्यक जेल में न रहना पड़े। हालांकि ऐसे राजनैतिक आरोपों का चलन पहले भी रहा है। वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा नियंत्रित ईडी की कार्यवाही जो सिद्ध नहीं हुई जिसके कारण दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री को जेल में रहना पड़ा और इस्तीफा भी देना पड़ा था। बाद में चुनाव में उनकी सरकार भी चली गई। पूर्व में श्री अरविन्द केजरीवाल की संस्था इंडिया अगेंस्ट करप्शन्य की ओर से स्व. डा मनमोहन सिंह की सरकार के समय 2जी स्पेक्ट्रम के घोटाले की बात कही गई थी उसमें 2 लाख करोड़ के घोटाले का आरोप लगाया गया था। इसी मामले में कई आईएएस अफसरों, मंत्री ए राजा और द्रमुक नेता स्व. करूणानिधि की बेटी सांसद श्री कनीमोझी को जेल में रहना पड़ा था और बाद में दोरुा भी सिद्ध नहीं हुआ। परंतु केन्द्र से स्वरू मनमोहन की सरकार व दिल्ली से श्रीमती शीला दीक्षित की सरकार चली गई और श्री अरविन्द केजरीवाल उससे लाभ उठाकर दिल्ली के मुख्यमंत्री बने तथा भाजपा ने उसका प्रचार कर बाद में दिल्ली में सरकार बनाई और श्री नरेन्द्र मोदी उसके प्रधानमंत्री बने। अगर उसके और पुराने इतिहास में जाएं तो स्वरू राजीव गांधी के प्रधानमंत्री कार्यकाल में, स्वरू बी.पी. सिंह ने बोफोर्स घोटाले को उठाया व मुद्दा बनाया।

बाद में राजीव गांधी की सरकार चली गई। स्वतरू बी.पी. सिंह प्रधानमंत्री बने परंतु कोई घोटाला सिद्ध नहीं हुआ और सभी आरोपी बरी हो गये। यहाँ तक कि स्वरू अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में जब कारगिल में घुसपैठ हुई और इन घुसपैठियों को निकालने के लिये भारतीय सेना भेजी गई तो वही बोफोर्स तोपें कारगर साबित हुईं, और इनकी प्रशंसा हुई। इन घटनाओं से दो निरुकर्रुा निकलते हैं, एक- आजकल राजनेता और कारपोरेट मिलकर अपने प्रतिद्वंद्वी को बदनाम करने, गिराने और राजनैतिक लाभ के लिये झूठे प्रकरण उठाते हैं। इसमें दुनिया की बड़ी-बड़ी कारपोरेट कंपनियों का अंतर युद्ध प्रमुख भूमिका अदा करता है। जिस कंपनी को ठेका नहीं मिल पाता वह कंपनी 500-1000 करोड़ रुपया ऐसे झूठे अभियानों पर खर्च करती और सुनियोजित मुहिम चलाती है, सरकार को गिराती व बनाती है और फिर सरकार बदलने के बाद, अपनी लागत की वसूली करती है व मुनाफा कमाती है। देश की जनता मीडिया के प्रचार में वह जाती है।

इसका दूसरा कारण यह भी है कि राजनीति व राजनैतिक व्यक्तियों की साख आम जनता में इतनी गिर चुकी है कि उनके विरुद्ध लगाये गये प्रत्येक आरोप को देश सही मान लेता है। यह तो केवल गांधी ही है जिनके विरुद्ध लगभग 80 साल से देश की कुछ संस्थायें और पिछले 11-12 वर्रुों से सरकार के संरक्षण में कानाफूसी, सोशल मीडिया, अखबारी बयान और हर प्रकार से झूठ व निंदा का अभियान चलाया जा रहा है, परंतु गांधी का सम्मान और सत्य शास्वत है। भारतीय राजनीति व नेताओं को इस पर विचार करना चाहिए कि उनकी साख इतनी गिरी हुई और कमजोर क्यों है? अब यह सिद्ध हो चुका है और जनमानस में स्वीकार तथ्य हो चुका है कि ईडीध्सीबीआई जैसी संस्थायें जिन्हें सर्वोच्च न्यायालय ने तोता कहा था वस्तुतरू तोता ही है। वह तत्कालीन सरकार के अपने मालिकों की भारुा बोलते हैं। कटु सत्य तो यह है कि ईडी और सीबीआई की विश्वसनीयता आम जनमानस में समाप्त हो चुकी है। वह जिनके विरूद्ध कार्यवाही करते हैं उस पर सामान्य प्रतिक्रिया होती है तथा आम जनमानस में यह धारणा बनती है कि फँसाया गया है। केंद्रीय जांच एजेंसियों की साख व प्रमाणिकता इतनी गिर चुकी है कि अब उनके किसी भी कार्यवाही को आम जन सत्ता के द्वारा की गई कार्यवाही ही मानता है। यहाँ तक कि अगर वह कोई सच कार्यवाही भी करेंगे तो भी वह आम जनमानस में झूठी मानी जायेगी। न्यायपालिका में अपने अभियोजन को सिद्ध करने की उनकी दर भी लगभग नगण्य है, याने मात्र 3 प्रतिशत। यहां तक की पुलिस जो बदनाम संस्था है,उसके अभियोजन की सफलता दर ईडीध्सीबीआई से कई गुना अधिक है। अब यह भावना देश में बन रही है कि ईडीध्सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों की उपयोगिता शून्य हो चुकी है और इन्हें समाप्त किया जाना चाहिए।

चौथा प्रश्न आम जनमानस में है कि जब न्यायपालिका ईडी, सीबीआई पुलिस की कार्यवाही को न केवल गलत ठहराती है बल्कि उनकी विवेचना और अभियोजन में गंभीर त्रुटियां इंगित करती है जिससे आरोपित अपराधी निर्दोरुा बरी होते हैं, तो न्यायपालिका इन जिम्मेवार अधिकारियों के विरुद्ध झूठे अभियोजन और पीड़ित पक्षकारों को क्षतिपूर्ति के लिये आदेश क्यों नहीं करती? ऐसे गैर जिम्मेवार और सत्ता अधिकारियों को तो बर्खास्त कर देना चाहिए जिन्होंने न केवल झूठे प्रकरण बनाये या किसी को बचाने के लिये दबाने का अपराध किया है। ईडी दिल्ली हाईकोर्ट में श्री अरविन्द केजरीवाल और श्री मनीरुा सिसोदिया की चार्ज फ्रेम के पूर्व रिहाई के विरुद्ध अपील करने की तैयारी में है।

संभव है कि अपनी साख बचाने के लिये वह अपील करे और एक रूटीन प्रक्रिया में उच्च न्यायालय स्थगन दे दें तथा ईडी सीबीआई को अपनी फौरी साख बचाने और अपराध के लिये छिपाने के लिये अवसर मिल जाये।

आयोग पर भरोसे का संकट

असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ देश में चुनावी हलचल तेज हो गई है। इन राज्यों में मतदाताओं की संख्या इतनी बड़ी है कि इसकी तुलना कई विकसित देशों की कुल आबादी से की जा सकती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी और कनाडा जैसे देशों को मिलाकर जितने मतदाता हैं, उससे भी अधिक मतदाता इन चुनावों में हिस्सा लेने वाले हैं। स्पष्ट है कि इतने बड़े लोकतांत्रिक अभ्यास को निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना चुनाव आयोग के लिए बड़ी जिम्मेदारी है। हालांकि इस बार चुनावी तैयारियों के साथ-साथ चुनाव आयोग की विश्वसनीयता भी चर्चा के केंद्र में है। इसकी मुख्य वजह स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को लेकर पैदा हुआ विवाद है। आयोग का तर्क है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध और पारदर्शी बनाना है, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदान से वंचित न रहे और कोई अपात्र सूची में शामिल न हो। लेकिन इसके क्रियान्वयन को लेकर कई राजनीतिक दलों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। सबसे ज्यादा विवाद पश्चिम बंगाल में है। विपक्षी दलों का आरोप है कि बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा रहे हैं। जब मुख्य चुनाव आयुक्त तैयारियों का जायजा लेने कोलकाता पहुंचे, तब उन्हें विरोध-प्रदर्शन का सामना भी करना पड़ा। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी मतदाताओं के नाम काटे जाने के आरोपों को लेकर धरना दिया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपीलीय ट्रिब्यूनल गठित करने के निर्देश के बाद उन्होंने अपना धरना समाप्त कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान लगभग 63.66 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, जबकि 60 लाख से अधिक नाम अभी विचाराधीन हैं। इसी पृष्ठभूमि में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर भी बहस तेज हो गई है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाना इसी असंतोष का संकेत है। यह प्रस्ताव तृणमूल कांग्रेस की ओर से लाया गया और इस पर 193 सांसदों के हस्ताक्षर बताए जाते हैं। इसका सीधा अर्थ है कि विपक्ष का बड़ा हिस्सा चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर आश्वस्त नहीं है। भले ही यह प्रस्ताव पारित हो या न हो, लेकिन इसने चुनाव आयोग की साख को लेकर गंभीर चर्चा जरूर शुरू कर दी है। लोकतंत्र में चुनाव आयोग केवल एक प्रशासनिक संस्था नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता का आधार भी है। इसकी शक्ति केवल संवैधानिक अधिकारों से नहीं, बल्कि जनता और राजनीतिक दलों के विश्वास से आती है। यदि आयोग की निष्पक्षता पर संदेह पैदा होता है, तो इसका असर सीधे लोकतंत्र की साख पर पड़ता है। यही कारण है कि चुनाव आयोग को हर कदम अत्यंत पारदर्शिता और संतुलन के साथ उठाना चाहिए। मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया हो या चुनावी व्यवस्थाएं दोनों में यह सुनिश्चित होना चाहिए कि किसी भी स्तर पर पक्षपात की गुंजाइश न रहे। इसलिए आने वाले चुनाव केवल राजनीतिक दलों के लिए ही नहीं, बल्कि चुनाव आयोग के लिए भी एक महत्वपूर्ण परीक्षा हैं। आयोग को यह साबित करना होगा कि वह पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और संविधान के प्रति जवाबदेह संस्था है। यदि वह इस चुनौती को सफलतापूर्वक पार कर लेता है, तो न केवल इन चुनावों की विश्वसनीयता मजबूत होगी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की प्रतिष्ठा भी और अधिक सुदृढ़ होगी।

मिट्टी में मिला दिए गए माफिया, अतीक-अशरफ की फरार पत्नियों पर योगी सरकार का शिकंजा

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश के अपराध जगत में एक के बाद एक होते घटनाक्रम से यह स्पष्ट होता जा रहा है कि जांच एजेंसियां अब किसी भी फरार अपराधी को बख्शने के मूड में नहीं हैं। बहुचर्चित शाइन सिटी घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय के अनुरोध पर भगोड़े आर्थिक अपराधी राशिद नसीम को संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर में गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी न केवल हजारों ठगे गए निवेशकों के लिए उम्मीद की किरण लेकर आई है, बल्कि प्रयागराज में वर्षों से फरार चल रहे अन्य खतरनाक अपराधियों के लिए भी एक कड़ा संदेश बन गई है।राशिद नसीम शाइन सिटी समूह का अध्यक्ष बताया जाता है। उस पर आरोप है कि उसने रियल एस्टेट, निवेश योजनाओं और बहुस्तरीय विपणन के नाम पर हजारों निवेशकों से लगभग एक हजार करोड़ रुपये की ठगी की। वह वर्ष 2019 में नेपाल के रास्ते दुबई फरार हो गया था। देश छोड़ने से पहले उसने तीस करोड़ रुपये की रकम गुजरात की एक कंपनी के जरिये विदेश भेज दी थी। जनवरी 2026 में प्रवर्तन निदेशालय ने उसके खिलाफ यूएई अधिकारियों को एक विस्तृत आरोप-पत्र सौंपा था, जिसके बाद उसकी गिरफ्तारी हुई।लखनऊ की विशेष न्यायालय ने उसे भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया था। प्रवर्तन निदेशालय ने उसकी एक सौ सत्ताईस करोड़ रुपये की संपत्ति भी जब्त की है। उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट, लुकआउट सर्कुलर और इंटरपोल का लाल नोटिस भी जारी किया जा चुका था। इस पूरी कार्रवाई को जांच एजेंसियों की बड़ी सफलता के तौर पर देखा जा रहा है। राशिद नसीम की गिरफ्तारी ने प्रयागराज पुलिस की नींद उड़ा दी है।

अब उन तमाम फरारों की तलाश तेज कर दी गई है जो वर्षों से कानून की आंखों में धूल झोंककर छिपते फिर रहे हैं। इनमें सबसे प्रमुख नाम माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन और अतीक के भाई अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा का है। अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन, अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा और अतीक की बहन आयशा नूरी पहले से ही वांछितों की सूची में हैं। इन सभी के बारे में सवाल उठाए जा रहे हैं कि इनकी गिरफ्तारी आखिर कब होगी।अतीक अहमद के भाई अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा भी उमेश पाल हत्याकांड की साजिश में शामिल मानी जाती है। उसकी बहन आयशा नूरी ने इस वारदात के बाद अपने घर पर असद और गुड्डू को शरण दी थी, जिसका बंद कैमरे का दृश्य भी सामने आया था। शाइस्ता परवीन प्रयागराज के दामूपुर गांव की रहने वाली है। उसके पिता मोहम्मद हारून एक सेवानिवृत्त पुलिस कांस्टेबल हैं। शाइस्ता के खिलाफ अब तक चार मामले दर्ज हो चुके हैं। उसने कथित रूप से अपने बेटे असद और शूटर गुलाम को उमेश पाल की हत्या के बाद प्रयागराज से भाग जाने के लिए कहा था। पुलिस की एक सिपाही की बेटी का इस तरह माफिया की दुनिया में उतरना और फिर खुद कानून से भागते फिरना, यह कहानी समाज के उस पतन की तस्वीर है जो संगत और परिस्थितियों के बदलाव से इंसान को कहां से कहां ले जाती है।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने शाइस्ता परवीन का नाम वांछितों की सूची में डाल दिया है और उसके बारे में जानकारी देने वाले को पचास हजार रुपये के इनाम की घोषणा भी की गई है। लखनऊ में एक बेनामी संपत्ति की सौदेबाजी से मिलने वाली बारह करोड़ रुपये की रकम को जैनब और शाइस्ता तक पहुंचाना एक वकील का मकसद था। यह भी पता चला कि इस रकम की मदद से दोनों विदेश भागने की फिराक में थी.उमेश पाल हत्याकांड के बाद से माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन पुलिस की पकड़ से बाहर है। उनकी और जैनब फातिमा की तलाश में देर रात प्रयागराज के कई इलाकों में पुलिस ने घर-घर तलाशी चलाई।

केरल में कांग्रेस के खिलाफ प्रचार करेंगे तेजस्वी !

अशोक भाटिया

बिहार में राज्यसभा चुनाव के बीच राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने एक ऐसा राजनीतिक बयान दिया है, जिससे विपक्षी राजनीति में नई हलचल पैदा हो गई है। पटना में मीडिया से बातचीत करते हुए तेजस्वी यादव ने घोषणा की कि उनकी पार्टी केरल में होने वाले विधानसभा चुनाव में वाम दलों के नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल केरल में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के साथ मिलकर तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। तेजस्वी यादव के इस बयान को कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि केरल में कांग्रेस वाम दलों के खिलाफ मुख्य विपक्षी भूमिका में रहती है। ऐसे में राजद का वाम दलों के साथ चुनाव लड़ना कांग्रेस के साथ राजनीतिक दूरी का संकेत माना जा रहा है।

बताया जाता है कि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन के विधायकों के साथ बैठक के बाद यह घोषणा की है . गौरतलब है कि सोमवार (16 मार्च) को बिहार में राज्यसभा की पांच सीटों के लिए मतदान होना है. ऐसे में राज्य की पांचवीं सीट को लेकर खींचतान देखी जा रही है. इस सीट पर असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम और बहुजन समाज पार्टी किंगमेकर की भूमिका में दिखाई दे रही है. दोनों ही दलों का समर्थन एनडीए या महागठबंधन को मिला तो उसी की जीत होगी. ऐसे में ओवैसी और बीएसपी के विधायकों पर सबकी नजर बनी हुई है.

तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि केरल में उनकी पार्टी का पहले से आधार रहा है और वहां पहले भी राजद के विधायक रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी कारण पार्टी ने एक बार फिर वहां चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। उनका कहना था कि राजद केरल में वाम दलों के नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगी कि यह गठबंधन फिर से सत्ता में लौटे। तेजस्वी यादव ने कहा कि उनकी पार्टी केरल में सीमित सीटों पर चुनाव लड़ेगी, लेकिन गठबंधन के साथ मिलकर काम करेगी। तेजस्वी यादव के इस फैसले का राजनीतिक महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि केरल में मुख्य मुकाबला वाम दलों के नेतृत्व वाले गठबंधन और कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा के बीच होता है। इस स्थिति में राजद का वाम दलों के साथ चुनाव लड़ना सीधे तौर पर कांग्रेस के खिलाफ खड़ा होने जैसा माना जा रहा है। बिहार में जहां राज्यसभा चुनाव के दौरान राजद को कांग्रेस के समर्थन की जरूरत है, वहीं दूसरी ओर केरल में कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ने का ऐलान राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। केरल की राजनीति लंबे समय से दो प्रमुख गठबंधनों के बीच घूमती रही है। एक ओर वाम दलों के नेतृत्व वाला वाम लोकतांत्रिक मोर्चा है, जबकि दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा है। इन दोनों गठबंधनों के बीच राज्य की सत्ता के लिए लगातार मुकाबला होता रहा है। केरल में लंबे समय तक यह परंपरा रही कि हर चुनाव में सत्ता परिवर्तन होता था और जनता एक बार वाम दलों को तो अगली बार कांग्रेस गठबंधन को सत्ता में लाती थी। इन सब के बीच सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बिहार और केरल की राजनीति में गठबंधनों का समीकरण बहुत अलग है। बिहार में आरजेडी की अगुवाई वाले महागठबंधन में कांग्रेस और वाम दल छोटे सहयोगी की भूमिका में हैं। वहीं केरल में कांग्रेस और सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाले वाम दल एक-दूसरे के कट्टर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं। यही कारण है कि जहां बिहार में कांग्रेस और वाम दल एक साथ चुनाव लड़ते हैं, वहीं केरल में दोनों अलग-अलग मोर्चों पर आमने-सामने खड़े होते हैं।

ऐसे में आरजेडी का एलडीएफ के साथ जाना राजनीतिक रूप से एक दिलचस्प समीकरण बना रहा है। दरअसल, पांच राज्यों की विधानसभा चुनाव तिथियों की घोषणा ने वामपंथी दलों के लिए राजनीतिक रणभूमि तैयार कर दी है। केरल में अपने एकमात्र मजबूत गढ़ को बचाए रखने और पश्चिम बंगाल में खोई राजनीतिक पकड़ को वापस हासिल करने की चुनौती उनके सामने है, जिससे ये चुनाव उनके लिए न केवल सत्ता की रक्षा बल्कि राजनीतिक पुनरुत्थान की कसौटी भी साबित होंगे। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव एमए बेबी ने कहा कि वामपंथी दल संगठनात्मक और राजनीतिक रूप से चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार हैं, खासकर केरल में जहां वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की तैयारी कर रहा है। केरल में 9 अप्रैल को विधानसभा चुनाव होने हैं और इस बार भी राजनीतिक मुकाबला तीन मुख्य मोर्चों के बीच रहने की संभावना है। सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ), जिसे सीपीआई (एम) नेतृत्व दे रही है, विपक्षी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ), जिसका नेतृत्व कांग्रेस कर रही है, और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), जिसकी अगुवाई भाजपा कर रही है। केरल में कुल 140 विधानसभा सीटें हैं। 2021 के चुनाव में एलडीएफ ने 99 सीटें जीतीं, कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ को 41 सीटें मिलीं और भाजपा कोई सीट नहीं जीत पाई। 2016 में पार्टी ने पहली बार एक सीट जीती थी।

सत्तारूढ़ एलडीएफ की अगुवाई मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन कर रहे हैं। एलडीएफ के लिए यह चुनाव तीसरी लगातार बार सत्ता बनाए रखने की परीक्षा है, जो केरल के चुनावी इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। एलडीएफ ने 2021 में सत्ता में वापसी की थी और राज्य में लंबे समय से बदलती सरकार की परंपरा को तोड़ा था। यूडीएफ का नेतृत्व विपक्ष के नेता वीडी सतीशन कर रहे हैं। यूडीएफ, एलडीएफ सरकार के खिलाफ एंटी-इंकम्बेंसी का फायदा उठाने की उम्मीद कर रही है। कांग्रेस नेता मानते हैं कि राज्य का राजनीतिक चक्र और स्थानीय चुनावों में दिखा जनता का मूड सरकार बदलने के पक्ष में हो सकता है। भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए के लिए यह चुनाव राज्य में अपनी राजनीतिक पहचान बढ़ाने का मौका है, क्योंकि अब तक उन्होंने वोट शेयर को विधानसभा सीटों में बदलने में सफलता नहीं पाई है। गठबंधन इस बात की उम्मीद कर रहा है कि 2024 लोकसभा चुनाव में त्रिशूर में सुरेश गोपी की जीत से उनकी सक्रियता बढ़ी है और यह उन्हें त्रिकोणीय मुकाबले में मजबूत खिलाड़ी बना सकती है।

हालांकि वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में यह परंपरा टूट गई थी। उस चुनाव में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा ने लगातार दूसरी बार जीत हासिल कर सत्ता में वापसी की थी। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के नेतृत्व में वाम दलों का गठबंधन एक बार फिर सत्ता में आया और इस तरह केरल की राजनीति में एक नया अध्याय जुड़ गया।यदि पिछले विधानसभा चुनाव के परिणामों की बात करें तो राज्य की 140 सीटों में से 97 सीटों पर वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी। वहीं कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा को 41 सीटों पर सफलता मिली थी। इसके अलावा अन्य दलों को दो सीटों पर जीत मिली थी।

ईरान के मोजेक चक्रव्यूह में अमेरिका-इजराइल फंस गए

स्नेहा सिंह

2005 में आईआरजीसी सेना के कमांडर मोहम्मद जाफरी ने तत्कालीन सरकार और सुप्रीम कमांडर को नई रणनीति लागू करने और सेना का ढांचा बदलने की सिफारिश की थी। मोहम्मद जाफरी ने आईआरजीसी की सेना को छोटी-छोटी टुकड़ियों में बांट दिया। हर सेना को एक सैन्य प्रमुख दे दिया। ये सभी सेनाएं मिलकर फिर से ईरान की ही सेना बनती हैं : ईरान ने अपने 31 प्रांतों के लिए 31 सेना कमांड बना दिए। अब वे एक ही सेना नहीं, बल्कि 32 कमांड में बंटी हुई सेना थी। हर यूनिट अलग तरीके से काम करती है, फिर भी मुख्य यूनिट से जुड़ी हुई है। हर प्रांत की सेना का अपना कमांडर है। हर कमांड के अपने हथियार हैं। उनकी अपनी युद्ध लड़ने की पद्धति है : यह ऐसा ढांचा हैल जिसमें शीर्ष नेता की मृत्यु हो जाए तब भी हर यूनिट अपने तरीके से उत्तराधिकारी को चार्ज देकर काम करती रहती है। ईरान ने हर यूनिट में 3 उत्तराधिकारी रखे हैं। उसकी चेन आफ कमांड बहुत मजबूत है। हर प्रांत की कमांड युद्ध में अपनी स्थिति के अनुसार स्वतंत्र रूप से निर्णय लेती है और युद्ध जारी रखती है।

अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमले किए जा रहे हैं। ईरान के कई स्थान धधक रहे हैं, उसके सुप्रीम लीडर की मृत्यु हो चुकी है, फिर भी ईरान टस से मस नहीं हो रहा है। जानकारों के अनुसार ईरान ने पिछले कई दशकों से इस युद्ध के लिए तैयारियां की थीं। कहा जाता है कि ईरान ने अपने मोजोक चक्रव्यूह में अमेरिका और इजराइल को फंसा दिया है। ईरान के शीर्ष नेता और सुप्रीम कमांडरों की मृत्यु के बावजूद तुरंत नए नेता और कमांडर चुन लिए गए और आज भी ईरान लड़ रहा है, इसके पीछे यही रणनीति जिम्मेदार है। वैश्विक स्तर पर दूसरा सवाल यह भी है कि अगर ईरान की सेना जिसे आईआरजीसी कहा जाता है, वह केवल सुप्रीम लीडर और कमांडर के इशारे पर ही काम करती है, तो फिर आयतोल्लाह खामेनेई की मृत्यु के बाद भी वह कैसे युद्ध कर रही है। जानकार मानते हैं कि अमेरिका कभी भी यह युद्ध करेगा, इसका अंदेशा ईरान को था और इसलिए उसने अपनी तरफ से सारी तैयारियां कर ली थीं। उसने दशकों से मोजोक चक्रव्यूह की रचना कर रखी थी, जिसमें कभी भी अमेरिका फंस सकता था। फिलहाल वही हुआ है।

कहा जाता है कि 2003 में जब अमेरिका ने ईरान के पड़ोसी देश इराक पर हमला किया और सद्दाम हुसैन को पकड़ लिया, तब दुनिया स्तब्ध रह गई थी। दूसरी ओर इराक की पूरी व्यवस्था बिखर गई थी। सद्दाम हुसैन की कमांड संरचना इस तरह टूट गई कि पूरा देश बर्बाद हो गया। सद्दाम द्वारा तैयार किया गया सरकारी ढांचा, कमांड, सेना सब कुछ खत्म हो गया। अमेरिका ने सब कुछ अपने हाथ में ले लिया और थोड़े ही समय में गृहयुद्ध के कारण पूरा देश बर्बाद हो गया। ईरान उसी समय समझ गया था कि आज नहीं तो कल अमेरिका ईरान पर भी हमला करके ऐसी स्थिति पैदा कर सकता है। इसी कारण ईरान ने उसी समय से तैयारियां शुरू कर दी थीं। यह घटनाक्रम समझने जैसा है। एक तरफ अमेरिका और इजराइल योजना बना रहे थे कि ईरान पर हमला करना है। इजराइल ने वर्षों तक खामेनेई की जासूसी करने का दावा किया था। इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार खामेनेई एक ही स्थान पर बैठक करने वाले थे। इजराइल की इन रिपोर्टों पर अमेरिका को विश्वास था। इजराइल और अमेरिकी सेना ने मिलकर उसी दिन हमला कर दिया। उनकी सूचना सही निकली, खामेनेई और उनके साथ कई कमांडर तथा खामेनेई के कुछ परिवारजन भी इस हमले में मारे गए।

अमेरिका और इजराइल को विश्वास था कि खामेनेई की मृत्यु के बाद ईरान टूट जाएगा और सब कुछ रुक जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यहीं पर ईरान ने इन दोनों के साथ खेल कर दिया। ट्रम्प कह रहे हैं कि जल्द ही युद्ध समाप्त हो जाएगा, लेकिन ईरान ने घोषणा की है कि अब तो युद्ध शुरू हुआ है। अमेरिका और इजराइल ने जो करना था, वह कर लिया, अब हम युद्ध करेंगे। युद्ध अमेरिका ने शुरू किया था, समाप्त ईरान करेगा।

इराक की घटना के बाद ईरान ने अपनी पूरी कमांड संरचना ही बदल दी थी और वही इस युद्ध का सबसे बड़ा चक्रव्यूह है। जानकारों के अनुसार 2005 में आईआरजीसी सेना के कमांडर मोहम्मद जाफरी ने तत्कालीन सरकार और सुप्रीम कमांडर को नई रणनीति लागू करने और सेना का ढांचा बदलने की सिफारिश की थी। दुनिया के अधिकांश देशों में सेना एक ही केंद्रीय कमांड के अधीन काम करती है। शीर्ष पर एक सुप्रीम कमांडर या सेना प्रमुख होता है, जिसके आदेश के अनुसार पूरी सेना काम करती है। वही रणनीति बनाता है और वही सेना की विभिन्न शाखाओं को युद्ध के आदेश देता है।

अब यदि किसी देश के ऐसे शीर्ष कमांडरों को मार दिया जाए, तो उस देश की सेना भी खत्म हो जाती है। मोहम्मद जाफरी ने यही ढांचा बदल दिया। उन्होंने मोजेक कमांड की रचना कराई, जो ईरान के लिए लाभदायक साबित हुई। मोजेक शब्द वास्तव में चित्र के लिए प्रयोग किया जाता है। उसमें छोटे-छोटे टुकड़ों को जोड़कर एक चित्र बनाया जाता है।

आदर्श श्मशान

डॉ. सुरेश कुमार

टिकैतगंज गांव में जब 'घपलेराम' ने प्रधानी का चुनाव जीतने के लिए मृत्यु को ही अपना चुनावी मुद्दा बनाया, तो यमराज भी स्वर्ग में बैठकर अपनी भैंसे की लगाम ढीली कर हंसने लगे होंगे। घपलेराम का तर्क था कि जन्म लेना तो एक निजी दुर्घटना है, लेकिन मरना एक 'सामुदायिक उत्सव' होना चाहिए। उन्होंने गांव के जर्जर श्मशान को 'मुक्तिधाम लग्जरी रिजॉर्ट' बनाने का वादा किया, जहाँ चिता की राख से सीधे आर्गेनिक खाद बनेगी और स्वर्ग जाने वालों के लिए 'वीआईपी गेट' लगवाया जाएगा। उनके चुनावी कार्यालय में विकास की फाइलें इतनी धूल खा रही थीं कि अगर उन्हें झाड़ा जाता, तो पूरे गांव को दमे की बीमारी मुफ्त में मिल जाती। घपलेराम कहते थे कि जनता को रोटी, कपड़ा और मकान से ज्यादा 'गरिमामय विदाई' की जरूरत है, क्योंकि जिंदा आदमी तो शिकायत करता है, लेकिन मुर्दा हमेशा मौन समर्थन देता है।

चुनाव से ठीक एक रात पहले घपलेराम ने गांव के बीचों-बीच एक विशाल सोने जैसा दिखने वाला संदूक रखा और घोषणा की कि इसमें 'अमरता का अमृत' रखा है। उन्होंने गांव वालों को पट्टी पढ़ाई कि जो भी उन्हें वोट देगा, उसे एक विशेष 'अमरता कोड' मिलेगा, जिसे यमराज के दूत भी नहीं काट पाएंगे। पूरे गांव में होड़ मच गई; लोग अपनी आधी-अधूरी जिंदगी छोड़कर उस संदूक के दर्शन के लिए कतार में लग गए। घपलेराम ने संदूक पर लेजर लाइटें लगवा दीं और वहां एक छोटा सा फॉर्म भरवाना शुरू किया-'अमरता प्राप्ति हेतु आवेदन पत्र'। विपक्षी उम्मीदवार 'ढपोरशंख' इस नई तकनीक के सामने चारों खाने चित थे, क्योंकि वे केवल जीवितों के लिए वादे कर रहे थे, जबकि घपलेराम ने परलोक में भी अपनी ब्रांच खोल दी थी। जनता को लगा कि बस, अब न बुढ़ापा आएगा और न ही सरकारी अस्पताल के धक्के खाने पड़ेंगे।

जिस सुबह घपलेराम भारी बहुमत से विजयी घोषित हुए, पूरा गांव ढोल-नगाड़ों के साथ उस संदूक का ताला खुलवाने पहुँचा। घपलेराम ने बड़े शान से ताला खोला, तो संदूक के अंदर से केवल एक फटा हुआ आईना और एक प्लास्टिक का खिलौना-सा सांप निकला। जनता के बीच सन्नाटा छा गया, तभी घपलेराम दहाड़ कर बोले-भाइयों और बहनों! अमृत तो आप सबके भीतर की 'उम्मीद' थी जिसे मैंने पी लिया और अब मैं अगले पांच साल के लिए अजेय हो गया हूँ। और यह सांप इसलिए है ताकि आपको याद रहे कि राजनीति में जो सीधा चलता है, वह सपेरे की टोकरी में बंद हो जाता है। जनता हक्की-बक्की अपनी ही परछाईं उस फटे आईने में देख रही थी, जबकि घपलेराम अपनी जीत का गुलाल उड़ाते हुए 'मुक्तिधाम' की बाउंड्री वॉल का टेंडर पास कराने शहर रवाना हो गए।

डायपर की आदत कर रही नवजात की किडनी खराब चिकित्सकों ने माता-पिता को दी ये सलाह

बच्चों में डायपर पहनने से पेशाब में संक्रमण बढ़ रहा है। इससे गुर्दे तक संक्रमण फैलने का भी खतरा है। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स एसोसिएशन (आईएपी) की आवास विकास कॉलोनी स्थित होटल में हुई कार्यशाला में डॉक्टरों ने बच्चों को डायपर न पहनाने की सलाह दी है।

वाराणसी से आए मुख्य वक्ता एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी के अध्यक्ष डॉ. अशोक राय ने बताया कि बच्चों को बेवजह डायपर पहनाने का चलन बढ़ा है। इससे बच्चों में यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन (यूटीआई) के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। डायपर पहनने से बच्चे के मल त्यागने पर ये गंदगी पेशाब मार्ग तक पहुंचकर मर्ज बना रही है। इससे बच्चों में पेशाब-मल करने की स्वाभाविक प्रक्रिया भी प्रभावित हो रही है। ये परेशानी 5 फीसदी बच्चों में मिल रही है। इनमें बच्चियों की संख्या अधिक है। 5-6 साल में ये संख्या लगभग दोगुना हुई है।

आईएपी सचिव डॉ. राहुल पैंगोरिया ने बताया कि कम पानी पीना, देर तक पेशाब रोककर रखने से भी बच्चों में यूरिन संक्रमण मिल रहा है। इससे गुर्दे में संक्रमण का भी खतरा रहता है। नोएडा के डॉ. विवेक गोस्वामी ने बताया कि फास्टफूड-जंक फूड के बढ़ते चलन से बच्चों में लिवर-किडनी में भी संक्रमण मिल रहा है। उन्होंने इससे बचने की सलाह दी है।

अध्यक्ष डॉ. संजीव अग्रवाल ने डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया के खतरे के बारे में बताते हुए बचाव की जानकारी दी। कार्यशाला में यूपी अध्यक्ष डॉ. आरएन द्विवेदी, जिलाध्यक्ष डॉ. संजीव अग्रवाल, सचिव डॉ. राहुल पैंगोरिया, डॉ. राकेश भाटिया, डॉ. सुनील अग्रवाल, डॉ. अरुण जैन, डॉ. आरएन शर्मा, डॉ. स्वाति द्विवेदी, डॉ. संजय सक्सेना, डॉ. युवराज सिंह मौजूद रहे।

डायपर से ये हो रही है परेशानी:

बार-बार या रुक-रुक कर पेशाब आना।

पेशाब करते वक्त जलन और दर्द होना।

पेट के निचले हिस्से में दर्द रहना।

पेशाब में बदबू आना, बुखार आना।

फंगल इन्फेक्शन, त्वचा की एलर्जी।

ये करें: एक साल तक के बच्चों को ही डायपर पहनाएं।

ट्रैवल और विशेष मौकों पर इसका इस्तेमाल करें।

बच्चों के 3-4 घंटे बाद डायपर जरूर बदल दें।

बच्चों को पानी की कमी न रहने दें। फास्टफूड न खिलाएं।

कौन सी रोटी शरीर को क्या लाभ पहुंचाती है? किसे खाने से बॉडी होगी ज्यादा मजबूत

बात जब भारतीयों की आती है, तो हमारा पेट रोटी के बिना नहीं भरता। इसी वजह से हर घर में एक समय तो रोटी अवश्य बनाई जाती है। ज्यादातर लोग सिर्फ गेंहू के आटे की रोटी खाते हैं, पर क्या आप जानते हैं कि हर तरह की रोटी का शरीर पर अलग प्रभाव पड़ता है। दरअसल, अलग-अलग अनाज से तैयार की हुई रोटियां सिर्फ पेट भरने का काम नहीं करतीं, बल्कि शरीर को कई जरूरी पोषक तत्व भी देती हैं।

कुछ रोटियां पाचन को बेहतर बनाती हैं, कुछ हड्डियों को मजबूत करती हैं, तो कुछ वजन नियंत्रित करने का काम करती हैं और ऊर्जा बढ़ाने में मदद करती हैं। बहुत से लोग तो इस बारे में जानते भी नहीं है कि कौन सी रोटी खाने से क्या फायदा मिलता है?

यहां इस लेख में हम आपको दानकारी देंगे कि कौन-सी रोटी शरीर के लिए किस तरह फायदेमंद होती है और इसे डाइट में कैसे शामिल किया जा सकता है।

1. गेहूं की रोटी

आमतौर पर हर भारतीय घर में गेंहू की रोटी ही बनाई जाती है।

इसमें फाइबर, प्रोटीन और विटामिन B जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व पाए जाते हैं।

ये रोटी शरीर को ऊर्जा देने में मदद करते हैं।

इसका नियमित सेवन पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है और शरीर को पूरे दिन सक्रिय बनाए रखने में सहायक होता है।

2. बाजरे की रोटी

पोषण के मामले में बाजरे की रोटी को सबसे फायदेमंद माना जाता है।

इसमें आयरन, कैल्शियम और फाइबर की अच्छी मात्रा होती है।

इसके सेवन से हड्डियां मजबूत होती हैं।

इसके अलावा ये शरीर को गर्म रखने में भी सहायक होती है, इसलिए पहाड़ी लोग इसे काफी खाते हैं।

जिन लोगों को खून की कमी यानी एनीमिया की समस्या होती है, उनके लिए भी बाजरे की रोटी फायदेमंद मानी जाती है।

3. ज्वार की रोटी

ज्वार की रोटी स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी मानी जाती है।

इसमें फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट और प्रोटीन मौजूद होते हैं।

ये सभी तत्व शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाते हैं।

इसका सेवन वजन को नियंत्रित रखने में मदद करता है।

इसके सेवन से पाचन तंत्र को भी बेहतर बनाता है।

ज्वार की रोटी दिल के स्वास्थ्य के लिए भी अच्छी मानी जाती है।

4. मक्के की रोटी

मक्के की रोटी खासकर उत्तर भारत में काफी लोकप्रिय है।

इसमें कार्बोहाइड्रेट, फाइबर और विटामिन A अच्छी मात्रा में पाया जाता है।

इसका सेवन शरीर को ऊर्जा देता है।

इसके सेवन से आंखों का स्वास्थ्य भी बेहतर बनता है।

मक्के की रोटी पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करती है।

5. रागी की रोटी

रागी की रोटी को सेहत के लिए बेहद पौष्टिक माना जाता है।

इसमें कैल्शियम, आयरन और अमीनो एसिड जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व पाए जाते हैं।

ये सभी तत्व हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

इसे खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों के लिए खास तौर पर लाभकारी माना जाता है।

इसके नियमित सेवन से शरीर की ताकत बढ़ती है।

6. चने के आटे की रोटी

चने के आटे से बनी रोटी भी स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होती है।

इसमें प्रोटीन, फाइबर और आयरन भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

इसका सेवन मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

इसके सेवन से वजन भी नियंत्रित रहता है।

कैसे पता करें हमारी आंखें हेल्दी हैं या नहीं? क्या होता है 6/6 विजन

आंखें हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक हैं। ये अंग जितना महत्वपूर्ण है, उतना नाजुक भी होता है जिसका मतलब है कि इसे नियमित रूप से अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है। हालांकि स्वास्थ्य संस्थाएं अलर्ट करती रही हैं कि आंखों से संबंधित समस्याओं का जोखिम दुनियाभर में तेजी से बढ़ता जा रहा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के विशेषज्ञों अनुसार दुनिया भर में करोड़ों लोग दृष्टि से संबंधित समस्याओं से जूझ रहे हैं। इनमें से बड़ी संख्या में मामलों को समय रहते जांच और इलाज से रोका जा सकता था।

लोगों के बढ़ते स्क्रीन टाइम, आहार में पोषक तत्वों की कमी, डायबिटीज और ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों ने आंखों की समस्याओं को काफी बढ़ा दिया है। यही वजह है कि आंखों की नियमित जांच और सही देखभाल बेहद जरूरी है।

अब सवाल ये है कि कैसे पता किया जाए कि हमारी आंखें हेल्दी हैं या नहीं?

आंखें हेल्दी हैं या नहीं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अक्सर लोगों को लगता है कि अगर हमें साफ दिखाई दे रहा है, तो आंखें बिल्कुल ठीक हैं। हालांकि ऐसा होना जरूरी नहीं है। ग्लूकोमा या डायबिटिक रेटिनोपैथी जैसी आंखों की समस्याओं में शुरुआती दिनों में कोई खास लक्षण नहीं दिखते हैं, यही वजह है कि सभी लोगों को नियमित अंतराल पर आंखों की जांच कराते रहना चाहिए। इससे पता चल जाता है कि आंखों के भीतर सबकुछ ठीक है या नहीं?

आंखों की सेहत के बारे में जानने के लिए 6/6 विजन को विशेषज्ञ पैरामीटर के तौर पर देखते हैं।

6/6 विजन होता क्या है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, 18-40 वर्ष के व्यक्तियों को सालाना अपनी आंखों की जांच करानी चाहिए। जिन लोगों को डायबिटीज या हाई बीपी की दिक्कत है उन्हें अपने डॉक्टर की सलाह पर ये नियमित रूप से कुछ टेस्ट कराते रहने चाहिए। अगर आपका विजन 6/6 आता है तो ये बताता है कि आपकी आंखें हेल्दी हैं।

6/6 विजन का मतलब है कि आप 6 मीटर की दूरी से वह चीज साफ देख सकते हैं, जिसे सामान्य व्यक्ति भी 6 मीटर से साफ देखता है।

यह सामान्य दृष्टि का संकेत माना जाता है।

आमतौर पर ऐसे लोगों को दूर की चीजें देखने के लिए चश्मे या लेंस की आवश्यकता नहीं होती।

आंखों की सेहत कैसे पहचानें?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ पहचान हैं जो बताती हैं कि आपकी आंखों की रोशनी ठीक हो सकती है।

अगर आपको दूर और पास दोनों साफ दिखाई देता है।

बार-बार सिरदर्द नहीं होता।

आंखों में जलन या लालिमा नहीं रहती। रात में देखने में ज्यादा दिक्कत नहीं होती।अचानक फ्लैश या धुंधलापन महसूस नहीं होता

घर पर ओआरएस कैसे बनाएं? इसे पीने का सही तरीका क्या हैं

गर्मी के मौसम में अक्सर लोग छोटी-मोटी बीमारियों से जूझते हैं। तेज़ पसीना, उल्टी, दस्त या गर्मी के कारण शरीर में पानी और खनिजों की कमी हो जाती है। डॉक्टर आमतौर पर ऐसे समय में ओआरएस (ORS) घोल पीने की सलाह देते हैं।

ओआरएस शरीर में खोए हुए इलेक्ट्रोलाइट्स और पानी की मात्रा को जल्दी से भर देता है और डिहाइड्रेशन से बचाता है। हालांकि, इसे बार-बार मेडिकल स्टोर से खरीदना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, खासकर घर पर अचानक से जरूरत पड़ने पर।

खुशखबरी ये है कि आप इसे आसानी से घर पर भी तैयार कर सकते हैं। घर पर बना ओआरएस न केवल सुरक्षित है, बल्कि इसका स्वाद हल्का और पीने में आसान होता है। इस लेख में हम आपको घर पर ओआरएस बनाने की आसान विधि, इसे पीने का सही तरीका और इसके स्वास्थ्य लाभ बताएंगे।

घर पर ओआरएस बनाने का सामान-

1 लीटर साफ़ पानी
6 चम्मच चीनी
½ चम्मच नमक

घर पर ओआरएस कैसे बनाएं?

घर पर ओआरएस बनाने के लिए सबसे पहले 1 लीटर पानी उबालें और इसे ठंडा होने के लिए अलग रख दें। उबले हुए पानी से घोल सुरक्षित और बैक्टीरिया-मुक्त बनता है। इसके बाद ठंडा पानी एक साफ़ बर्तन में डालें और इसमें 6 चम्मच चीनी और ½ चम्मच नमक डालकर अच्छी तरह घोलें। इस मिश्रण को तब तक हिलाएं जब तक चीनी और नमक पूरी तरह पानी में घुल न जाए। ध्यान रखें कि दोनों चीजें पानी में पूरी तरह से घुल जानी चाहिए, वरना ये असरदार नहीं बनेगा।

ओआरएस पीने का सही तरीका क्या है?

दिन में जरूरत के अनुसार छोटे-छोटे घूंट लेकर पीते रहें।

बच्चों और बुजुर्गों के लिए इसे धीरे-धीरे पिलाना बेहतर रहता है।

इसे सीधे पीने के बजाय छोटे हिस्सों में दिनभर लेना डिहाइड्रेशन से लड़ने में अधिक असरदार होता है।

शरीर में खोए हुए पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को जल्दी पूरा करता है।

दस्त, उल्टी या पसीने से होने वाले डिहाइड्रेशन से बचाता है।

शरीर में ऊर्जा और ताकत बनाए रखता है, जिससे कमजोरी दूर होती है।

तेज़ पसीना या गर्मी के समय शरीर को ठंडक प्रदान करता है।

बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों के लिए तुरंत राहत देता है।

एक महीने तक दूध में मिलाकर खा ली मखाना तो शरीर को मिलेंगे अनगिनत फायदे

अगर आप एक महीने में अपने शरीर को मजबूत, एक्टिव और ऊर्जावान बनाना चाहते हैं, तो आपको अपनी डाइट में एक छोटे लेकिन बेहद असरदार बदलाव की जरूरत है। दरअसल हम में से ज्यादातर लोग जिम जाते समय या भारी व्यायाम के साथ-साथ सप्लीमेंट्स लेने की सोचते हैं, लेकिन आपको समझने की जरूरत है कि आप बिना किसी सप्लीमेंट के भी अपने शरीर को पोषण तत्व दे सकते हैं।

इसके लिए आपको हर दिन दूध में एक चीज डालकर पीना शुरू करना होगा। ये एक चीज है मखाना, जो आपको बाजार में बेहद आसानी से मिल जाएगा। सिर्फ रोजाना एक गिलास मखाने वाला दूध आपकी सेहत में चमत्कारिक बदलाव ला सकता है। यहां हम आपको इन फायदों के बारे में जानकारी देंगे।

हड्डियों को मजबूत बनाए

मखाने में कैल्शियम और प्रोटीन भरपूर मात्रा में होते हैं।

दूध के साथ सेवन करने पर यह हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

रोजाना इसका सेवन करने से हड्डियों की कमजोरी दूर होती है।

इसके सेवन से जोड़ों के दर्द से राहत मिल सकती है।

वजन नियंत्रित करने में मददगार

मखाने वाला दूध पेट को लंबे समय तक भरा रखता है।

इसमें कैलोरी कम और पोषण अधिक होता है।

इसके सेवन से आप बिना भूख लगे वजन को नियंत्रित कर सकते हैं।

ऊर्जा बढ़ाए और थकान दूर करे

इस ड्रिंक में प्रोटीन, फाइबर और मिनरल्स मौजूद होते हैं।

ये सभी तत्व थकान को कम करते हैं और शरीर में एनर्जी लेवल बढ़ाते हैं।

इसे खासकर सुबह या शाम के समय पिया जाए तो ये एक बेहतरीन ड्रिंक है।

हृदय को स्वस्थ रखे

मखाने में एंटीऑक्सीडेंट और पॉलीफेनोल्स पाए जाते हैं।

ये दोनों तत्व आपके दिल की सेहत के लिए अच्छे हैं।

इस दूध के नियमित सेवन से रक्तचाप नियंत्रित रहता है।

इससे दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

त्वचा और बालों को पोषण दे

मखाने और दूध का संयोजन विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होता है।

यह त्वचा को नर्म, चमकदार बनाता है। इसके सेवन से बालों की जड़ें भी धीरे-धीरे मजबूत होती हैं।

सियाटिका का आयुर्वेद में उपचार

प्रश्न : मेरी उम्र 23 वर्ष है। माहवारी के दौरान पेट व कमर से बहुत कष्ट पाती हूं। क्या आयुर्वेद में इसका उपचार है?

- सुश्री जया राव, सिद्दीपेट

उत्तर : कई लड़कियों व स्त्रियों में गर्भाशय के अवयव में सूजन, पेट में आफरा , उदर व पैरों में भारीपन एवं हारमोंस के बदलाव के चलते मासिक धर्म के पहले और मासिक धर्म चलते समय पेट व पीठ में भयंकर दर्द होता है। इसे आसानी से दूर किया जा सकता है। गायनोसिन कैप्सूल मासिक धर्म से 7-8 दिन पहले दो-दो कैप्सूल की मात्रा में गर्म पानी से लेने पर तुरंत लाभ होता है। और अधिक व स्थाई लाभ के लिए इसे ऊंझा सुंदरी संगिनी सैरप या ऊंझा अशोकारिष्ट के साथ लेवे। इसके प्रयोग से अनार्तव, कष्टार्तव और रजोवरोध से संबंधित विकारों में तुरंत लाभ होता है। खून की कमी, पीठ का दुखना, थकावट और कमजोरी दूर होकर स्त्री शरीर में नवजीवन का संचार होता है। सारी चिकित्सा योग्य आयुर्वेद चिकित्सक की निगरानी में ही करवाएं।

प्रश्न : मेरी उम्र 18 वर्ष है। धूप में जाने से चेहरा वह हाथ पैर लाल हो जाते हैं और दाने निकल आते हैं - क्या करूं?

- श्रीनिवास, महबूबनगर

उत्तर : कई व्यक्तियों को धूप सहन नहीं होती और धूप में जाने से त्वचा का रंग लाल होने लगता है। धूप में मौजूद अल्ट्रावायलेट किरणों के कारण ऐसा होता है। कई बार अनूर्जता के चलते दाने निकल आते हैं, पूरी त्वचा पर। ऐसे में सबसे पहले आप धूप में ना जाएं। यदि जाना अत्यावश्यक हो तब छाते और धूप के चश्मे का प्रयोग करें। एलोवेरा जेल चेहरे पर लगाएं । दाडिमावलेह, फ्रीजी सिरप, ऊंझा गुलकंद (प्रवाल युक्त) का प्रयोग पित्त के प्रकोप को शांत रखता है। अतः इनका प्रयोग करें। शरीर में पानी की मात्रा बनाए रखें। नींबू की शिकंजी, ठंडाई, छांच या कैरी का पना लिया करें। धुपेलियों पर नीम तुलसी पाउडर का छिड़काव करें। ऊंझा चंदनकल्प सिरप पैत्तिक विकारों को शांत करता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 52 वर्ष है। पिछले 2 महीनों से सियाटिका से परेशान हूं। अंग्रेजी दवाओं से जरा भी लाभ नहीं मिल पा रहा है, कृपा कर आयुर्वेदिक दवा बताएं।

- के माधव, सिकंदराबाद

उत्तर : सियाटिका को आयुर्वेद में गृध्रसीवात कहते हैं। यह गृध्रसी नाड़ी के शोथ से उत्पन्न बड़ी कष्टदाई स्थिति है। इसका आयुर्वेद में उपचार है। कुछ सरल घरेलू उपाय बता रहा हूं जिसका प्रयोग कर आप आसानी से इससे मुक्ति पा सकते हैं।

* वज्रासन में बैठना आराम देता है ।

*सुबह -शाम ऊंझा महानारायण तेल या ऊंझा महाविषगर्भ तेल की मालिश करने से आराम मिलता है।

* 5 ग्राम लहसुन और 5 ग्राम प्याज का रस पानी के साथ सेवन करने से सियाटीका का दर्द शांत होता है।

* शुद्ध गुग्गुलुऔर रास्ना चूर्ण में शुद्ध घी मिलाकर सेवन करने से सियाटीका रोग ठीक होता है।

*एक पोती वाले लहसुन को एक गिलास दूध में उबालकर रबड़ी की तरह बना कर 21 दिन सेवन करने से इस रोग से मुक्ति मिलती है।

*अश्वगंधा चूर्ण को 10 ग्राम की मात्रा में लेकर एक गिलास दूध में डालकर सेवन करने से लाभ होता है।

* 3 ग्राम पिपली का चूर्ण के साथ 15 ग्राम एरंड के तेल के साथ सेवन करने से लाभ मिलता है।

शास्त्रीय औषधियों में ऊंझा बृहत योगराज गुग्गुलु एवं ऊंझा समीरपन्नग रस का सेवन करने से लाभ मिलता है। ऊंझा त्रयोदशांग गुग्गुलु , ऊंझा वात विध्वंसन रस एवं औरा अश्वगंधा घनवटी का सुबह-शाम सेवन करने से इस रोग में आराम मिलता है। भोजन के बाद ऊंझा महारास्नादि काढ़ा 20-20 मिलीलीटर आधे का गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करने से इस कष्ट दाई रोग से मुक्ति मिलती है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

माइकल बी जॉर्डन और जेसी बकले बने बेस्ट एक्टर-एक्ट्रेस; किस-किसने जीती ऑस्कर की ट्रॉफी

ऑस्कर 2026 का आयोजन लॉस एंजिल्स के डॉल्बी थिएटर में किया गया। 98वें ऑस्कर अवॉर्ड में लियोनार्डो डिकैप्रियो की 'वन बैटल आफ्टर अनदर' का दबदबा देखने को मिला। 'वन बैटल आफ्टर अनदर' ने बेस्ट फिल्म समेत कुल 6 अवॉर्ड अपने नाम किए। जबकि रियान कूगलर की 'सिनर्स' को 4 ऑस्कर अवॉर्ड मिले। माइकल बी जॉर्डन को 'सिनर्स' के लिए बेस्ट एक्टर और जेसी बकले को 'हैमनेट' के बेस्ट अभिनेत्री का अवॉर्ड मिला। यहां जानते हैं 98वें ऑस्कर्स में किस-किसने मारी बाजी?

विजेताओं की पूरी लिस्ट

बेस्ट फिल्म - वन बैटल आफ्टर अनदर
बेस्ट एक्टर - माइकल बी जॉर्डन (सिनर्स)
बेस्ट एक्ट्रेस - जेसी बकले (हैमनेट)
बेस्ट डायरेक्टर - पॉल थॉमस एंडरसन (वन बैटल आफ्टर अनदर)
बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर - शॉन पेन (वन बैटल आफ्टर अनदर)
बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस - एमी मैडिगन (वेपन्स)
बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म - सेंटीमेंटल वैल्यू
बेस्ट एडिटिंग - वन बैटल आफ्टर अनदर
बेस्ट ओरिजिनल स्क्रीनप्ले - सिनर्स (रयान कूगलर)
बेस्ट एडॉप्टेड स्क्रीनप्ले - वन बैटल आफ्टर अनदर (पॉल थॉमस एंडरसन)
बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग - गोल्डन (के-पॉप डेमन हंटर्स) (ईजेएई, मार्क सोननब्लिक, जूंग ग्यू क्वाक, यू द्वारा)
बेस्ट म्यूजिक (ओरिजिनल स्कोर) - सिनर्स
बेस्ट सिनेमैटोग्राफी - सिनर्स
बेस्ट साउंड - एफ1
बेस्ट डॉक्यूमेंट्र फीचर फिल्म - मिस्टर नोबडी अगेंस्ट पुतिन
बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म - ऑल द एम्प्टी रूम्स
बेस्ट विजुअल इफेक्ट्स - अवतारः फायर एंड ऐश
बेस्ट प्रोडक्शन डिजाइन - फ्रैंकेंस्टाइन
बेस्ट कास्टिंग - वन बैटल आफ्टर अनदर
बेस्ट लाइव एक्शन शॉर्ट फिल्म - द सिंगर्स एंड टू पीपल एक्सचेंजिंग सलाइवा
बेस्ट एनिमेटेड फीचर फिल्म - के-पॉप डेमन हंटर्स
बेस्ट एनिमेटेड शॉर्ट फिल्म - द गर्ल हू क्राइड पर्ल्स
बेस्ट मेकअप और हेयरस्टाइलिंग - फ्रैंकेंस्टाइन
बेस्ट कॉस्ट्यूम डिजाइन - फ्रैंकेंस्टाइन

जेसी बकले बनीं पहली आयरिश एक्ट्रेस, जिन्हें मिला बेस्ट एक्ट्रेस का ऑस्कर

इस बार ऑस्कर में कई रिकॉर्ड भी बने और नए-नए कारनामे भी बने। 'हैमनेट' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का ऑस्कर जीतने वाली जेसी बकले ने इतिहास रच दिया। इस जीत के साथ वह यह सम्मान पाने वाली पहली आयरिश अभिनेत्री बन गई हैं।

बेस्ट एक्टर का ऑस्कर जीतने वाले छठे अश्वेत अभिनेता बने जॉर्डन

बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड जीतने वाले माइकल बी जॉर्डन यह पुरस्कार जीतने वाले छठे अश्वेत अभिनेता बन गए हैं। माइकल बी जॉर्डन का ये पहला ऑस्कर है। जॉर्डन ने 'सिनर्स' में जुड़वा बच्चों का किरदार निभाया है। वो ऐसा करने वाले पहले व्यक्ति हैं।

'वन बैटल आफ्टर अनदर' ने मारा विनिंग सिक्सर

लियोनार्डो डिकैप्रियो की 'वन बैटल आफ्टर अनदर' ने ऑस्कर 2026 में बेस्ट फिल्म समेत छह अवॉर्ड अपने नाम किए। इनमें सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, बेस्ट एडॉप्टेड स्क्रीनप्ले, बेस्ट एडिटिंग, बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर और बेस्ट कास्टिंग के अवॉड्र्स शामिल हैं।

'धुरंधर 2' ने रिलीज से पहले तोड़े कई फिल्मों के रिकॉर्ड 'पठान'-आरआरआर' और 'बाहुबली 2' को भी दी पटखनी

आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' हिंदी, तमिल, मलयालम, तेलुगु और कन्नड़ भाषाओं में भी रिलीज होगी। 'धुरंधर 2' की रिलीज की उलटी गिनती शुरू होते ही फिल्म रिलीज से पहले ही यह फिल्म कई रिकॉर्ड तोड़ चुकी है।

पेड प्रीव्यू शो में तोड़े इन तीन फिल्मों के रिकॉर्ड

18 मार्च को होने वाले पेड प्रीमियर शो से लगभग 37 करोड़ रुपये की कमाई हो चुकी है। पहले दिन और प्रीव्यू मिलाकर कुल 120 करोड़ रुपये से ज्यादा की बिक्री का रिकॉर्ड बना है। उत्तरी अमेरिका में प्री-सेल्स फिल्म ने वहां 50 लाख डॉलर (करीब 42 करोड़ रुपये) से ज्यादा की प्री-सेल्स की हैं, जो किसी भारतीय

फिल्म का नया रिकॉर्ड है। इससे पहले 'पठान', 'आरआरआर' और 'बाहुबली 2' जैसे बड़े नाम 40 लाख डॉलर तक पहुंचे थे।

120 करोड़ रुपये पार पहुंची बुकिंग

2026 में बॉलीवुड की सबसे ज्यादा प्री-सेल्स फिल्म ने इस साल किसी हिंदी फिल्म की सबसे ज्यादा एडवांस बुकिंग का रिकॉर्ड बनाया है। पहले दिन की एडवांस बुकिंग से 14.62 करोड़ रुपये कमाए गए। इससे 'बॉर्डर 2' (12.5 करोड़) का रिकॉर्ड टूट गया। संभावना है कि कुल 30 करोड़ तक पहुंच सकता है।

टिकट बिक्री का रिकॉर्ड

पहले 24 घंटों में 1.25 लाख टिकट बिके, जो राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। सबसे ऊपर 'जवान' (1.55 लाख टिकट) है, लेकिन 'धुरंधर 2' उसे भी तोड़ सकती है। फिल्म 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। पेड प्रीव्यू 18 मार्च को है।

'धुरंधर 2: द रिवेंज' में रणवीर सिंह कराची के ल्यारी इलाके में भारतीय जासूस हमजा अली मजारी का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में आर. माधवन, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, दानिश पंडोर, सारा अर्जुन और बाकी कलाकार भी हैं। पहली फिल्म 'धुरंधर' ने बहुत धूम मचाई थी और कई रिकॉर्ड तोड़े थे। अब सीक्वल 'धुरंधर 2' की रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

आफ्टर पार्टी स्टाइलिश दिखे निक और प्रियंका

ऑस्कर अवॉर्ड्स में प्रियंका चोपड़ा बतौर प्रेजेंटर शामिल हुईं थी। समारोह के बाद प्रियंका और निक वैनिटी फेयर आफ्टर पार्टी में शामिल हुए, जहां प्रियंका ब्राउन शाइनिंग गाउन और निक स्किन कलर के ब्लेजर में नजर आए।

फलक नाज से प्रोडक्शन हाउस ने मांगी ऐसी डिटेल भड़क गईं अभिनेत्री; बोलीं- एक्टर्स का मजाक न बनाएं

'ससुराल सिमर का' फेम अभिनेत्री फलक नाज ने एक प्रोडक्शन हाउस की आलोचना की है। उनका आरोप है कि प्रोडक्शन हाउस ने उन्हें कोई रोल देने से पहले उनकी कुंडली चेक करने के लिए उनकी जन्म की डिटेल्स मांगी। एक्ट्रेस ने आज इंस्टाग्राम पर एक वीडियो में अपनी नाराजगी जाहिर की। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा है 'हम एक्टर्स हैं, हमारे क्राफ्ट का मजाक न बनाएं।'

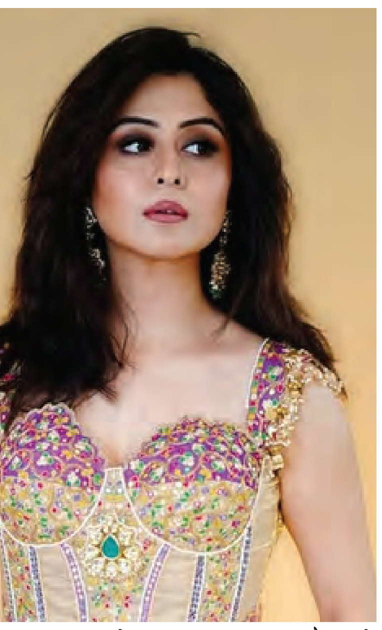

प्रोडक्शन हाउस पर भड़कीं फलक नाज

वीडियो में नाज ने बताया कि हाल ही में उन्हें एक नए टीवी शो के लिए कॉल आया था। लेकिन, कास्टिंग के आम तरीके के बजाय, उनसे उनकी जन्म की डिटेल्स मांगी गईं, ताकि उनकी कुंडली की जांच की जा सके। उन्होंने कहा, 'पहले इस इंडस्ट्री में आपको आपके टैलेंट और एक्टिंग स्किल्स के आधार पर काम मिलता था। फिर एक ऐसा दौर आया जब आपको आपके इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के आधार पर काम मिलने लगा। अब एक नया दौर शुरू हो गया है। अब लोग आपको काम देने के लिए आपकी कुंडली (जन्मपत्री) देख रहे हैं।'

फलक से मांगी जन्म की डिटेल

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'कल मुझे एक कॉल आया। मैं उस प्रोडक्शन हाउस का नाम नहीं बताऊंगी। वह न तो बहुत पुराना है और न ही बिल्कुल नया। उन्होंने मुझे बताया कि एक शो आ रहा है। मैंने कहा, 'बहुत बढ़िया, अब आगे क्या करना है?' इस पर उन्होंने मुझसे मेरी जन्म की तारीख, जगह और समय भेजने के लिए कहा।'

प्रोड्यूसर को सुनाई खरी-खरी

उन्होंने कहा 'मैं पिछले 14-15 वर्षों से इस इंडस्ट्री में काम कर रही हूं और मुझे काम मेरे टैलेंट, एक्टिंग स्किल्स और मेरी कला की वजह से मिला है। मुझे काम मेरी जन्म कुंडली की वजह से नहीं मिला। इसलिए मैंने उनके साथ काम नहीं किया। लेकिन कल से मुझे बहुत गुस्सा आ रहा है कि इतना काम करने के बाद ये दिन आ गए हैं कि अब मुझे कुंडली देख कर काम दिया जाएगा। मैं इस बेवकूफी का हिस्सा नहीं बनना चाहती हूं।' फलक ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा 'आप एक प्रोड्यूसर हैं। आप खुदा नहीं हैं।'

फलक नाज का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि फलक एक दशक से ज्यादा समय से टेलीविजन इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। वह 'ससुराल सिमर का' में जान्हवी भारद्वाज का किरदार निभाने के लिए जानी जाती हैं। वह कई दूसरी टेलीविजन सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं, जिनमें 'पंड्या स्टोर', 'रूप– मर्द का नया स्वरूप' और 'लाल इश्क' शामिल हैं।

प्रियंका के अलावा दीपिका पादुकोण भी हुईं ऑस्कर में शामिल!

98वीं ऑस्कर अवॉर्ड सेरेमनी संपन्न हो चुकी है। इवेंट से फैंस के फेवरेट स्टार्स के फोटोज भी वायरल हो रहे हैं। इसी बीच दीपिका पादुकोण की भी एक तस्वीर वायरल हुई जिसमें वो ऑस्कर के रेड कारपेट पर फोटो खिंचवाती नजर आ रही हैं।

इसके अलावा एक वीडियो भी वायरल है जिसे लेकर यह दावा किया गया कि हॉलीवुड एक्टर टिमोथी चेलमेट भी ऑस्कर सेरेमनी की सीढ़ियों से नीचे गिर गए।

दीपिका का रेड कार्पेट और वैनिटी पार्टी लुक

दीपिका के फैंस उनके हर अपियरेंस को काफी फॉलो करते हैं। कोई अवॉर्ड शो हो या फिर फंक्शन वो हमेशा उनकी एक झलक देखने के लिए बेकरार रहते हैं। सोमवार को दीपिका की एक फोटो वायरल हुई जिसमें वो ऑस्कर के रेड कार्पेट पर खड़ी होकर पोज देती दिख रही हैं।वहीं एक और तस्वीर सामने आई जिसमें वो व्हाइट गाउन पहने ऑस्कर की आफ्टर पार्टी में पोज दे रही हैं। हालांकि, सच तो यह है कि दीपिका ने ऑस्कर अवॉर्ड सेरेमनी में हिस्सा ही नहीं लिया। ये वायरल फोटो एआई की मदद से बनाए गए हैं।

इस साल रहा 'वन बैटल आफ्टर अनदर' का जलवा

ऑस्कर 2026 का आयोजन हो चुका है और विजेताओं की घोषणा भी की जा चुकी है। इस बार लियोनार्डो डिकैप्रियो की 'वन बैटल आफ्टर अनदर' ने सबसे ज्यादा छह अवॉर्ड अपने नाम किए। इसके अलावा चार अवॉड्र्स 'सिनर्स' ने अपनी झोली में डाले। प्रियंका चोपड़ा बतौर अवॉर्ड प्रेजेंटर ऑस्कर अवॉड्र्स में शामिल हुईं। वे अपने पति निक जोनस के साथ रेड कार्पेट पर नजर आईं।

थलपति विजय और तृषा के रिश्ते पर मां उमा कृष्णन की मुहर? शादी का दावा कर रहे वीडियो को किया लाइक

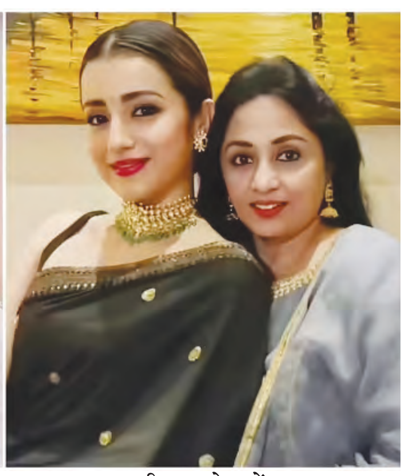

थलपति विजय और तृषा कृष्णन का रिश्ता क्या कहलाता है, इसको लेकर अटकलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। विजय की पत्नी संगीता सोरनालिंगम एक्टर से तलाक की अर्जी दे चुकी हैं। बेटे जेसन संजय ने अपने नाम से पिता विजय का सरनेम हटा लिया है। इस बीच तृषा की मां उमा कृष्णन ने कुछ ऐसा किया है, जिसके बाद सोशल मीडिया पर हायतौबा मच गई है। उमा कृष्णन ने थलपति और तृषा के एक फैन के बनाए रील वीडियो को लाइक किया है, जिसमें दावा किया गया था कि विजय और तृषा जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकते हैं।

जाहिर है, तृषा की मां उमा कृष्णन की एक हालिया सोशल मीडिया एक्टिविटी ने अफवाहों को और हवा दे दी है। विजय और तृषा के डेटिंग की अफवाहें बीते दिनों तब जंगल में आग की तरह फैलने लगीं, जब एक्टर की पत्नी ने तलाक की अर्जी दी और उसके ठीक बाद, विजय और तृषा एक शादी समारोह में एकसाथ नजर आए। दोनों ने वहां एक जैसे कपड़ें भी पहन रखे थे। फिर बेटे जेसन ने अपने नाम से पता का सरनेम हटा दयिा।

वायरल रील में दावा- विधानसभा चुनाव के बाद शादी कर सकते हैं विजय और तृषा

सोशल मीडिया पर लगातार यह चर्चा है कि तृषा कृष्णन और विजय जल्द शादी कर सकते हैं। बीते साल 27 जून को जब थलपति विजय का बर्थडे था, तब तृषा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया था। उसमें विजय, एक्ट्रेस के डॉगी 'इजी' को दुलार रहे थे। खबर आई कि तृषा ने विजय के लिए एक बर्थ डे पार्टी भी रखी थी। इन्हीं अटकलों के बीच, एक फैन कई सारे कयास और अपनी थ्योरी के हिसाब से रील बनाई। इसमें दावा किया कि विजय और तृषा जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकते हैं। यह भी कि तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव नतीजों (4 मई 2026) के बाद दोनों अपने रिश्ते को आधिकारिक कर देंगे।

तृषा की मां ने रील को किया लाइक, यूजर्स लगा रहे कयास

दिलचस्प बात यह है कि इस वायरल रील पर तृषा की मां उमा कृष्णन ने 'लाइक' किया था। फैंस इसे एक संकेत मान रहे हैं कि यह दोनों एक्टर्स के रिश्ते पर परिवार की मुहर है। हालांकि, कुछ अन्य यूजर्स यह भी अंदाजा लगा रहे हैं कि विजय की निजी जिंदगी से जुड़े विवाद के बाद ऑनलाइन हो रही तमाम तरह की बातों पर यह शायद एक मां की ओर से अपनी बेटी का सपोर्ट है।

कुछ यूजर्स बोले- उमा पहले भी कर चुकी हैं ऐसी खबरों को लाइक

कुछ यूजर्स इस बात से भी इनकार नहीं कर रहे कि हो ना हो, यह 'लाइक' गलती से हुआ है। हालांकि, कई लोग यह भी दावा कर रहे हैं कि उमा कृष्णन ने इससे पहले भी कई ऐसे पोस्ट और रील्स को लाइक किया है, जिनमें विजय और तृषा के कथित रिश्ते की ओर इशारा किया गया था।

चौतरफा चर्चा में विजयः तलाक, विधानसभा चुनाव, 'जन नायकन' और तृषा

खास बात यह भी है कि अभी तक न तो विजय और न ही तृषा ने इन अफवाहों पर सार्वजनिक रूप से कोई बात की है। यह सब ऐसे समय में हो रहा है, जब थलपति विजय की बतौर एक्टर आखरिी फिल्म 'जन नायकन' सेंसर बोर्ड के साथ विवादों में उलझी है और अभी तक रिलीज नहीं हुई है। दूसरी ओर, वह एक्टिंग के बाद अब अपनी राजनीतिक यात्रा पर भी फोकस कर रहे है।

सलमान खान की 'बैटल ऑफ गलवां' का नाम बदलकर अब 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' हुआ

सलमान खान की आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन अब फिल्म की रिलीज से पहले मेकर्स ने फिल्म का नाम ही बदल दिया है। अब सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' के नाम से रिलीज नहीं होगी। इसकी जानकारी देते हुए मेकर्स ने फिल्म के नए नाम की भी घोषणा कर दी है।

मेकर्स ने बताया नया नाम

फिल्म के लीड एक्टर और प्रोड्यूसर सलमान खान ने आज

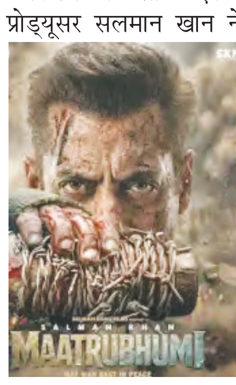

फिल्म के नए नाम के साथ एक नया पोस्टर साझा किया है। पोस्टर में सलमान खान सेना की वर्दी में नजर आ रहे हैं। इंटेंस लुक में सलमान खान की आंखें दिख रही हैं, जिनमें गुस्सा और जोश नजर आ रहा है। उनके चेहरे पर खून लगा हुआ और वो मोटी जंजीर से बंधी एक लकड़ी को पकड़े दिख रहे हैं। उनके पीछे बैकग्राउंड में युद्ध के दौरान सैनिक नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को साझा करते ही मेकर्स ने फिल्म का नया नाम भी रिवील कर दिया है। अब यह फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' के नाम से रिलीज होगी।

क्या आगे बढ़ गई रिलीज डेट?

'बैटल ऑफ गलवां' 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी। लेकिन हैरान करने वाली बात ये है कि सलमान खान ने नाम बदलने वाली जो पोस्ट साझा की है, उसमें कहीं भी फिल्म की रिलीज डेट नजर नहीं आ रही है। न ही फिल्म के पोस्टर पर और न ही कैप्शन में कहीं भी 17 अप्रैल या कोई भी रिलीज डेट नहीं दिख रही है। इसके बाद अब सवाल ये भी उठता है कि क्या फिल्म की रिलीज डेट भी आगे बढ़ गई है?

अपूर्व लाखिया ने किया निर्देशन

'मातृभूमि' का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। जबकि फिल्म को सलमान खान फिल्म्स द्वारा के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है। फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में गोविंदा के भी नजर आने की संभावना है। यह फिल्म 2020 के दौरान गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित बताई जा रही है।

1980 में शुरू हुआ सिक्स पैक एब्स का ट्रेंड, जॉन-ऋतिक-सलमान से पहले किस बॉलीवुड अभिनेता ने की थी इसकी शुरुआत

बॉलीवुड में सिक्स-पैक एब्स का ट्रेंड आज बहुत आम हो गया है। हीरो फिल्म में शर्ट उतारकर अपनी फिट बॉडी फ्लॉन्ट करते हैं और फैंस उनकी बॉडी को देखकर इंस्पायर होते हैं। लेकिन सवाल यह है कि इस ट्रेंड को सबसे पहले किस अभिनेता ने शुरू किया था?

नसीरुद्दीन शाह ने शुरू किया ट्रेंड

सचाई यह है कि बॉलीवुड में सिक्स-पैक एब्स को लीड एक्टर के तौर पर सबसे पहले दिखाने का श्रेय नसीरुद्दीन शाह को जाता है। 1987 में आई फिल्म 'जलवा' में नसीरुद्दीन ने एक CID ऑफिसर का रोल किया था। इस रोल के लिए उन्होंने अपनी बॉडी को पूरी तरह ट्रांसफॉर्म किया और स्क्रीन पर सिक्स-पैक एब्स दिखाए। उस समय यह बहुत नई और हैरान करने वाली बात थी, क्योंकि पहले ज्यादातर हीरो मजबूत बॉडी तो रखते थे, लेकिन साफ-साफ छह पैक एब्स वाला लुक लीड एक्टर्स में नहीं दिखता था।

दारा सिंह और धर्मेंद्र

दारा सिंह और धर्मेंद्र जैसे एक्टर्स को बहुत मजबूत और मस्कुलर बॉडी के लिए जाना जाता था। दारा सिंह को 'बॉलीवुड का ओरिजिनल सिक्स-पैक हीरो' भी कहा जाता है, क्योंकि वह पहलवान थे और उनकी बॉडी बहुत पावरफुल थी। वहीं कुछ मीडिया रिपोट्र्स में उन्हें 8-पैक तक बताया जाता है। लेकिन उनका लुक ज्यादा सिंपल था।

सलमान खान की वजह से ट्रेंड हुआ पापुलर

सलमान खान ने 90 के दशक में फिल्म 'प्यार किया तो डरना क्या' के गाने 'ओ ओ जाने जाना' सॉन्ग में शर्टलेस होकर सिक्स-पैक दिखाए। जिसके बाद से फैंस और सेलेब्स के बीच सिक्स पैक एब्स का ट्रेंड ज्यादा पॉपुलर हो गया। आज सलमान की वजह से लाखों फैंस जिम जाने लगे, ताकि वह उनकी तरह बॉडी बना सकें।

ऋतिक रोशन और जॉन अब्राहम

ऋतिक रोशन ने इस ट्रेंड को फिल्म 'कहो ना प्यार है' से इसे और ज्यादा ग्लैमरस बनाया। वहीं जॉन अब्राहम को भी सिक्स-पैक का किंग कहा जाता है, खासकर 'दोस्ताना' और 'फोर्स' जैसी फिल्मों में उनका सिक्स पैक एब लुक फैंस को बेहद पसंद आया। इस लिस्ट में और भी कई अभिनेता शुमार हो चुके हैं, जिनमें रणवीर सिंह, टाइगर श्रॉफ और भी कई नामी स्टार्स शामिल हैं।

कंगना रनौत पर आगरा कोर्ट ने लगाया 500 रुपये का जुर्माना

मंडी भाजपा सांसद को अंतिम मौका दिया

आगरा, 16 मार्च (एजेंसियां)। फिल्म एक्ट्रेस एवं बीजेपी सांसद कंगना रनौत के मामले में सोमवार को एक बार फिर से सुनवाई नहीं हो सकी। उनकी पैरवी कर रहीं सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता अनसूया चौधरी बहस करने के लिए कोर्ट में हाजिर नहीं हो सकीं। उन्होंने सुनवाई के लिए अदालत से समय मांगा है। इस पर वादी पक्ष ने कड़ा ऐतराज जताया। कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए कंगना रनौत पर 500 रुपये का अर्थदंड लगाया है। इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 3 अप्रैल की तिथि तय की है।

हिमाचल प्रदेश के मंडी लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी सांसद कंगना रनौत के विरुद्ध स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए अनुज कुमार सिंह की कोर्ट में किसानों के अपमान एवं राजद्रोह के मामले में मामला विचाराधीन है।

कंगना रनौत की वकील नहीं हुईं हाजिर

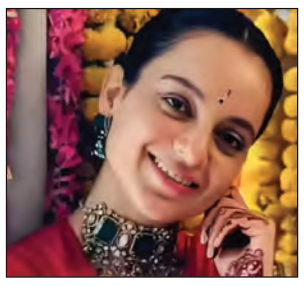

सोमवार को बहस होनी थी, लेकिन कंगना रनौत की सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता अनसूया चौधरी कोर्ट में बहस के लिए हाजिर नहीं हुईं। कंगना की ओर से अनसूया चौधरी की जूनियर अधिवक्ता सुधा प्रधान एवं स्थानीय अधिवक्ता विवेक शर्मा ने एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें कहा गया कि वरिष्ठ अधिवक्ता की तबीयत खराब होने के कारण आज वह बहस करने में असमर्थ हैं। उन्हें कोई अग्रिम तिथि दी जाए। वादी रमाशंकर शर्मा एडवोकेट की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सुखबीर सिंह चौहान एवं राजवीर सिंह ने कड़ा ऐतराज जताया।

वरिष्ठ अधिवक्ता वादी रमाशंकर शर्मा ने बताया कि विगत तीन तिथियां से विपक्ष की अधिवक्ता हर बार बीमारी का बहाना लगाकर मामले को टालना चाहती हैं। वह बार-बार कोर्ट के आदेश की अवहेलना कर रही हैं। पैरवी कर रहे अधिवक्ताओं ने यह भी मांग की अब न्यायालय विपक्ष को बहस करने का अवसर समाप्त किया जाए, लेकिन विपक्ष की ओर से उपस्थित अधिवक्ता सुधा प्रधान के अनुग्रह करने पर कोर्ट ने कंगना रनौत पर 500 रुपये के जुर्माने के आदेश करते हुए बहस के लिए अंतिम अवसर दिया है।

महात्मा गांधी और किसानों पर दिए गए विवादित बयानों के बाद राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट रमाशंकर शर्मा ने 11 सितंबर 2024 को कोर्ट में वाद दायर किया था। लंबे समय से मामले में सुनवाई चल रही है। कोर्ट ने कई बार कंगना रनौत को नोटिस देकर तलब किया था, लेकिन अभी तक कंगना कोर्ट में हाजिर नहीं हुई हैं। बहस के लिए अंतिम अवसर दिया है।

कंगना रनौत मामले में 3 अप्रैल को होगी सुनवाई

वादी पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता दुर्ग विजय सिंह भैया ने कोर्ट में सुप्रीम कोर्ट की एक रूलिंग भी प्रस्तुत की, जिसमें दलील दी गई के कोई भी अधिवक्ता किसी वादकारी की पैरवी तो कर सकता है, लेकिन वादकारी का बयान दर्ज कराने का कोई अधिकार नहीं है।

कोर्ट ने उक्त रूलिंग को पत्रावली पर रखते हुए सुनवाई के लिए 3 अप्रैल 2026 की तिथि नियत कर दी।

कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति में 80 प्रतिशत की कटौती

बुकिंग और रिफिलिंग के लिए अब लंबा इंतजार

रांची, 16 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने झारखंड को कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति में 80 प्रतिशत की कटौती की है। झारखंड विधानसभा में सोमवार को संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने इसकी जानकारी दी।

सदन में संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि झारखंड में कमर्शियल और डोमेस्टिक गैस की डिलीवरी में परेशानी उत्पन्न हुई है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की तेल कंपनियों की ओर से घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रिफिलिंग की अवधि भी बढ़ा दी गई है। शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए बुकिंग की अवधि 15 दिन से बढ़कर 25 दिन कर दिया गया और ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए बुकिंग अवधि 45 दिन कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका-इसराइल और ईरान के बीच जो युद्ध की स्थिति उत्पन्न हुई है, उसका प्रभाव पड़ रहा है। आने वाले दिनों में भी परेशानी बढ़ने वाली है।

राधाकृष्ण किशोर ने बताया कि

राज्य के वाणिज्यकर विभाग के अधिकारियों की गैस कंपनी के साथ अधिकारियों के साथ बात हुई है। गैस कंपनी के अधिकारियों के जो जानकारी प्राप्त हुई कि उसके अनुसार राज्य में पहले गैस बुकिंग के लिए 48 घंटे के अंदर गैस सिलेंडर की आपूर्ति हो जाती थी। परंतु समस्या के कारण अब तीन चार दिन लग जा रहा है।

वित्त मंत्री ने बताया कि झारखंड में 16 मार्च 2026 तक गैस आपूर्ति के बारे में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, हिंदुस्तान पैट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम की ओर जानकारी दी गई है। इसके अनुसार गैस आपूर्ति में पेंडिंग रिफिल की संख्या 3 लाख 27 हजार 630 है। 13 मार्च 2026 को भारत सरकार के साथ झारखंड राज्य के संबंधित अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हुई थी। जिसमें कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति 80 प्रतिशत कम कर 20 प्रतिशत तक सीमित कर दिया गया है।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बताया कि झारखंड में औसतन प्रति माह लगभग 2273 मीट्रिक टन कमर्शियल गैस की जरूरत होती है, लेकिन अब उसमें 80 प्रतिशत कटौती की जा रही है और मात्र 20 प्रतिशत की आपूर्ति की जा रही है। इससे यह प्रभाव पड़ेगा की कमर्शियल सिलेंडर की कुल आवश्यकता 2271.11 मेट्रिक टन के विरुद्ध मात्र 454.6 मेट्रिक टन कमर्शियल गैस की आपूर्ति होगी।

उन्होंने बताया कि झारखंड में रांची, बोकारो धनबाद, रामगढ़, जमशेदपुर समेत कई शहरों में औद्योगिक संस्थानों में कैंटिन है। इसके अलावा शहरों में होटल और रेस्तरां भी संचालित है। वहां कमर्शियल गैस नहीं खाना बनता है लेकिन रेस्टोरेंट में भी इसकी आवश्यकता पड़ती है कमर्शियल गैस की आपूर्ति जो काम की गई है। उन्होंने कहा कि यह काफी चिंता के विषय हैं। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कमी से होटल और रेस्टोरेंट प्रभावित हो जाएगा। इससे एक तरफ जहां लोगों को परेशानी होगी, वहीं दूसरी तरफ राज्य सरकार को जीएसटी के माध्यम से मिलने वाली राजस्व में भी कमी आएगी और राजस्व राजस्थान नुकसान होगा।

बीडीएस डिग्री धारक हारिश अली निकला संदिग्ध आतंकी

एटीएस ने किया गिरफ्तार इस तरह जुड़ा आईएस से

लखनऊ, 16 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधी दस्ते ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए आतंकी संगठन आईएस के ऑनलाइन मॉड्यूल से जुड़े एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सहारनपुर निवासी हारिश अली के रूप में हुई है, जिसने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) से बीडीएस की पढ़ाई पूरी की थी।

एटीएस की जांच के अनुसार, हारिश अली कट्टरपंथी विचारधारा को बढ़ावा देने और नए लोगों को संगठन में भर्ती करने के लिए सक्रिय था। उसने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए 'अल इत्तिहाद मीडिया फाउंडेशन' नाम से एक डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाया था। इस फाउंडेशन के जरिए वह भड़काऊ सामग्री प्रसारित कर युवाओं को गुमराह करने और उन्हें आतंकी गतिविधियों से जोड़ने का काम कर रहा था। एटीएस के मुताबिक, हारिश अली आईएस के ऑनलाइन हैंडलर्स के सीधे संपर्क में था और युवाओं की 'ब्रेनवॉशिंग' कर रहा था। फिलहाल, जांच एजेंसियां उसके नेटवर्क और भविष्य की संभावित साजिशों का पता लगाने के लिए उससे सघन पूछताछ कर रही हैं।

हार तो मिली, पर खाली हाथ नहीं रहा विपक्ष

एआईएमआईएम और बीएसपी के साथ आरजेडी ने बढ़ाया वोटों का गणित

पटना, 16 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में पांच राज्यसभा सीटों पर हुए चुनाव में एनडीए को 100 फीसदी जीत हासिल हुई। राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा, मंत्री और जदयू नेता रामनाथ ठाकुर और भाजपा उम्मीदवार शिवेश राम चुनाव जीत गए। पर इस चुनाव में विपक्ष भी खाली हाथ नहीं रहा। चलिए जानते हैं कि विपक्ष को क्या मिला?

एमवाई समीकरण मजबूत

राज्यसभा चुनाव के दौरान विपक्ष खास कर आरजेडी की बात करें तो इस चुनाव से भविष्य के अच्छे राजनीतिक संकेत मिले हैं। अनुभवहीनता के कारण राजद ने एआईएमआईएम से वर्ष 2025 विधानसभा चुनाव में किनारा किया। इस वजह से मुस्लिम वोटों का बिखराव हुआ। लेकिन राज्यसभा चुनाव में इनकी एकजुटता भविष्य में एक बड़ी ताकत बनेगी। वर्ष 2025

विधानसभा चुनाव में राजद और एआईएमआईएम की टकराहट के कारण कई सीटें हारी। अब यह गठजोड़ बना रहा और आपसी समझौते के साथ चुनावी रणनीति बनी तो एक बड़ी मुसीबत का सामना एनडीए को करना पड़ सकता है।

बीजेपी की बी टीम से छुटकारा

इस राज्यसभा चुनाव के दौरान एआईएमआईएम ने जिस मजबूती के साथ राजद के उम्मीदवार को समर्थन दिया। इसके कारण एआईएमआईएम की राजनीति का चेहरा बदल दिया। बिहार के राजनीतिक गलियारों में ओवैसी की पार्टी को बीजेपी का 'बी टीम' कहा जाता रहा है। इस राज्यसभा चुनाव में एआईएमआईएम अगर राजद के साथ खड़ी नहीं होती या फिर राज्यसभा चुनाव से किनारा कर लेती तब इस बात की पुष्टि हो जाती कि एआईएमआईएम बीजेपी की बी टीम है।

फ्रिज में अचानक हुआ धमाका, पूरे घर में फैल गई आग

जिंदा जल गई महिला, बिलासपुर में बड़ा हादसा

बिलासपुर, 16 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में रविवार देर रात अचानक एक घर के फ्रिज में ब्लास्ट हो गया। फ्रीज में धमाका होने के बाद मकान में आग लग गई और एक महिला जिंदा जल गई। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है। हादसे के समय बुजुर्ग महिला अपने घर में अकेली थी। आग लगने के बाद महिला को घर से भागने का मौका ही नहीं मिला जिस कारण से उसकी मौत हो गई।

महिला की पहचान जया अग्रवाल के रुप में हुई है। सरकंडा थाना क्षेत्र के लिंगियाडीह स्थित साईं मंदिर के पीछे महिला का घर था। रविवार की रात खाना खान के बाद महिला सोने चली गई थी। इसी दौरान अचानक उसके फ्रिज में धमाका हुआ। धमाके की आवाज सुनकर लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकले लेकिन तब तक पूरे घर में आग फैल चुकी थी।

भाई के साथ रहती थी महिला

आसपास के लोगों ने घर में लगी आग बुझाने की कोशिश की वहीं सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया लेकिन तब तक महिला पूरी तरह से चल चुकी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, जया अपने भाई के साथ रहती थी। कुछ दिन पहले ही उसके भाई की मौत हुई है। जबकि जया की फैमिली बेंगलुरू में रहता है।

स्थानीय लोगों ने दी जानकारी

जया अग्रवाल के घर में रविवार को देर रात को अचानक तेज धमाका हुआ। धमाका फ्रिज में हुआ था। धमाके की आवाज सुनकर लोग बाहर आए तो देखा जया अग्रवाल के मकान में आग लगी हुई है। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिश शुरू की। जब तक पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची तब मकान में आग फैल गई थी।

लिंगियाडीह स्थित सांई मंदिर के पीछे एक मकान में ब्लॉस्ट होने की जानकारी मिली थी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, स्थानीय और दमकल टीम के साथ आग पर काबू पाया। तलाशी के दौरान बुजुर्ग महिला की लाश मिली।

काफी मशक्कत के बाद दमकल विभाग ने आग पर काबू पाया। इसके बाद घर के अंदर तलाशी के दौरान बुजुर्ग महिला की लाश मिली। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मृतक के परिजनों को हादसे के बारे में जानकारी दे दी गई है।

प्रिंस खान गिरोह के गुर्गों से मुठभेड़

रांची-धनबाद पुलिस का जॉइंट एक्शन, दो को लगी गोली, एक का पैर टूटा, 6 धराए

धनबाद, 16 मार्च (एजेंसियां)। धनबाद जिले के झरिया के भागाबांध ओपी और जोड़ापोखर ओपी क्षेत्र के बॉर्डर इलाके में सोमवार को रांची और धनबाद पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान अपराधियों के साथ मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में कुख्यात अपराधी प्रिंस खान गिरोह के तीन गुर्गे घायल हो गए। पुलिस के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी कि गिरोह के कुछ सदस्य इलाके में छिपे हुए हैं। वे किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहे हैं।

सूचना मिलते ही रांची और धनबाद पुलिस की टीम ने संयुक्त रूप से इलाके में घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। पुलिस के अचानक पहुंचने से अपराधियों में अफरा-तफरी मच गई और उन्होंने बचने के लिए फायरिंग शुरू कर दी। सर्च ऑपरेशन के दौरान जैसे ही पुलिस टीम संदिग्ध स्थानों की तलाशी ले रही थी, छिपे अपराधियों ने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई गोलीबारी के बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। कुछ देर तक दोनों ओर से क्रॉस फायरिंग होती रही। पुलिस अधिकारियों के अनुसार अपराधियों ने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की घेराबंदी के कारण वे सफल नहीं हो सके। जवाबी कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तीनों अपराधियों को काबू में कर लिया। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई।

मुठभेड़ में गिरोह के सदस्य अमन सिंह उर्फ कुबेर को पैर में गोली लगी, जो पलामू का रहने वाला बताया जा रहा है। वहीं धनबाद निवासी विक्की डोम को भी पैर में गोली लगी। तीसरा अपराधी अफजल उर्फ अमन भागने के प्रयास में गिर गया, जिससे उसका पैर टूट गया।

पुलिस ने तीनों घायलों को तत्काल हिरासत में लेकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि ये तीनों हाल ही में रांची के एक होटल में हुई फायरिंग की घटना में भी शामिल थे। उसी मामले में पुलिस इनकी तलाश कर रही थी।

धनबाद के एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने मौके से हथियार, कई मोबाइल फोन और बम बरामद किए हैं। बरामद विस्फोटक और अन्य सामग्री की जांच के लिए फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। वहीं पुलिस तीनों आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है।

उनसे पूछताछ के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। अधिकारियों के अनुसार पूरे इलाके में पुलिस की सतर्कता बढ़ा दी गई है। पुलिस ने कहा है कि प्रिंस खान गिरोह के नेटवर्क को खत्म करने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

इफ्तारी लेने जा रहे युवकों पर हमला

बदमाशों ने गालियां दी तलवार लेकर निकले, मौके पर 3 थानों की फोर्स तैनात

रायपुर, 16 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में रमजान की इफ्तारी लेने जा रहे युवकों पर हमला हुआ है। सोमवार शाम मौदहापारा इलाके में 'रक्सेल गैंग' के गुर्गों ने बाइक सवार 2 युवकों पर चाकू से हमला किया। जिससे वे घायल हो गए। बताया जा रहा है किसी पुरानी बात को लेकर विवाद हुआ है। मामला मौदहापारा थाना क्षेत्र का है। वारदात के बाद बड़ी संख्या में समाज के लोग मौदहापारा थाने में इकट्ठा हो गए और विवाद बढ़ गया। गैंग के लोग तलवार लेकर पहुंचे, दोनों पक्षों में पत्थरबाजी भी हुई। एहतियातन तौर पर पुलिस अफसर और 3 थानों की फोर्स मौके पर तैनात है।

धमतरी में गिरे ओले

सरगुजा के कई इलाकों में हुई बारिश राजनांदगांव में 40 .5C तापमान दर्ज

रायपुर, 16 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में गर्मी के बीच धमतरी जिले में ओलावृष्टि हुई है। सोमवार दोपहर जिले के मगरलोड, नगरी और कुरुद तीनों क्षेत्र में मौसम ने करवट ली। अचानक आसमान पर घने बादल छाए और बारिश के साथ ही खूब ओले गिरे। वहीं, सरगुजा के उदयपुर सहित कई इलाकों में भी बारिश हुई है।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा दर्ज किया गया है। सबसे ज्यादा राजनांदगांव में पारा 40 डिग्री के पार चला गया है।

अगले 24 घंटे में तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा, लेकिन इसके बाद 2 से 4 डिग्री पारा गिर सकता है।

अगले 2 दिन प्रदेश के कई इलाकों में बारिश की संभावना है।

पिछले 24 घंटे में प्रदेश में मौसम शुष्क रहा। सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान राजनांदगांव में 40.5°C दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 16.6°C रिकॉर्ड हुआ। प्रदेश में कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले 2 दिनों में प्रदेश के कुछ स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। साथ ही गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने की भी संभावना है, जिनकी रफ्तार 30 से 40 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

गिरिडीह के डिप्टी मेयर बने सुमित कुमार

निर्विरोध हुआ चयन, कहा- लोगों की समस्याओं के समाधान को दी जाएगी प्राथमिकता

गिरिडीह, 16 मार्च (एजेंसियां)। गिरिडीह नगर निगम चुनाव संपन्न होने के बाद सोमवार को डिप्टी मेयर पद के लिए चुनाव प्रक्रिया पूरी की गई। डीसी ऑफिस के सभागार में आयोजित बैठक में नामांकन प्रक्रिया संपन्न हुई, जिसमें सुमित कुमार के अलावा किसी अन्य प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल नहीं किया। इसके बाद उन्हें निर्विरोध डिप्टी मेयर घोषित कर दिया गया।

डिप्टी मेयर निर्वाचित होने के बाद सुमित कुमार को अधिकारियों, पार्षदों और समर्थकों ने बधाई दी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शहर के विकास, साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति और अन्य बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए महापौर एवं सभी पार्षदों के साथ मिलकर काम किया जाएगा। साथ ही नगर निगम क्षेत्र के लोगों की समस्याओं

के समाधान को प्राथमिकता दी जाएगी। उनके निर्विरोध चुने जाने पर समर्थकों में खुशी का माहौल देखा।

इससे पूर्व, नवनिर्वाचित महापौर एवं वार्ड पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। गिरिडीह समाहरणालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त मनोज कुमार ने नवनिर्वाचित मेयर पर्मिला मेहरा और नगर निगम के 36 वार्डों से निर्वाचित पार्षदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण के बाद मेयर पर्मिला मेहरा ने औपचारिक रूप से अपना कार्यभार संभाला। वहीं, सभी वार्ड पार्षदों ने भी शपथ लेकर अपने-अपने पद की जिम्मेदारी ग्रहण की। समारोह में गिरिडीह के डीसी रामनिवास यादव, एसपी डॉ. बिमल कुमार, उप विकास आयुक्त स्मिता कुमारी, एसडीएम श्रीकांत विसपुते समेत कई प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान अधिकारियों ने नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों से शहर के समग्र विकास, बेहतर सफाई व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए मिलजुल कर कार्य करने की अपील की।

आवारा कुत्तों ने चार साल के बच्चे पर किया हमला

बरेली, 16 मार्च (एजेंसियां)। बरेली के नवाबगंज क्षेत्र में मुर्गी फार्म के बाहर खेल रहे गांव अंबरपुर निवासी टिंकू के चार वर्षीय पुत्र बासू (4) पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया, जिससे मासूम गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने घायल बच्चे को बरेली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। परिजनों ने एसडीएम और विधायक से शिकायत कर कार्रवाई की मांग उठाई है।

क्योलड़िया थाना क्षेत्र के गांव अंबरपुर निवासी टिंकू ने बताया कि वह नवाबगंज थाना क्षेत्र के गांव सतुईया में मुर्गी फार्म पर परिवार के साथ मजदूरी करते हैं। उनका बेटा बासू रविवार को फार्म के बाहर खेल रहा था। इस दौरान आवारा कुत्तों के झुंड ने बासू पर हमला कर दिया। इससे बासू गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी आंतें तक बाहर निकल आईं। परिजन आनन फानन घायल बच्चे को नगर के निजी अस्पताल में ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे बरेली रेफर कर दिया। इस घटना के बाद सोमवार को टिंकू ने अपने परिजनों के साथ एसडीएम उदित पंवार और विधायक डॉक्टर एमपी आर्य से मिलकर कार्रवाई की मांग की। एसडीएम उदित पंवार ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। पीड़ित को उत्तर प्रदेश शासन से विवेकाधीन कोष से मदद का आश्वासन दिया है। वन विभाग को जांच के आदेश दिए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि मुर्गी फार्म के आसपास कुत्ते मंडराते रहते हैं। मुर्गी मरने या गांव के पशुओं की मौत के बाद आवारा कुत्ते उनका मांस खाते हैं।

ट्रक और कार की टक्कर, एक की मौत

दूसरा गंभीर रूप से घायल, गैस कटर से गाड़ी को काट निकाला गया दोनों सवार को

बोकारो, 16 मार्च (एजेंसियां)। बोकारो के चास मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के तेलमच्चो के पास देर रात एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा एक हाइवा और हुंडई क्रेटा कार के बीच आमने-सामने की टक्कर से हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

यह घटना सोमवार देर रात करीब एक बजे हुई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और चास मुफ्फसिल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया।

गैस कटर से गाड़ी को काटकर बाहर निकाला गया

टक्कर के कारण कार में सवार दोनों व्यक्ति अंदर फंस गए थे।

उन्हें बाहर निकालने के लिए गैस कटर का उपयोग करना पड़ा। गैस कटर से गाड़ी को काटकर काफी मशक्कत के बाद दोनों को कार से बाहर निकालकर बोकारो सदर अस्पताल भेजा गया।

सदर अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, मृतक को गंभीर ब्रेन हेमरेज हुआ था, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। मृतक की पहचान देवेंद्र कुमार के रूप में हुई है। हादसे में घायल दूसरे व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। घायल व्यक्ति हरला थाना क्षेत्र के सेक्टर-9 ऑफिसर कॉलोनी का निवासी बताया जा रहा है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस दुर्घटना के बाद इलाके में कुछ देर तक गहमागहमी का माहौल रहा।

इस महीने भी नहीं होगी भारत-अमेरिका के बीच डील, आखिर क्या है वजह?

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। लंबे समय से अटकी भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर बड़ा अपडेट आया है। पहले दोनों के बीच इसी महीने यानी मार्च में डील साइन होनी थी। मगर अब ऐसा होता नहीं दिख रहा है। भारत और अमेरिका के बीच होने वाला व्यापार समझौते पर मार्च में दस्तखत होने थे, लेकिन अभी लग रहा है कि इस महीने यह समझौता नहीं हो पाएगा।

यह जानकारी भारत के वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने दी है। उनका कहना है कि अमेरिका पूरी दुनिया के लिए टैरिफ की प्रणाली विकसित करने की कोशिशें कर रहा है, इसके बाद ही इस पर दस्तखत करना ठीक रहेगा।वाणिज्य सचिव ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के अनुच्छेद 122 के मुताबिक इस समय दुनिया में केवल 10 फीसदी का टैरिफ ही लग रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ होने वाला व्यापार समझौता मौजूदा टैरिफ से उलट होगा। उन्होंने कहा कि समझौता पूरी तरह से तैयार है, ऐसा नहीं है कि इसे टाल दिया गया है या इस पर कोई विवाद है। उन्होंने कहा कि वार्ताकार अभी इस पर बातचीत कर रहे हैं।वाणिज्य सचिव ने कहा कि भारत ने इस समझौते पर अभी तक दस्तखत नहीं किए हैं। उनका कहना था कि भारत टैरिफ पर और स्पष्टता का इंतजार कर रहा है।

बिटकॉइन ने मारी ऊंची छलांग, 74000 के पार पहुंची कीमत, पाई नेटवर्क में भी तेजी

नई दिल्ली,16 मार्च(एजेंसियां)। पिछले 24 घंटे में क्रिप्टो बाजार में बड़ा उछाल आया है। वहीं बिटकॉइन समेत कई क्रिप्टोकरेंसी भी तेजी से बढ़ी हैं। सोमवार 2 बजे तक ग्लोबल मार्केट कैप पिछले 24 घंटे में करीब 3 फीसदी की तेजी के साथ 2.51 ट्रिलियन डॉलर पर कारोबार कर रहा था। 24 घंटे में बिटकॉइन में भी 2 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया और यह फिर से 74000 डॉलर के पार पहुंच गया। वहीं पाई नेटवर्क में भी तेजी आई है। दुनिया की सबसे महंगी क्रिप्टो बिटकॉइन ने भी रफ्तार पकड़ ली है। सोमवार को यह कारोबार के दौरान 74000 डॉलर के पार पहुंच गया था। हालांकि बाद में इसमें गिरावट आई। दोपहर 2 बजे बिटकॉइन 73,300 के करीब पर था। पिछले एक हफ्ते में बिटकॉइन में करीब 8 फीसदी की तेजी आई है।पिछले 24 घंटे में सिर्फ बिटकॉइन में ही नहीं, बल्कि दूसरी क्रिप्टो ने भी छलांग मारी है। इथेरियम 6 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 2241 डॉलर, रिपल 4 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 1.46 डॉलर पर कारोबार कर रही थी।

सोलाना में भी तेजी देखी गई। यह क्रिप्टो 5 फीसदी से ज्यादा उछलकर 92.92 डॉलर पर था। डॉगकॉइन में भी करीब 5 फीसदी का उछाल देखा गया। यह 0.1010 डॉलर पर था। बात अगर पाई नेटवर्क कॉइन की करें तो पिछले 24 घंटे में इसमें भी तेजी आई है। करीब 4 फीसदी की तेजी के साथ पाई नेटवर्क 0.1988 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। हालांकि पिछले एक हफ्ते में इसमें कुछ गिरावट दर्ज की गई है। 7 दिनों में पाई नेटवर्क कॉइन 6 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गया है। इसमें हालिया गिरावट का दौर 14 मार्च से शुरू हुआ। इससे पहले इसमें तेज उछाल आया था।

क्रिप्टो बाजार में तेजी के बाद भी कई क्रिप्टो ऐसी हैं जिनमें गिरावट आई। केंटन क्रिप्टो 24 घंटे में 2 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गई। इस गिरावट के साथ यह 0.1482 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। वहीं स्काई क्रिप्टो में 5 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। ट्रंप की क्रिप्टो में भी गिरावट रही। ऑफिशियल ट्रंप क्रिप्टो 24 घंटे में करीब 2 फीसदी फिसल गई। डिस्क्लेमरः क्रिप्टोकरेंसी में 24 घंटे कारोबार होता है।

ऐसे में इनकी कीमत पल-पल बदलती रहती है।

कुछ ही मिनटों में क्रिप्टोकरेंसी की कीमत काफी गिर जाती है और निवेशकों को बड़ा नुकसान हो जाता है। ऐसे में इसमें निवेश करने से पहले एक्सपर्ट की राय जरूर ले लें।

सोना 2 हजार गिरकर 1.56 लाख पर आया

चांदी दो दिन में 16 हजार सस्ती होकर 2.53 लाख पर आई, ईरान जंग का असर

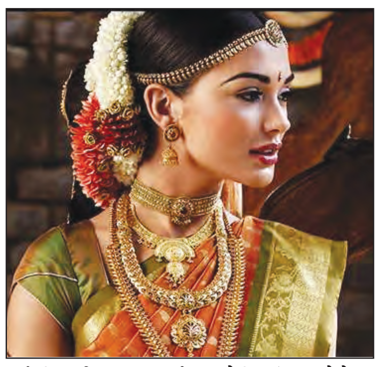

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। सोने-चांदी में आज लगातार दूसरे कारोबारी दिन गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,963 रुपए गिरकर 1.56 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले 13 मार्च को सोना 1.58 लाख रुपए प्रति 10g था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 7,695 रुपए घटकर 2.53 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.60 लाख रुपए किलो थी। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना दो कारोबारी दिन में 3,867 और चांदी 15,508 सस्ती हुई है। इससे पहले 12 मार्च को सोना 1.60 लाख और चांदी 2.68 लाख पर थी।

ऑल टाइम हाई से 1.33 लाख रुपए गिरी चांदी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 19,685 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक 46 दिन में चांदी 1.33 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 939 अंक चढ़ा, निफ्टी 23400 के पार

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। पिछले तीन कारोबारी दिनों में भारी गिरावट झेलने के बाद सोमवार को शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई, जिसका मुख्य कारण ब्लू-चिप बैंकिंग शेयरों में मूल्य-आधारित खरीदारी थी। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 938.93 अंक या 1.26 प्रतिशत बढ़कर 75,502.85 पर बंद हुआ।

दिन के दौरान इसने 75,805.27 का उच्च स्तर और 73,949.76 का निम्न स्तर छुआ। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 257.70 अंक या 1.11 प्रतिशत चढ़कर 23,408.80 पर बंद हुआ। रुपया 10 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर 92.40 पर बंद हुआ। सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में 4.22 प्रतिशत की तेजी आई।

ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एटर्नल, बजाज फाइनेंस, आईटीसी, टाटा स्टील और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, सन फार्मा, पावर ग्रिड और भारती एयरटेल प्रमुख पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं।जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि घरेलू स्तर पर केंद्रित क्षेत्रों जैसे ऑटो, बैंकिंग और एफएमसी में मूल्य खरीद के समर्थन से शेयर बाजार में सत्र के अंत में तेजी आई, जो हालिया बिकवाली के बाद एक राहत रैली थी। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में, निवेशकों की भावना होर्मुज जलडमरूमध्य में होने वाले घटनाक्रमों पर निर्भर करेगी, जहां आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों में किसी भी प्रकार की कमी से और अधिक समर्थन मिल सकता है। एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कोस्पी और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार ज्यादातर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

अमेरिकी बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड में 1.41 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 104.4 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार विनिमय आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 10,716.64 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 9,977.42 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। शुक्रवार को सेंसेक्स 1,470.50 अंक या 1.93 प्रतिशत गिरकर 74,563.92 पर बंद हुआ।

निफ्टी 488.05 अंक या 2.06 प्रतिशत गिरकर 23,151.10 पर बंद हुआ।

फोर्ब्स 2026- भारत में एक साल में 24 अरबपति बढ़े

अब 229, लक्ष्मी मित्तल रोज 274 करोड़ कमाकर देश के चौथे सबसे अमीर बने

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। फोर्ब्स वर्ल्ड्स बिलियनेयर्स 2026 लिस्ट के मुताबिक भारत में एक साल के अंदर 24 अरबपति बढ़े हैं। इनकी संख्या 2025 से बढ़कर 229 हो गई है। देश के चौथे सबसे अमीर लक्ष्मी मित्तल की संपत्ति में इस साल सबसे तेज उछाल देखा गया। उनकी कंपनी आर्सेलरमित्तल के शेयरों में 80% से ज्यादा की तेजी आने से उनकी कुल दौलत 31 अरब डॉलर, यानी 2.87 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। पिछले एक साल में उनकी संपत्ति में 20 अरब डॉलर, यानी 1.85 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। इस हिसाब से मित्तल ने सालभर हर दिन औसतन 274 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड कमाई की है। इस लिस्ट में फिजिक्सवाला के फाउंडर्स अलख पांडे और प्रतीक बूंब भी शामिल हो गए हैं। तीसरे नंबर पर ओपी जिंदल ग्रुप की चेयरपर्सन सावित्री जिंदल हैं। वे भारत की सबसे अमीर महिला बनी हुई हैं। लिस्ट में 20 भारतीय महिला अरबपति शामिल हैं। कोटक महिंद्रा बैंक के फाउंडर उदय कोटक इस साल टॉप-10 में शामिल हुए हैं। हाल ही में उन्हें पद्म भूषण मिला था। उनकी एंट्री से डीएलएफ के पीछे रहे प्रॉपर्टी डेवलपर कुशल पाल सिंह 12वें नंबर पर खिसक गए। एडटेक प्लेटफॉर्म फिजिक्सवाला के फाउंडर अलख पांडे और प्रतीक बूंब भी नए अरबपतियों में शामिल हैं। नवंबर में कंपनी के आईपीओ के बाद वे इस क्लब में आए। पेटीएम के फाउंडर विजय शेखर शर्मा तीन साल बाद फिर लिस्ट में लौटे हैं। पेटीएम के शेयर पिछले साल करीब 60% चढ़े, हालांकि यह अभी भी आईपीओ की करीब आधी प्राइस पर ट्रेड कर रहे हैं। फोर्ब्स इंडिया ने अपनी पहली रिच लिस्ट 2009 में लॉन्च की थी। ये लिस्ट फैमिली और इंडिविजुअल्स से मिली शेयरहोल्डिंग व फाइनेंशियल जानकारी, स्टॉक एक्सचेंज, एनालिस्ट्स और मार्केट डेटा के आधार पर तैयार की जाती है।

भारत: 2026 के टॉप-5 रईस की संपत्ति

रैंक	नाम	संपत्ति-26	संपत्ति-25	बदलाव
1	मुकेश अंबानी	9.23	9.72	-5.05%
2	गौतम अडाणी	5.91	8.52	-30.7%
3	सावित्री जिंदल	3.62	3.72	-2.7%
4	लक्ष्मी मित्तल	2.87	1.85	+55%
5	शिव नाडार	2.86	3.07	-6.93%

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति

सूर्य	मीन	मे
चंद्र	कुंभ	मे
मंगल	कुंभ	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मीन	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय

मीन....	06-19	बजे
मेष.....	07-56	बजे
वृष....	09-40	बजे
मिथुन..	11-41	बजे
कर्क...	13-53	बजे
सिंह---	16-05	बजे
कन्या--	18-12	बजे
तुला----	20-17	बजे
वृश्चिक..	22-27	बजे
धनु.....	00-40	बजे
मकर....	02-47	बजे
कुंभ....	04-37	बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-26
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 18 -22
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष मंगलवार 17 March 2026
तिथि - त्रयोदशी 09-23 तक उपरान्त चतुर्दशी
नक्षत्र - शतभिषा 06-08 रात तक उप पूर्वभाद्रपद
योग - सिद्ध 08-14 तक उप साध्य
करण - वणिज 09-23 तक उप विष्टी (भद्रा)

मास शिवरात्रि,रंग तेरस,पंचक

भद्राकाल - 09-23 से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 15-25 से 16-65 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया

रोग	06-26 - 07-54	अशुभ
उत्पात	07-54 - 09-24	अशुभ
चंचल	09-24 - 10-54	शुभ
लाभ	10-54 - 12-25	शुभ
अमृत	12-25 - 13-55	शुभ
काल	13-55 - 15-25	अशुभ
शुभ	15-25 - 16-55	शुभ
रोग	16-55 - 18-22	अशुभ

रात का चौघड़िया

काल	18-22 - 19-55	अशुभ
लाभ	19-55 - 21-25	शुभ
उत्पात	21-25 - 22-54	अशुभ
शुभ	22-54 - 00-24	शुभ
अमृत	00-24 - 01-54	शुभ
चंचल	01-54 - 03-24	शुभ
रोग	03-24 - 04-53	अशुभ
काल	04-53 - 06-26	अशुभ

इंफ्लेशन ने फिर दी आम लोगों को टेंशन! 11 महीने के हाई पर पहुंची थोक महंगाई

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। रिटेल महंगाई के बाद थोक महंगाई ने भी अपने तेवर दिखा दिए हैं। सोमवार को सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में थोक महंगाई फरवरी में 11 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इसका प्रमुख कारण मैन्युफैक्चर्ड सामान और कुछ प्राइमरी प्रोडक्ट्स की कीमतों में इजाफा होना है। जबकि फ्यूल की कीमतें अभी भी नेगेटिव दायरे में देखने को मिली। होलसेल प्राइस इंडेक्स पर आधारित महंगाई फरवरी में बढ़कर 2.13 फीसदी हो गई, जो जनवरी में 1.81 फीसदी और दिसंबर में 0.96% थी। यह पूरे अर्थव्यवस्था में कीमतों में बढ़ोतरी के दबाव के धीरे-धीरे बढ़ने का संकेत है। महंगाई की यह पॉजिटिव दर मुख्य रूप से अन्य मैन्युफैक्चरिंग, बेसिक धातुओं के निर्माण, नॉन-फूड प्रोडक्ट्स, फूड प्रोडक्ट्स और कपड़ों आदि की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण थी।

मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स में इजाफा

मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स-जिनका डब्ल्यूपीआई बास्केट में सबसे अधिक वेटेज होता है-फरवरी में थोक महंगाई में बढ़ोतरी के सबसे बड़े योगदानकर्ता रहे।

इस कैटेगिरी में महंगाई फरवरी में बढ़कर 2.92 फीसदी हो गई, जो जनवरी में 2.86 फीसदी और दिसंबर में 2.03 फीसदी से थोड़ी अधिक थी। खाद्य महंगाई फरवरी में बढ़कर 1.85 फीसदी हो गई, जबकि जनवरी में इसमें 1.41 फीसदी की बढ़ोतरी हुई थी।

प्राइमरी प्रोडक्ट्स में इजाफा

प्राइमरी प्रोडक्ट्स-जिनमें कृषि उत्पाद और खनिज शामिल हैं-में महंगाई सालाना आधार पर फरवरी में तेजी से बढ़कर 3.27 फीसदी हो गई, जो जनवरी में 2.21 फीसदी और दिसंबर में केवल 0.21 फीसदी थी।

सालाना बढ़ोतरी के बावजूद, इस श्रेणी में वास्तव में महीने-दर-महीने आधार पर 0.52 फीसदी की गिरावट देखी गई। यह गिरावट मुख्य रूप से खाद्य वस्तुओं (1.33 फीसदी की गिरावट) और खनिजों (1.21 फीसदी की गिरावट) की कीमतों में कमी के कारण हुई, हालांकि इस महीने के दौरान कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की कीमतों में 4.17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और नॉन-फूड प्रोडक्ट्स में 0.83 फीसदी की वृद्धि हुई।

फ्यूल और बिजली की कीमत

फ्यूल और बिजली की कीमतें, महीने-दर-महीने आधार पर थोड़ी रिकवरी के बावजूद, थोक महंगाई पर दबाव बनाए रहीं। इस कैटेगिरी में महंगाई फरवरी में नेगेटिव दायरे में यानी 3.78 फीसदी पर बनी रही, हालांकि यह गिरावट जनवरी के 4.01 फीसदी की तुलना में थोड़ी कम गंभीर थी। दिसंबर में, फ्यूल महंगाई 2.31% थी। हालांकि, महीने-दर-महीने आधार पर, फ्यूल और पॉवर इंडेक्स में 1.17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

बैंक खातों में जोड़ सकेंगे 4 नॉमिनी के नाम

अनक्लेम्ड डिपॉजिट घटाने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। देश के बैंकों में ऐसे पैसे की रकम लगातार बढ़ रही है जिन्हें सालों से किसी ने क्लेम नहीं किया। इन्हें अनक्लेम्ड डिपॉजिट कहा जाता है। सरकार ने संसद में बताया कि इनकी कुल राशि तेजी से बढ़ रही है। साथ ही सरकार और रिज़र्व बैंक इन पैसों को असली मालिकों तक पहुंचाने के लिए कई कदम भी उठा रहे हैं।

लोकसभा में वित्त मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, 31 मार्च 2024 तक बैंकों में अनक्लेम्ड डिपॉजिट की राशि करीब 60,610 करोड़ रुपये थी। यह रकम एक साल में बढ़कर 31 मार्च 2025 तक लगभग 74,580 करोड़ रुपये पहुंच गई। यानी सिर्फ एक साल में हजारों करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

सरकार के अनुसार, यदि कोई सेविंग या करंट अकाउंट 10 साल तक निष्क्रिय रहता है या कोई फिक्स्ड डिपॉजिट मैच्योर होने के 10 साल बाद भी क्लेम नहीं किया जाता, तो उसे अनक्लेम्ड डिपॉजिट माना जाता है। इसके बाद यह रकम बैंकों से ट्रांसफर होकर रिज़र्व बैंक के डिपॉजिटर एजुकेशन एंड अवेयरनेस फंड में जमा कर दी जाती है।

आंकड़ों के मुताबिक, इन अनक्लेम्ड पैसों में सबसे बड़ा हिस्सा पब्लिक सेक्टर बैंकों का है। 2024 में इनकी हिस्सेदारी करीब 74.47% थी और 2025 में यह करीब 74.18% रही। यानी बिना क्लेम वाली रकम का बड़ा हिस्सा सरकारी बैंकों में ही जमा है।

वित्त मंत्रालय ने बताया कि अनक्लेम्ड डिपॉजिट को असली मालिकों तक पहुंचाने के लिए कई पहल शुरू की गई हैं। सितंबर 2025 में आरबीआई ने मृत खाताधारकों के खातों के निपटान की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए। अक्टूबर 2025 से आरबीआई ने एक इंसेंटिव स्कीम शुरू की। इसके तहत यदि कोई बैंक अनक्लेम्ड डिपॉजिट का सफल निपटान करता है तो उसे उस रकम का 5% से 7.5% तक प्रोत्साहन दिया जाता है। सरकार ने बैंकों को निर्देश दिए हैं कि वे ऐसे खातों के असली मालिकों, नॉमिनी या कानूनी वारिसों का पता लगाने के लिए समय-समय पर विशेष अभियान चलाएं। इसके अलावा वेबसाइट पर अनक्लेम्ड खातों की सूची हर महीने अपडेट करना, खाताधारकों से ईमेल, एसएमएस या पत्र के जरिए संपर्क करना, हर तिमाही ग्राहकों को जानकारी देना शामिल है।जागरूकता बढ़ाने के लिए सरकार ने अक्टूबर से दिसंबर 2025 के बीच देशभर में आपकी पूंजी, आपका अधिकार अभियान भी चलाया। इसका असर भी देखने को मिला है। 28 फरवरी 2026 तक करीब 5,777 करोड़ रुपये की अनक्लेम्ड राशि असली मालिकों को वापस दिलाई जा चुकी है। भविष्य में अनक्लेम्ड डिपॉजिट की समस्या कम करने के लिए बैंकिंग नियम (संशोधन) अधिनियम 2025 में भी बदलाव किया गया है। अब बैंक खातों में एक की जगह अधिकतम चार नॉमिनी जोड़ने की सुविधा दी गई है, जिससे भविष्य में पैसे बिना दावे के पड़े रहने की संभावना कम होगी।

एक खबर और आईडीबीआई बैंक के शेयरों में आया भूचाल, निवेशक हुए कंगाल

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। सरकार द्वारा आईडीबीआई बैंक के विनिवेश (डिसइन्वेस्टमेंट) की प्रक्रिया रोकने की खबर के बाद सोमवार को बैंक के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली। दिन के कारोबार में आईडीबीआई बैंक का शेयर करीब 15% टूट गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार इस बैंक की बिक्री प्रक्रिया को फिलहाल रोकने और पहले से आए बिड्स (बोलियों) को रद्द करने पर विचार कर रही है। बताया जा रहा है कि संभावित खरीदारों की वित्तीय बोलियां सरकार द्वारा तय किए गए न्यूनतम मूल्य (फ्लोर प्राइस) से कम आई हैं। सूत्रों के अनुसार अगर सरकार आगे भी बिक्री प्रक्रिया जारी रखना चाहती है, तो उसे बोली प्रक्रिया फिर से शुरू करनी पड़ सकती है।

सरकार द्वारा आईडीबीआई बैंक के विनिवेश (डिसइन्वेस्टमेंट) की प्रक्रिया रोकने की खबर के बाद सोमवार को बैंक के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली। दिन के कारोबार में आईडीबीआई बैंक का शेयर करीब 15% टूट गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार इस बैंक की बिक्री प्रक्रिया को फिलहाल रोकने और पहले से आए बिड्स (बोलियों) को रद्द करने पर विचार कर रही है। बताया जा रहा है कि संभावित खरीदारों की वित्तीय बोलियां सरकार द्वारा तय किए गए न्यूनतम मूल्य (फ्लोर प्राइस) से कम आई हैं। सूत्रों के अनुसार अगर सरकार आगे भी बिक्री प्रक्रिया जारी रखना चाहती है, तो उसे बोली प्रक्रिया फिर से शुरू करनी पड़ सकती है।सरकार ने संभावित खरीदारों के नाम आधिकारिक रूप से नहीं बताए, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स और अमीरात एनबीडी ने वित्तीय बोलियां जमा की थीं। वहीं कोटक महिंद्रा बैंक ने फरवरी में साफ कर दिया था कि उसने आईडीबीआई बैंक के विनिवेश के लिए कोई वित्तीय बोली नहीं लगाई है। अगर आईडीबीआई बैंक में 30.48% हिस्सेदारी की बिक्री होती, तो शुक्रवार के क्लोजिंग प्राइस के हिसाब से सरकार को करीब 30,215 करोड़ रुपये मिल सकते थे। सरकार लंबे समय से निजीकरण और एसेट मोनेटाइजेशन योजना के तहत आईडीबीआई बैंक में अपनी हिस्सेदारी घटाने की कोशिश कर रही है। बैंकिंग सेक्टर में यह रणनीतिक बिक्री एक अहम टेस्ट केस भी मानी जा रही है।अगर आईडीबीआई बैंक की बिक्री पूरी तरह रद्द होती है, तो सरकार के लिए वित्त वर्ष 2027 के 80,000 करोड़ रुपये के विनिवेश और एसेट मोनेटाइजेशन लक्ष्य को हासिल करना मुश्किल हो सकता है।इन खबरों के बाद आईडीबीआई बैंक का शेयर एनएसई पर करीब 15% गिरकर 78.42 रुपये तक आ गया। यह अपने 52 हफ्ते के निचले स्तर 71.90 रुपये के काफी करीब पहुंच गया, जो पिछले साल मार्च में दर्ज हुआ था।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आज आप जिद्दीपन के प्रति अपना स्वाभाविक झुकाव महसूस करेंगे । लेकिन जब आपको यह अनुभव होगा की ऐसा करना आपके हित में नही है तो आप पछतावा भी महसूस करेंगे । अच्छे से स्थिति समझें,आकस्मिक भावनाओं के बहाव में बहने के स्थान पर स्पष्ट सोच से काम लें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें । इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे । दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें । तर्कशक्ति से काम लें । अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें । निवेश के लिए अच्छा दिन है । अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें । आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है । बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें । अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है । दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे । अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें । सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपके परिवारवालों को नजदीकी संबंधियों से होने वाली परेशानी के कारण आपको भी प्रतिबंधों का सामना करना होगा । ये लम्बे समय तक नही रहेंगे लेकिन आपको काफी प्रभावित करेंगे,इसीलिए इनके प्रभाव से बचने की कोशिश करें । आज आप कोई घरेलू उपयोग का उपकरण खरीदेंगे ,या घर की नियमित साफ़-सफाई के चलते कम उपयोगी सामान को बेच देंगें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप खुद की जरुरत से अधिक आलोचना करने के मूड में हैं । आपको भी पता है कि आपकी अधिकतर चिंताएं निरर्थक हैं,फिर भी आप चिंता करते रहते हैं । इसका एकमात्र समाधान यह है कि अपने किसी ऐसे करीबी से सा अपनी चिंताओं के बारे में बात करें जो आपको सहारा दे सके ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी । इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे । आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे । दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय ,स्थान ,पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे । लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे ,लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें । अपने बच्चों पर भी ध्यान दें,उन्हें कोई संकर्मण हो सकता है । घर पर रहें और घर का स्वच्छ भोजन करें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। बैठने की गलत मुद्रा के कारण आपको आज गर्दन तथा कमर दर्द की शिकायत हो सकती है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे । आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं । परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा । शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी । दिन बाधारहित गुजरेगा । यात्रा कर सकते हैं ,सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है । दूसरे विकल्प खुले रखें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज चलते हुए सावधान रहें । हलकी खरोचें आ सकती हैं । न चाहते हुए भी आप किसी करीबी को बातों-बातों में नाराज कर सकते हैं । आज केवल अपने काम से ही मतलब रखना उपयुक्त रहेगा । सिनेमा या किसी और मनोरंजक कार्यकलाप में समय बिता सकते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आलस के कारण अपने दिन को बिगड़ने न दें । अपनी प्राक्रतिक रचनात्मक ऊर्जा को बाहर निकालें और फिर आपका दिन आराम से अच्छा जायेगा । आपको अपने स्वास्थ्य और अपने निजी जीवन में भी व्यवस्था को बहल करने की आवश्यकता है । विकर्षित करने वाली चीजों पर ध्यान ना दें और वही कार्य पूरी एकाग्रता से करें जो आपके लिए लाभकारी हों ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

फिर भड़की आरक्षण की आग

विजय बैंसला ने सीएम भजनलाल को लिखी चिट्ठी

क्या बदलेगा टीएसपी क्षेत्रों का गणित?

करौली, 16 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर प्रदेश के टीएसपी क्षेत्रों में रहने वाले एमबीसी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्गों के लिए आरक्षण की मांग उठाई है।

समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला ने इस मामले में 'संवैधानिक अधिकारों के हनन' का हवाला देते हुए तुरंत हस्तक्षेप की अपील की है। विजय बैंसला द्वारा प्रेषित पत्र में जोर दिया गया है कि वर्तमान आरक्षण नीति के कारण टीएसपी क्षेत्रों में रहने वाले इन वर्गों के युवा सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में अपने अधिकारों से वंचित हो रहे हैं।

पत्र में संविधान के अनुच्छेद-15 और 16 का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि राज्य किसी भी नागरिक के साथ उसके जन्म स्थान या निवास के आधार पर भेदभाव नहीं कर सकता। समिति का तर्क है कि मौजूदा नीति के चलते एक ही राज्य के भीतर दो अलग-अलग सामाजिक स्थितियां बन गई हैं, जो समानता के अधिकार के विरुद्ध है।

इस व्यवस्था के कारण टीएसपी क्षेत्र के एमबीसी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस युवाओं को अनारक्षित श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है, जिससे उन्हें वह लाभ नहीं मिल पाता, जो राज्य के अन्य हिस्सों में रहने वाले उन्हीं के वर्ग के युवाओं को मिलता है।

क्षेत्रीय असमानता दूर करने की मांग

समिति ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि टीएसपी क्षेत्र की आगामी सभी भर्तियों और शिक्षण संस्थानों के प्रवेश में गैर-टीएसपी क्षेत्रों की तर्ज पर ही आरक्षण लागू किया जाए। बैंसला ने उम्मीद जताई है कि सरकार इस लंबे समय से चली आ रही विसंगति को दूर करेगी ताकि किसी भी युवा को केवल उसके निवास स्थान के आधार पर संवैधानिक लाभों से वंचित न रहना पड़े।

समिति का मानना है कि यदि सरकार इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाती है, तो यह संविधान की मूल भावना समानता के अनुरूप होगा और हजारों युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो सकेगा।

निकाय चुनाव के बहिष्कार का एलान

कृपया इस रोड पर वोट मांगने नहीं आएं

अनोखा विरोध बना चर्चा का विषय

बूंदी, 16 मार्च (एजेंसियां)। बूंदी शहर के गुरुनानक कॉलोनी के लोगों में सड़क नहीं बनने से रोष व्याप्त है। ऐसे में कॉलोनी के लोगों ने कृपया इस रोड पर वोट मांगने नहीं आए.. रोड नहीं तो वोट नहीं का बैनर लगाकर प्रशासन और जन प्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित किया है। लोगों का कहना है कि लंबे समय से कॉलोनी के लोग सड़क निर्माण की मांग कर रहे है, लेकिन अब तक सड़क का निर्माण नहीं कराया गया। कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। ऐसे में क्षेत्र के लोगों ने आगामी निकाय चुनाव के बहिष्कार का एलान कर सभी को चौंका दिया।

इधर,जैसे सड़क पर टंगे बैनर का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, दिनभर आम से लेकर खास में चर्चा का विषय

बना रहा है। लोगों का कहना है कि शहर के हाल बेहाल है। विकास तो दूर की बात है अब तक सड़क तक नहीं बन पा रही है। तो वह अपने मताधिकार का उपयोग क्यों करें। जबकि शहर की सबसे चौड़ी सड़क है।

सड़क के टेंडर हो चुके, लेकिन काम शुरू नहीं

क्षेत्र के सर्वदमन शर्मा, रमेशचंद विजय, भगवत सिंह राजावत, तेजमल नायक, मोहम्मद सलीम, जगदीश त्रिपाठी व दिनेश दाधीच ने बताया कि गुरुनानक कॉलोनी विकास नगर जाने का मुख्य रास्ता है, जिसके सड़क की चौड़ाई करीब 80 फीट है। यह सड़क लंकागेट जाने वाली सड़क को जोड़ती है। सड़क निर्माण के लिए नगर परिषद में पूर्व सभापति व हाल ही में भाजपा शासन में भी निवर्तमान सभापति से मिलकर मांग कर चुके है। जबकि सड़क के टेंडर हो चुके, दीपावली के समय वर्क ऑर्डर जारी कर दिया गया, लेकिन जिम्मेदारों द्वारा सही जवाब नहीं देने से लोगों में रोष व्याप्त बढ़ता जा रहा है।

18-20 साल पहले बनी थी सड़क

लोगों का कहना है कि 18-20 साल पहले सड़क बनी थी, उसके बाद आज तक सड़क नहीं बनी। जबकि सीवरेज लाइन भी निकल चुकी है। पूरी सड़क क्षतिग्रस्त है। आए दिन वाहन चालक के साथ पैदल राहगीर चोटिल हो रहे है, लेकिन अब क्षेत्र के लोगों ने आगामी चुनाव बहिष्कार करने का निर्णय लिया है।

ईरान-इजराइल युद्ध का राजस्थान पर बड़ा असर

बूंदी का बासमती चावल बंदरगाहों पर फंसा, व्यापारी-मजदूर परेशान

बूंदी, 16 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे युद्ध का असर अब क्षेत्र के राजस्थान के चावल कारोबार पर पड़ा है। मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष ने बूंदी के चावल उद्योग को बुरी तरह प्रभावित किया है। लगभग 3,75,000 क्विंटल बासमती चावल, जिसकी कीमत 350 करोड़ रुपए से अधिक है, बंदरगाहों और गोदामों में फंसा हुआ है।

बूंदी-कोटा की लगभग 35 चावल फैक्ट्रियों में काम करने वाले लगभग 10,000 श्रमिकों पर बेरोजगारी का खतरा मंडरा रहा है, जिनमें से 60 फीसदी बिहार से हैं। भंडारण स्थान की कमी के कारण मालिक उत्पादन बंद करने पर विचार कर रहे हैं।

बूंदी राइस मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष नीरज गोयल ने बताया कि बूंदी का बासमती चावल ईरान, इराक, यूएई, सूडान, तुर्की, जॉर्डन, अल्जीरिया, कुवैत और

कुछ यूरोपीय देशों को निर्यात किया जाता है। उन्होंने कहा कि निर्यातकों को भी बकाया भुगतान नहीं मिल पा रहा है। केवल कुछ बड़े खरीदारों ने ही थोड़ी-बहुत रकम जारी की है।

80 फीसदी हिस्सा संयुक्त अरब अमीरात, ईरान, इराक को होता है निर्यात

बूंदी जिले के लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष रमनदीप शर्मा ने बताया कि बूंदी और कोटा में प्रतिदिन कम से कम 25,000 क्विंटल चावल प्रसंस्कृत होता है, जिसका 80 फीसदी हिस्सा संयुक्त अरब अमीरात, ईरान और इराक को निर्यात किया जाता है।

उन्होंने आगे बताया कि युद्ध शुरू होने के समय चावल का बाजार भाव 80 रुपए प्रति किलो था और युद्ध के कारण लगभग 3,75,000 क्विंटल चावल का निर्यात रुक गया।

इंश्योरेंस कंपनियों ने भी किया किनारा

बंदरगाहों से खाड़ी देशों में चावल ले जाने वाले जहाजों का पहले बीमा कराया जाता था, ताकि माल सुरक्षित गंतव्य तक पहुंच सके। लेकिन युद्ध की स्थिति बनने के बाद बीमा कंपनियों ने मालवाहक जहाजों का बीमा करने से हाथ खड़े कर दिए है। इसके कारण कई जहाज गुजरात के बंदरगाहों पर खड़े हुए है और माल की ढुलाई ठप हो गई है।

राइस मिलों में तैयार होने वाला चावल एक्सपोर्टर खरीदकर विदेश भेजते थे, लेकिन वर्तमान हालात में एक्सपोर्टर भी खरीद से बच रहे हैं। ऐसे में मिल संचालकों और व्यापारियों को तैयार माल का स्टॉक रखना पड़ रहा है।

परिवहन शुल्क में 10 गुना से अधिक की वृद्धि

रमनदीप शर्मा ने कहा कि शिपिंग कंपनियों द्वारा वसूले जाने वाले परिवहन शुल्क में 10 गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। शर्मा ने राज्य सरकार से क्षेत्र में काम करने वाले चावल मिल मालिकों और मजदूरों के लिए विशेष रियायतें प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार को युद्ध जैसी परिस्थितियों में प्रभावित उद्योगों के लिए एक पैकेज या विशेष पोर्टफोलियो तैयार करना चाहिए, जैसा कि कोविड-19 के दौरान किया गया था। एक अन्य चावल मिल मालिक ने बताया कि बूंदी का चावल उद्योग लगभग 4,000 करोड़ रुपए के वार्षिक कारोबार पर फलता-फूलता है। बूंदी, कोटा और बारां में सालाना 15 लाख टन बासमती चावल का उत्पादन होता है।

चावल मिलों ने उत्पादन कम किया

चावल मिल के एक ठेकेदार ने बताया कि शहर की कुछ चावल मिलों ने उत्पादन कम कर दिया है और मरम्मत का काम शुरू कर दिया है। हालांकि, अभी तक किसी भी मजदूर को काम बंद करने के लिए नहीं कहा गया है।

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में पोस्टर फाड़ने का मामला

एनएसयूआई जिलाध्यक्ष बबलू सोलंकी गिरफ्तार

जोधपुर, 16 मार्च (एजेंसियां)। जोधपुर के जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में लगी 'भारत की विश्व विरासत : राजस्थान' विषयक प्रदर्शनी के पोस्टर फाड़ने और तोड़फोड़ करने के मामले में रातानाडा थाना पुलिस ने एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष बबलू सोलंकी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में अन्य आरोपियों की तलाश भी शुरू कर दी है।

एडीसीपी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी की ओर से सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और प्रदर्शनी के पोस्टर फाड़ने को लेकर रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। रिपोर्ट में तीन लोगों को आरोपी बनाया गया है, जिनमें से एक आरोपी बबलू सोलंकी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार अन्य आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है।

'भारत की विश्व विरासत : राजस्थान' विषय पर यह प्रदर्शनी शनिवार से विश्वविद्यालय परिसर

में शुरू हुई थी। शनिवार रात को एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर लगाए गए पोस्टरों को लेकर आपत्ति जताई। उनका आरोप था कि पोस्टरों के कारण विश्वविद्यालय का नाम पीछे छिप गया है। इसी बात को लेकर जिलाध्यक्ष बबलू सोलंकी, एमएल चौधरी सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने रात में पोस्टर फाड़ दिए और कुछ स्थानों पर तोड़फोड़ भी की।

बताया जा रहा है कि इस पूरी घटना के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर भी साझा किए गए, जिसके बाद मामला और चर्चा में आ गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। एसीपी मंगलेश चुंडावत ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई और पुलिस ने बबलू सोलंकी को गिरफ्तार कर लिया।

बबलू सोलंकी की गिरफ्तारी की सूचना मिलने के बाद एनएसयूआई कार्यकर्ता बड़ी संख्या में रातानाडा थाने के बाहर पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और पुलिस अधिकारियों से बहस भी हुई। बबलू सोलंकी का कहना है कि उन्होंने विश्वविद्यालय के सम्मान के लिए यह कदम उठाया है। वहीं केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इस घटना की आलोचना करते हुए इसे शर्मनाक और निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की तोड़फोड़ हमारी सांस्कृतिक विरासत और इतिहास का अपमान है।

नौकरी के नाम पर ठगी: पहले 15 लाख लिए, फिर 5 दिन की झूठी ट्रेनिंग भी करवाई, बाद में 7 लाख और मांगे

जयपुर, 16 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर दो भाइयों से लाखों रुपए ठगने का मामला सामने आया है। आरोप है कि परिचित व्यक्ति ने नगर निगम में नौकरी दिलाने और RAS अटेंडर बनाने का लालच देकर परिवार से करीब 22 लाख रुपए ले लिए। आरोपित ने दोनों भाइयों को अच्छी सैलरी और पक्की सरकारी नौकरी का भरोसा दिलाया था।

पीड़ित परिवार ने बताया कि आरोपी ने मार्च 2023 में घर आकर नौकरी लगवाने की बात कही थी। उसने दावा किया कि उसकी अधिकारियों से अच्छी पहचान है और वह आसानी से सरकारी नौकरी लगवा सकता है। भरोसा होने पर परिवार ने रिश्तेदारों से पैसे उधार लेकर करीब 15 लाख रुपए आरोपी को दे दिए।

आरोपी ने भरोसा दिलाने के लिए युवकों को अलवर में 5 दिन की ट्रेनिंग पर भी भेज दिया। इस दौरान रहने और खाने के खर्च के नाम पर करीब 5 हजार रुपए भी ले लिए गए। ट्रेनिंग के बाद आरोपी लगातार नौकरी लगने का भरोसा देता रहा और समय मांगता रहा।

काफी समय बीतने के बाद भी नौकरी नहीं लगी तो परिवार ने दबाव बनाया। इस पर आरोपी ने कहा कि जिन अधिकारियों से बात हुई थी उनका ट्रांसफर हो गया है और काम कराने के लिए 7 लाख रुपए और देने होंगे। परिवार ने उसकी बातों में आकर यह रकम भी दे दी।

लगातार टालमटोल के बाद जब नौकरी नहीं लगी और पैसे भी वापस नहीं मिले तो परिवार को धोखाधड़ी का शक हुआ। इसके बाद पीड़ित युवक के बड़े भाई ने जामडोली थाने में आरोपी परिचित के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

'मुझे मारते थे, अपमानित करते थे': जैसलमेर के एमबीबीएस छात्र के सुसाइड नोट से मचा हड़कंप, पांच गिरफ्तार

जैसलमेर, 16 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के जैसलमेर निवासी एमबीबीएस अंतिम वर्ष के छात्र रतनकुमार मेघवाल ने राजकोट में ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। 17 पन्नों के सुसाइड नोट में पांच सहपाठियों पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना के आरोप लगाए गए, सभी आरोपी गिरफ्तार। राजस्थान के जैसलमेर जिले से जुड़े एक होनहार मेडिकल छात्र की आत्महत्या के मामले ने देशभर में मेडिकल संस्थानों में छात्रों पर पड़ने वाले मानसिक दबाव और उत्पीड़न को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जैसलमेर जिले के फलसूंड गांव निवासी MBBS अंतिम वर्ष के छात्र रतनकुमार मेघवाल ने गुजरात के राजकोट में ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी। इस घटना के बाद पुलिस जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। 14 मार्च 2026 की तड़के करीब 4 बजे रतनकुमार मेघवाल राजकोट के जामनगर रोड स्थित घन्टेश्वर इलाके के पास रेलवे ट्रैक पर पहुंचे और ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल से पुलिस को रतनकुमार का बैग मिला जिसमें एक नोटबुक बरामद हुई। इसी नोटबुक में हिंदी और अंग्रेजी में लिखा हुआ 17 पन्नों का सुसाइड नोट मिला, जिसने पूरे मामले को नया मोड़ दे दिया।

पुलिस के अनुसार सुसाइड नोट में रतनकुमार ने अपने साथ पढ़ने वाले पांच सहपाठियों पर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। नोट में लिखा गया है कि जनवरी 2026 से कुछ छात्र उस पर एक महिला मित्र के साथ संबंध होने का शक कर रहे थे। इसी वजह से वे उसे लगातार परेशान कर रहे थे, मारपीट करते थे और मानसिक दबाव बना रहे थे।

रतनकुमार ने अपने नोट में लिखा कि उसे बार-बार धमकाया गया और अपमानित किया गया, जिससे वह गहरे मानसिक तनाव में चला गया। उसने इस नोट को अंतिम बयान मानने की अपील करते हुए पांच छात्रों को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया है। सुसाइड नोट में जिन छात्रों के नाम लिखे गए हैं उनमें प्राणव पालीवाल, अस्मित शर्मा और युवराज चौधरी (तीनों राजस्थान निवासी), निर्विघ्नम यादव (हरियाणा निवासी) और आयुष यादव (भरूच, गुजरात निवासी) शामिल हैं। मामले में मृतक छात्र के पिता मोहनलाल मेघवाल ने राजकोट के गांधीग्राम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। बाद में कोर्ट में पेश कर उन्हें पुलिस रिमांड पर लिया गया है ताकि पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा सके। राजकोट एससी-एसटी सेल के एसीपी चिंतन पटेल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सुसाइड नोट में लगाए गए आरोपों के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि रतनकुमार और आरोपियों के बीच एक महिला सहपाठी को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई थी। उक्त महिला छात्रा से रतनकुमार और आरोपी छात्र व्हॉट्सऐप के माध्यम से बातचीत करते थे।

पुलिस जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि रतनकुमार इससे पहले भी दो बार आत्महत्या का प्रयास कर चुका था। 28 जनवरी 2026 को वह एआईआईएसए हॉस्टल छोड़कर रेलवे ट्रैक तक पहुंच गया था, जहां वह आत्महत्या करने की कोशिश कर रहा था।

अजमेर, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर में स्लीपर सेल तैयार! आतंकी भट्टी का राजस्थान कनेक्शन

हनुमानगढ़, 16 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान की शांत फिजाओं में जहर घोलने की एक बड़ी आतंकी साजिश का पर्दाफाश हुआ है। पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी ने राजस्थान के हनुमानगढ़, अजमेर और श्रीगंगानगर में अपना 'स्लीपर सेल' नेटवर्क खड़ा कर लिया था। जांच में खुलासा हुआ है कि 27 फरवरी को आतंकी जंगबीर अंबाला से एक आईईडी लेकर हनुमानगढ़ पहुंचा था और जंक्शन के पास उसे छिपा भी दिया था।

गिरफ्तार आतंकियों के मोबाइल से चौंकाने वाली जानकारियां मिली है। पाकिस्तानी हैंडलर शहजाद भट्टी इन गुर्गों को किसी शहर या जगह का नाम नहीं बताता था, बल्कि सीधे 'गूगल मैप लोकेशन' भेजता था। आरोपी सिर्फ उस पिन को फॉलो करते थे। ऐसा इसलिए किया गया ताकि पकड़े जाने पर भी स्लीपर सेल के सदस्यों को पूरे प्लान या टारगेट की भनक न रहे। 27 फरवरी को हनुमानगढ़ में आईईडी रखने के बाद जंगबीर उसे वापस इसलिए ले गया क्योंकि उसे वहां आरडीएक्स की खेप नहीं मिल पाई थी।

एडीजी एटीएस एमएन दिनेश के अनुसार, आतंकी भट्टी 'सिग्नल ऐप' और वॉट्सऐप कॉलिंग के जरिए संपर्क में था। आतंकियों के बैंक खातों की जांच में सामने आया है कि भट्टी ने कई बार पैसे ट्रांसफर किए थे। इन पैसों का इस्तेमाल पंजाब के पुलिस थानों की रेकी और राजस्थान में आने-जाने के लिए किया गया। यह पैसा 'हवाला' के जरिए भारत पहुंचाया जा रहा था, जिसके तार अब खंगाले जा रहे हैं।

अंबाला में आरडीएक्स के साथ पकड़े गए अजमेर के बुक्क अली अकबर से पूछताछ में हनुमानगढ़ के संदिग्ध युवकों के नाम सामने आए हैं। एटीएस की टीमें फिलहाल अंबाला में डेरा डाले हुए हैं और उन 'लोकेशन' की जांच कर रही हैं जहां आतंकियों ने रेकी की थी।

'पांच शादियों से सुधरेगी किस्मत': तांत्रिकों के बहकावे में पति ने तीसरी पत्नी को घर से निकाला, केस दर्ज

भीलवाड़ा, 16 मार्च (एजेंसियां)। समाज में अंधविश्वास और तांत्रिकों के प्रभाव के कारण पारिवारिक रिश्तों के टूटने के मामले आज भी सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला भीलवाड़ा जिले के आसींद कस्बे में सामने आया है, जहां एक युवक ने तांत्रिकों के बहकावे में आकर अपनी तीसरी पत्नी को कथित रूप से प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया। पीड़ित महिला की शिकायत पर आसींद थाने में पति सहित ससुराल पक्ष के पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता अपने पिता के साथ पुलिस से न्याय और कार्रवाई की मांग कर रही है।

आसींद कस्बे के एक संभ्रांत परिवार से जुड़े युवक दिलखुश बुरड़ की पहले ही दो शादियां हो चुकी थीं। इसके बाद उसने लाडपुरा निवासी पायल जैन से 17 नवंबर 2024 को तीसरी शादी की थी। विवाह समारोह लाडपुरा में आयोजित किया गया था। शुरुआती दिनों में पति-पत्नी के बीच संबंध सामान्य रहे, लेकिन कुछ समय बाद युवक तांत्रिकों के संपर्क में आ गया, जिसके बाद उसके व्यवहार में बदलाव आने लगा।

ट्रक हादसे में पैर कटने का दावा निकला फर्जी

20.50 लाख का बीमा क्लेम कोर्ट ने किया खारिज

दौसा, 16 मार्च (एजेंसियां)। न्यायालय में ट्रक हादसे में पैर कटने का हवाला देकर करीब 20.50 लाख रुपये के बीमा क्लेम की मांग करने का मामला आखिरकार अदालत में टिक नहीं पाया। लेबर कोर्ट-1 जयपुर एवं कर्मचारी क्षतिपूर्ति आयुक्त दौसा ने जांच में फर्जीवाड़ा सामने आने पर याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने माना कि दुर्घटना से जुड़े दस्तावेज, नौकरी का प्रमाण और अन्य जरूरी सबूत पेश नहीं किए गए। साथ ही दुर्घटना की रिपोर्ट भी काफी देर से दर्ज कराई गई थी। इसे न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग मानते हुए कोर्ट ने याचिकाकर्ता पक्ष और ट्रक मालिक पर 1 लाख रुपये का विशेष हर्जाना लगाया है, जिसे आर्मी वेलफेयर युद्ध हताहत कल्याण फंड में जमा करना होगा। दौसा के अयोध्या नगर निवासी अजय सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम के तहत लेबर कोर्ट में क्लेम याचिका दायर की थी।

एएसआई को बंधक बनाकर पीटा, साइबर ठगों के घर से संदिग्ध मांस भी बरामद, अब होगा पुलिस का एक्शन

अलवर, 16 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान का मेवात इलाका एक बार फिर पुलिस और अपराधियों के बीच 'जंग का मैदान' बन गया है। अलवर के गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र के सेमला खुर्द गांव में साइबर ठगों को पकड़ने गई डीग पुलिस की टीम पर ग्रामीणों और आरोपियों के परिजनों ने जानलेवा हमला कर दिया। स्थिति इतनी भयावह हो गई कि उपद्रवियों ने एक एएसआई को बंधक बनाकर उनके सिर पर गंभीर चोटें पहुंचाईं। वहीं, इस हंगामे की आड़ में पकड़े गए मुख्य आरोपी पुलिस की गिरफ्त से दीवार फांदकर फरार हो गए।

नगर थाने के एएसआई रामनिवास अपनी टीम के साथ सिविल ड्रेस में वांछित अपराधी तस्लीम और साबिर को दबोचने सेमला खुर्द पहुंचे थे।

हमले के बाद जब पुलिस ने उस घर की तलाशी ली जहां टीम पर हमला हुआ था, तो वहां से 35 किलो संदिग्ध मांस बरामद हुआ। पुलिस ने मांस को कब्जे में लेकर सोमवार को लैब जांच के लिए भेजने का निर्णय लिया है। पुलिस ने इस मामले में 9 नामजद सहित 20 से 25 लोगों के खिलाफ राजकार्य में बाधा, जानलेवा हमला, आरोपियों को भगाने और मोबाइल लूटने का मामला दर्ज किया है।

नई एसओपी से जांच प्रक्रिया तेज और व्यवस्थित होगी : शिखा गोयल

टीजीसीएसबी ने नई एंटी-पायरेसी एसओपी का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी) ने फिल्म पाइरेसी (अवैध फिल्म नकल और वितरण) को रोकने के प्रयासों को और प्रभावी बनाने के लिए नई एंटी-पायरेसी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और थिएटर डिस्क्लेमर का शुभारंभ किया। टीजीसीएसबी ने टीएफसीसी (तेलुगु फिल्म चैम्बर ऑफ कॉमर्स) के सहयोग से 5 जनवरी 2026 को एंटी-पायरेसी यूनिट की स्थापना की थी। इस यूनिट के अंतर्गत अब थिएटरों में फिल्मों के प्रदर्शन से पहले नया डिस्क्लेमर दिखाया जाएगा, ताकि दर्शकों को फिल्म पाइरेसी और थिएटर में अवैध रिकॉर्डिंग करने के कानूनी परिणामों के बारे में जागरूक किया जा सके। नई एसओपी का उद्देश्य पाइरेसी मामलों की तत्काल और व्यवस्थित जांच, डिजिटल साक्ष्यों का संग्रह और पाइरेसी नेटवर्क पर समन्वित कार्रवाई को सुनिश्चित करना है। एसओपी में कॉपीराइट कानून, सिनेमा अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी कानून के तहत एफआईआर दर्ज करना, फॉरेंसिक जांच, थिएटर और डिजिटल सेवा प्रदाताओं के समन्वय, डिजिटल साक्ष्यों का संरक्षण और उल्लंघन करने वाली वेबसाइटों को ब्लॉक करने जैसी प्रक्रियाओं का समावेश किया गया है। इस अवसर पर टीजीसीएसबी की निदेशक शिखा गोयल और टीएफसीसी अध्यक्ष दग्गुबाती सुरेश बाबू ने कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि नई एसओपी और डिस्क्लेमर से पाइरेसी रोकने में तेजी आएगी और दर्शकों में जागरूकता बढ़ेगी।

प्रतिनिधियों ने फिल्म पाइरेसी के फिल्म उद्योग पर गंभीर आर्थिक प्रभाव पर चर्चा की। अनुमान के अनुसार, केवल तेलुगु फिल्म उद्योग को हर वर्ष लगभग 3,700 करोड़ रुपये का नुकसान होता है, जबकि पूरे भारतीय फिल्म उद्योग को पाइरेसी के कारण 22,400 करोड़ रुपये से अधिक का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। डिस्क्लेमर में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि फिल्म की अवैध रिकॉर्डिंग या वितरण एक अपराध है, जिसके लिए अधिकतम तीन वर्ष की जेल या 3 लाख तक का जुर्माना, या फिल्म निर्माण लागत का 5 प्रतिशत तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इसका उद्देश्य थिएटरों में अवैध रिकॉर्डिंग और वितरण को रोकना है। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि फिल्म वितरण श्रृंखला में पूर्व रोकथाम उपायों का पालन अत्यंत आवश्यक है। इसमें कंटेंट की सुरक्षित हैंडलिंग, प्रमाणीकरण, थिएटर में कैम-कॉर्डिंग रोकना, रिलीज के बाद कम से कम एक महीने तक सीसीटीवी रिकॉर्डिंग रखना और थिएटर-विशेष फॉरेंसिक वॉटरमार्किंग जैसी कार्रवाई शामिल हैं। टीजीसीएसबी निदेशक शिखा गोयल ने कहा कि पाइरेसी अब अत्यंत व्यवस्थित और साइबर नेटवर्क आधारित हो गई है। इसके मुकाबले के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों और फिल्म उद्योग के बीच मजबूत समन्वय आवश्यक है। नई एसओपी से जांच प्रक्रिया तेज और व्यवस्थित होगी और पाइरेसी रोकने में प्रभावशीलता बढ़ेगी। टीएफसीसी अध्यक्ष दग्गुबाटी सुरेश बाबू ने कहा कि पाइरेसी फिल्म उद्योग पर गंभीर वित्तीय प्रभाव डाल रही है। टीजीसीएसबी और पुलिस द्वारा उठाए जा रहे सक्रिय कदमों की उन्होंने सराहना की। टीजीसीएसबी ने यह स्पष्ट किया कि नई एसओपी और डिस्क्लेमर केवल पाइरेसी रोकने के लिए ही नहीं, बल्कि फिल्म उद्योग से जुड़े हजारों लोगों की आजीविका और आर्थिक हितों की सुरक्षा में भी मदद करेंगे।

सीएम रेवंत रेड्डी तेलंगाना का इतिहास मिटाने की कोशिश कर रहे

कविता का 'तेलंगाना थल्ली' प्रतिमा को लेकर सरकार पर हमला

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष और पूर्व सांसद कल्वाकुंतला कविता ने सोमवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर 'तेलंगाना थल्ली' (मदर तेलंगाना) के स्वरूप में बदलाव कर तेलंगाना आंदोलन के इतिहास को मिटाने का आरोप लगाया है। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल द्वारा तेलंगाना विधानसभा में 'तेलंगाना थल्ली' की प्रतिमा के अनावरण पर प्रतिक्रिया देते हुए कविता ने कहा कि पारंपरिक 'बथुकम्मा' के बिना दी गई यह प्रस्तुति तेलंगाना की सांस्कृतिक पहचान और राज्य आंदोलन की भावना का अपमान है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन नेताओं की तेलंगाना आंदोलन में कोई भूमिका नहीं थी, वे अब इसके इतिहास को विकृत करने की कोशिश कर रहे हैं। कविता ने कहा कि बथुकम्मा तेलंगाना की संस्कृति का प्रतीक है और आंदोलन के दौरान जनता ने बथुकम्मा पकड़े हुए ही तेलंगाना थल्ली की मूल छवि को गढ़ा था।

कविता ने जोर देकर कहा कि तेलंगाना थल्ली के प्रतीकात्मक स्वरूप को बदलना आंदोलन की यादों और बलिदानों को मिटाने के समान है।

उन्होंने चेतावनी दी कि बथुकम्मा के बिना इस प्रतिमा को स्वीकार नहीं किया जाएगा और घोषणा की कि जब उनकी पार्टी सत्ता में वापस आएगी, तो इसी स्थान पर आंदोलन के दौर वाली मूल तेलंगाना थल्ली की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा लगाई गई इस प्रतिमा को सम्मानपूर्वक उनके पार्टी कार्यालय में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। इसी के साथ, कविता ने धर्म समाज पार्टी के अध्यक्ष विशारदन महाराज की गिरफ्तारी की भी कड़ी निंदा की। उन्होंने इस गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए आरोप लगाया कि पुलिस उन्हें अलग-अलग थानों में घुमाकर प्रताड़ित कर रही है और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की।

तेलंगाना में 300 करोड़ का फार्मा-इलेक्ट्रॉनिक्स निवेश

सीआईएल-केमटत्वा संयुक्त उपक्रम जीनोम वैली में लगाएगा अत्याधुनिक संयंत्र

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कैम्ब्रिज आइसोटोप लैबोरेटरीज (सीआईएल) ने केमतत्व चिरल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर एक रणनीतिक संयुक्त उद्यम की घोषणा की है। इसके तहत जीनोम वैली, हैदराबाद में अत्याधुनिक विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) सुविधा स्थापित की जाएगी। इस परियोजना पर अगले तीन वर्षों में लगभग 300 करोड़ रुपये तक का निवेश किया जाएगा। यह संयंत्र स्थापित होने के बाद 250 से अधिक उच्च-कुशल (हाई-स्किल) रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। साथ ही यह परियोजना भारत की उन स्थिर समस्थानिक-चिह्नित (स्टेबल आइसोटोप-लेबल्ड) यौगिकों के निर्माण क्षमता को मजबूत करेगी, जिनका उपयोग औषधि अनुसंधान, डायग्नोस्टिक्स, ओएलईडी सामग्री तथा सेमीकंडक्टर अनुप्रयोगों में किया जाता है।

इस निवेश की घोषणा कंपनी प्रतिनिधिमंडल और श्रीधर बाबू, सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री, तेलंगाना के बीच हुई बैठक के बाद की गई। इस बैठक में तेलंगाना लाइफ साइंसेज के सीईओ शक्ति एम. नागप्पन भी उपस्थित थे। सीआईएल, जापान की दिग्गज कंपनी ओत्सुका फार्मास्यूटिकल कंपनी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। कंपनियों ने निवेश के लिए तेलंगाना को इसलिए चुना क्योंकि यहां मजबूत लाइफ साइंसेज पारिस्थितिकी तंत्र, कुशल मानव संसाधन, बेहतर बुनियादी ढांचा और राज्य सरकार का सक्रिय सहयोग उपलब्ध है। संयंत्र के संचालन शुरू होने के बाद भारत की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भूमिका और मजबूत होगी, विशेषकर फार्मास्यूटिकल अनुसंधान उपकरणों और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक सामग्रियों के क्षेत्र में। इससे तेलंगाना की पहचान एक प्रमुख लाइफ साइंसेज तथा विशेष रसायन (स्पेशियलिटी केमिकल्स) केंद्र के रूप में और सुदृढ़ होने की उम्मीद है।

स्वच्छता को मुख्य फोकस रखा जाएगा : आयुक्त

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के आयुक्त आरवी कर्णन ने नागरिकों से वन-टाइम सेटलमेंट योजना का लाभ उठाने की अपील की, जिसके तहत लंबित संपत्ति कर पर 90 प्रतिशत ब्याज में छूट दी जा रही है। आयुक्त ने बताया कि यह योजना 31 मार्च तक लागू रहेगी और नागरिकों से आग्रह किया कि वे इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं। उन्होंने यह भी बताया कि क्षेत्र में कुल 28.08 लाख संपत्ति करदाता हैं, जिनमें से लगभग 16.80 लाख करदाता पहले ही अपना संपत्ति कर चुका चुके हैं। सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में आयुक्त ने कहा कि जीएचएमसी, एमएमसी और सीएमसी सहित क्योग क्षेत्र में संपत्ति कर संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

पिछले वित्तीय वर्ष की इसी तारीख तक कुल संग्रह 1,984 करोड़ रुपये था, जबकि चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 2,186 करोड़ रुपये की राशि संग्रहित हो चुकी है। आयुक्त ने कहा कि कर भुगतान में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन संपत्ति कर भुगतान की सुविधा प्रदान की है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि लंबित संपत्ति कर नहीं भरने वाले संपत्ति मालिकों के खिलाफ जीएचएमसी अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आयुक्त ने बताया कि '99 दिन- प्रजा पालन, प्रगति प्रणाली' पहल के तहत 6 जोन, 30 सर्किल कार्यालय और 150 वार्डों में 6 से 16 मार्च के बीच कई विशेष अभियान चलाए गए हैं। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी क्षेत्र में सैनिटेशन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है और कचरा संवेदनशील क्षेत्रों को हटाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने मेगा ई-वेस्ट अभियान की सफलता को भी उजागर किया और कहा कि प्रजा पालन-प्रगति प्रणाली के कार्यान्वयन अवधि में स्वच्छता को मुख्य फोकस रखा जाएगा, ताकि ग्रेटर हैदराबाद को एक स्वच्छ और स्वस्थ शहर बनाया जा सके।

ओटीएस योजना की समयसीमा में केवल 15 दिन शेष हैं, इसलिए जीएचएमसी ने सार्वजनिक जागरूकता अभियान को तेज किया है ताकि अधिक से अधिक करदाता योजना का लाभ उठा सकें। आयुक्त ने बताया कि जागरूकता अभियान क्योर क्षेत्र के जमीनी स्तर पर चलाए जा रहे हैं। अब तक शहर के 100 बस शेल्टर के माध्यम से प्रचार किया गया है।

क्रिश्चियन भवन के प्रस्ताव को शीघ्र आगे बढ़ाने का वादा

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोजगार एवं खान मंत्री डॉ.जी. विवेक वेंकटस्वामी ने आश्वासन दिया कि हैदराबाद में क्रिश्चियन भवन के निर्माण के लिए प्रयास तेज किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह इस विषय को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के संज्ञान में लाएंगे और परियोजना को सरकारी स्वीकृति दिलाने का अनुरोध करेंगे। मंत्री ने बताया कि बिना किसी विवाद के उपयुक्त स्थान की पहचान कर क्रिश्चियन भवन के निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार ईसाई समुदाय की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

सोमवार को मंत्री ने मेट्टुगुड़ा में ग्लोबल क्रिश्चियन लॉ बोर्ड के कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने बोर्ड की स्थापना को सकारात्मक पहल बताते हुए आशा व्यक्त की कि यह संस्था ईसाई समुदाय की समस्याओं के समाधान में प्रभावी भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि गरीब और जरूरतमंद ईसाइयों की सेवा के उद्देश्य से इस बोर्ड की स्थापना सराहनीय है। मंत्री ने उल्लेख किया कि यह बोर्ड समुदाय को आवश्यक विधिक सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मंत्री ने यह भी कहा कि ईसाई अल्पसंख्यक समुदाय के कल्याण के लिए महिलाओं का विकास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ईसाई महिलाओं से आग्रह किया कि वे अपने लाभ के लिए सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक उपयोग करें।

उपचार के बावजूद 33% अवसाद मरीजों में समस्या बनी रहती है : विशेषज्ञ

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विशेषज्ञों के अनुसार अवसाद से पीड़ित लगभग 33 प्रतिशत मरीजों में उपचार-प्रतिरोधी अवसाद विकसित हो जाता है, जिसमें दवाएं लेने के बावजूद बीमारी के लक्षण बने रहते हैं। ऐसी स्थिति में मरीज लंबे समय तक गहरे मानसिक तनाव, बार-बार अस्पताल में भर्ती होने और आत्महत्या के बढ़े जोखिम से जूझते हैं। तेलंगाना के एक सरकारी मेडिकल कॉलेज के मनोचिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. विशाल अकुला के अनुसार, इस स्थिति में मस्तिष्क के मनोदशा नियंत्रित करने वाले तंत्र पारंपरिक दवाओं पर ठीक से प्रतिक्रिया नहीं करते। हालांकि नई तकनीकें उम्मीद जगा रही हैं।

उन्होंने बताया कि पर्सनलाइज्ड एडैप्टिव कॉर्टिकल इलेक्ट्रो-सिमुलेशन (पीएसीई) जैसी आधुनिक उपचार पद्धति मरीज के मस्तिष्क का सटीक मानचित्र तैयार कर प्रभावित हिस्सों को लक्षित करती है।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-SrDME-WAT-334-2026

कार्य का नाम : दक्षिण तट रेलवे (SCoR) मुख्यालय के अधिकारियों के साथ संलग्नता के लिए कार्य दिवस (Man Days) के आधार पर परिचारकों की सेवाएँ लेने के संबंध में दर अनुबंध में प्रवेश एवं एजेंसियों का सूचीकरण।

कार्य का अनुमानित लागत : ₹ 84,01,043.04, EMD : ₹ 1,68,000/-, निविदा दस्तावेज की लागत: ₹ 5,900/-, कार्य पुरा होने की अवधि: 12 (बारह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 03.04.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

सीनियर डिवीजनल मैकेनिकल इंजीनियर / वाल्टियर

PR-1233/Q/25-26

जन सेवा संघ द्वारा कवि सम्मेलन का आयोजन संपन्न

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के मीडिया प्रभारी राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार संघ द्वारा हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन का आयोजन गुजराती हाई स्कूल आरपी रोड सिकंदराबाद में आयोजित किया गया।

सांस्कृतिक समिति के संयोजक सुनील श्रीवास्तव, सहसंयोजक परमानंद शर्मा एवं केंद्रीय समिति के अध्यक्ष बिश्वजीत सिंह, उपाध्यक्ष एस ए खान, महासचिव प्रकाश चौधरी, कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव एवं सभी विभागीय संयोजकों ने इसमें भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विनय कुमार सिंह आईपीएस द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद देश भर के आए कवियों ने भाग लिया जिनमें घनश्याम अग्रवाल, वेणुगोपाल भट्टड़, नरेंद्र राय, अजीत गुप्ता, श्रीमती ज्योति नारायण, अजय श्रीवास्तव, श्रीमती सीमा द्विवेदी, श्रीमती संतोष संप्रति, श्रीमती कृष्णा पुरोहित ने अपनी अपनी प्रस्तुति दी।

कवि ने अपनी हास्य और व्यंग्य से भरपूर कविताओं के माध्यम से उपस्थित लोगों को खूब हँसाया। उनकी कविताओं में समाज की छोटी-छोटी बातों को बड़े ही रोचक और मनोरंजक अंदाज में प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कवि ने अपनी अनोखी शैली और हाजिरजवाबी से ऐसा समां बांधा कि पूरा वातावरण हंसी और खुशी से गूंज उठा।

इस अवसर पर जन सेवा संघ के राजीव चौबे, पी पी पांडेय, श्रीकांत पांडेय, वी डी चौबे, डी डी तिवारी, मदन लाल रावल, बिनीत सिंह, आर पी सिंह, सीताराम ठाकुर, कपिराज सिंह, अरूण सिंह राजपुरोहित, एल एन चौबे, राजेश शर्मा, राजेश चौबे, नारायण ओझा, विंध्याचल तिवारी, राजेंदर सिंह, संतोष पांडेय, भोला सिंह, शेखर झा, दिनेश रजक, बिनीत सिंह, आर के सिंह, रामधयन सिंह, भरत व्यास, मोहम्मद मुनव्वर, बी के मिश्रा, नवीन सिंह, अशोक ठाकुर, नंद किशोर चौधरी, आलोक कुमार झा, हरेंदर चौबे, संजय सिंह सहित बडी संख्या में लोग उपस्थिति थे।

ओआरआर पर खड़ी कार में ट्रक की टक्कर, दो लोगों की मौत

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार दोपहर शमीरपेट के पास आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर एक तेज रफ्तार कंटेनर ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी कार को टक्कर मार दी, जिससे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा एग्जिट-7 के पास हुआ, जहां मेडचल से शमीरपेट की ओर जा रही एक ऑडी कार तकनीकी कारणों से रुक गई थी। कार में सवार कुछ लोग बाहर निकलकर पीछे खड़े होकर खाना खा रहे थे। इसी दौरान तेज गति से आ रहा कंटेनर ट्रक अनियंत्रित होकर कार से टकरा गया। टक्कर में कार के पीछे खड़े दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। दोनों मृतक मौला अली क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही शमीरपेट पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में ट्रक चालक की तेज रफ्तार और शराब के नशे में होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की जांच शुरू कर दी है, जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

नार्म में मत्स्य क्षेत्र के स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (नार्म) में सोमवार से 'मत्स्य क्षेत्र में अकादमिक-उद्योग सहयोग को सुदृढ़ करना' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला प्रारम्भ हुई। मुख्य अतिथि बी.के. बेहरा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड, ने मत्स्य क्षेत्र में स्टार्ट-अप के विशाल अवसरों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से सरकारी वित्तीय योजनाओं का लाभ उठाकर रोजगार सृजन करने का आह्वान किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य अकादमिक अनुसंधान और व्यावसायिक अनुप्रयोग के बीच की दूरी को कम करना है। इसके लिए सहयोगात्मक अनुसंधान, पाठ्यक्रम विकास, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन को बढ़ावा दिया जाएगा।

पी.ई. विजय आनंद, इंडिया लीड, सोया एक्सीलेंस सेंटर, ने मत्स्य विज्ञान के पाठ्यक्रम में व्यवसाय और उद्यमिता कौशल को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया।

सम्मानित अतिथि के.आर. श्रीनाथ, महानिदेशक, फिशरी सर्वे ऑफ इंडिया, ने कहा कि आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में मानकों, प्रमाणन तथा उत्पादन प्रौद्योगिकियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिलेंगे। कार्यक्रम में 'भारत में मत्स्य विज्ञान पाठ्यक्रम पर कार्यशाला पुस्तिका' शीर्षक से एक प्रकाशन का विमोचन भी किया गया।

इस कार्यशाला में अकादमिक-उद्योग समन्वय, मत्स्य अर्थशास्त्र, जलीय कृषि, जलीय पशु स्वास्थ्य तथा संसाधन प्रबंधन जैसे विषयों पर पैनल चर्चाएं आयोजित की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य इस क्षेत्र में दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत करना है।

पूर्व तट रेलवे

(1) निविदा सूचना सं. eT-HQ-WAT-12-2026 दिनांक : 10.03.2026

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/एस्टेट/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर/W/पश्चिम/वाल्टियर के सेक्शन में विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन में शौचालयों (स्लीपर क्लास, जनरल, AC प्रतीक्षालय एवं पे एंड यूज शौचालय) की मरम्मत एवं अन्य विविध कार्य।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,19,85,433.75, EMD : ₹ 2,09,900/-, कार्य पुरा होने की अवधि : 06 (छह) महीने।

(2) निविदा सूचना सं. eT-HQ-WAT-13-2026 दिनांक : 10.03.2026

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/एस्टेट/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर/W/MPM/वाल्टियर के सेक्शन में CSL/विशाखापट्टनम पर CAMTECH दिशानिर्देश के अनुसार 150M लंबाई के लिए TRL-2 हेतु BTPN परीक्षण सुविधाएं एवं अन्य सुविधाएं।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 3,78,30,826.51, EMD : ₹ 3,39,200/-, कार्य पुरा होने की अवधि : 08 (आठ) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 07.04.2026 को 1500 बजे (दोनों निविदा के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-1232/Q/25-26

कांग्रेस की वादा खिलाफी के विरूद्ध भाजपा ने ज्ञापन सौंपा

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व भाजपा पार्षद जामबाग राकेश जायसवाल राजकुमार (अध्यक्ष, जामबाग डिवीजन) और बीजेपी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने नामपल्ली स्थित मंडल राजस्व कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन तेलंगाना में कांग्रेस सरकार द्वारा लोगों से किए गए चुनावी वादों को पूरा करने में उसकी विफलता के संबंध में था।

कांग्रेस पार्टी कई वादे करके सत्ता में आई थी, जैसे कि महिलाओं को 2,500 की आर्थिक सहायता, 500 में एलपीजी सिलेंडर, किसानों के लिए 'रैतु भरोसा', छात्रों के लिए 'युवा विकासम- विद्या भरोसा कार्ड', 'इंदिरम्मा इंड्लू' आवास योजना, बुजुर्गों के लिए 'चेयुथा' पेंशन, और 'कल्याण लक्ष्मी' योजना के तहत 10 ग्राम सोना देने का वादा था।

उक्त नेताओं ने अफसोस जताते हुए कहा कि सरकार बनाने के बाद भी, इनमें से कई वादों को अभी तक लागू नहीं किया गया है, जिससे तेलंगाना की जनता में घोर निराशा है। भाजपा नेताओं ने ज्ञापन के जरिए सरकार ने पुरजोर मांग की है कि कांग्रेस सरकार जनता से किए गए वादों को तत्काल पूरा करे और तेलंगाना की जनता को न्याय सुनिश्चित करे।

राष्ट्रगान के 'अपमान' पर भाजपा ने एआईएमआईएम विधायक को घेरा

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को तेलंगाना विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रगान के दौरान ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के एक सदस्य द्वारा कथित तौर पर सदन से बाहर जाने (वॉकआउट) की कड़ी निंदा की है। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी एन.वी. सुभाष ने इस घटना को 'बेहद निंदनीय' बताते हुए इसे देश और उसके संवैधानिक मूल्यों का अपमान करार दिया। उन्होंने एक प्रेस बयान में कहा कि यह चौंकाने वाला है कि जो पार्टी बार-बार संविधान के खतरे में होने का दावा करती है, वही देश के सबसे पवित्र राष्ट्रीय प्रतीकों में से एक के प्रति अनादर दिखा रही है। सुभाष ने कहा कि राष्ट्रगान का सम्मान करना केवल एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र और उसकी लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब पूरी विधानसभा राष्ट्रगान के सम्मान में एक साथ खड़ी थी, तब ऐसा व्यवहार एक परेशान करने वाला संदेश देता है और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति पार्टी की निष्ठा पर गंभीर सवाल उठाता है। भाजपा नेता ने विधानसभा को लोकतंत्र का मंदिर बताते हुए कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधियों को राष्ट्रीय प्रतीकों और परंपराओं की गरिमा बनाए रखकर एक उदाहरण पेश करना चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सिनर पहली बार इंडियन वेल्स चैंपियन

मेदवेदेव को हराया, विमेंस सिंगल्स में सबालेंका जीतीं

फाइनल में रायबाकिना को मात दी

कैलिफोर्निया, 16 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में खेले गए इंडियन वेल्स ओपन में इटली के जैनिक सिनर और बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने खिताब जीता। मेन्स सिंगल्स के फाइनल में सिनर ने रूस के डैनियल मेदवेदेव को हराकर अपना पहला इंडियन वेल्स टाइटल जीता।

वहीं, विमेंस सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने एलिना रायबाकिना के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए ट्रॉफी अपने नाम की।

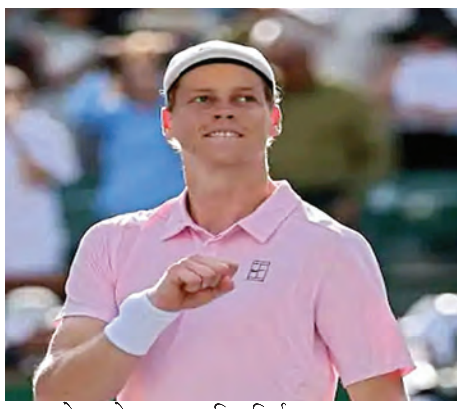

सिनर फेडरर और जोकोविच के क्लब में शामिल हुए

सिनर ने इस जीत के साथ हार्ड कोर्ट पर होने वाले सभी बड़े खिताब अपने नाम कर लिए हैं। इनमें छह एटीपी मास्टर्स 1000, निट्टो एटीपी फाइनल्स, ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन शामिल हैं।

इससे पहले यह उपलब्धि सिर्फ रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच के नाम थी। सिनर ने 2023 में टोरंटो में अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीता था और अगले तीन सालों के भीतर ही उन्होंने हार्ड कोर्ट के सभी बड़े एलीट खिताब अपने नाम कर लिए।

सिनर ने मेदवेदेव को 7-6, 7-6 से हराया: पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं हारा

जैनिक सिनर ने फाइनल में पहला सेट टाईब्रेक में 7-6 (8-6) से जीता।

इसके बाद दूसरे सेट में भी कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन सिनर ने इसे 7-6 (7-4) से अपने नाम कर लिया।

खास बात यह रही कि सिनर ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया और सीधे सेटों में जीत दर्ज करते हुए पहली बार इंडियन वेल्स मास्टर्स वेल्स की ट्रॉफी अपने नाम की।

विमेंस फाइनल: सबालेंका ने चैंपियनशिप पॉइंट बचाया और मैच जीता

विमेंस सिंगल्स का फाइनल में आर्यना सबालेंका ने एलिना रायबाकिना को 3-6, 6-3, 7-6 (8-6) से हराया। सबालेंका पहला सेट हार गई थीं, लेकिन उन्होंने जबरदस्त वापसी की।

तीसरे सेट के टाइ-ब्रेकर में मुकाबला इतना फंस गया था कि रायबाकिना के पास चैंपियनशिप पॉइंट था, लेकिन सबालेंका ने उसे बचाया और जीत हासिल की। यह सबालेंका का पहला इंडियन वेल्स खिताब है। इससे पहले वह दो बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में हार चुकी थीं।

रायबाकिना से पुराना हिसाब चुकता किया

साल 2023 के इंडियन वेल्स फाइनल में एलिना रायबाकिना ने ही सबालेंका को हराकर खिताब जीता था। इस बार सबालेंका ने उस हार का बदला ले लिया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया 'पीपीपी मॉडल' का समर्थन

कहा- खेल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलना चाहिए

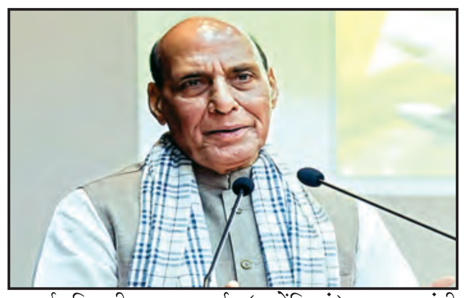

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत की खेल अर्थव्यवस्था को नई गति देने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) का समर्थन किया है। एक पोलो टूर्नामेंट में लोगों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, 'सरकार कई पहलों के माध्यम से देश के भीतर एक खेल संस्कृति को बढ़ावा दे रही है, जहां एथलीट्स और युवाओं को अवसरों, संसाधनों और सम्मान तक पहुंच प्राप्त है।'

राजनाथ सिंह ने कहा कि निकट भविष्य में भारत खेलों में, विशेष रूप से पोलो में, एक मजबूत वैश्विक पहचान बनाएगा, अगर सरकार, निजी क्षेत्र और विभिन्न सामाजिक समूह मिलकर काम करें। पोलो देश की खेल परंपराओं में गहराई से जुड़ा हुआ है, जो हजारों वर्षों से चली आ रही है, और इसे सही मायने में भारत का 'हेरिटेज स्पोर्ट' कहा जा सकता है।

राजनाथ सिंह ने उल्लेख किया कि भारतीय सेना ने पोलो के खेल में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लाने और इसकी समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा, 'इंडियन पोलो एसोसिएशन के सहयोग से काम करते हुए, भारतीय सेना ने इस विरासत को जीवंत और प्रासंगिक बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुझे विश्वास है कि मिलकर काम करते हुए, हम भारत में पोलो और अन्य खेलों के लिए एक सकारात्मक संस्कृति को बढ़ावा देंगे। इससे हमारी युवा प्रतिभाओं को आगे आने और देश का गौरव बढ़ाने का अवसर मिलेगा।'

राजनाथ सिंह ने कहा कि 'खेलो इंडिया' और 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' जैसी पहलों के साथ खेल बुनियादी ढांचे के अभूतपूर्व विकास ने युवाओं को उत्कृष्टता प्राप्त करने और आगे बढ़ने के लिए एक नया मंच प्रदान किया है। उन्होंने आगे कहा कि 'राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम' और 'खेलो भारत नीति' प्रतिभाशाली एथलीट्स के लिए अपार लाभ देने के लिए तैयार हैं और खेल संगठनों के भीतर अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देंगे।

जिसने की आईपीएल की शुरुआत, फिर बीसीसीआई ने लगाया बैन

अब राजस्थान रॉयल्स टीम को खरीदकर करेगा वापसी?

मुंबई, 16 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 का नया सीजन शुरू होने वाला है लेकिन उससे पहले लीग की सबसे पहली चैंपियन और सबसे नई चैंपियन टीमों में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है. राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मौजूदा मालिक इन फ्रेंचाइजी में अपना-अपना हिस्सा या कुछ हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं और इस पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है. मगर इन चर्चाओं के बीच एक ऐसे शख्स की एंट्री हुई है, जिसका इस लीग से सबसे पुराना, सबसे खास और उतना ही विवादित रिश्ता है. ये शख्स कोई और नहीं, बल्कि IPL की शुरुआत करने वाले और इस सबसे पहले कमिश्नर ललित मोदी हैं.

एक रिपोर्ट में ये दावा किया गया है कि पिछले लगभग डेढ़ दशक से आईपीएल से दूर ललित मोदी अब

फिर वापसी करने की तैयारी में हैं और वो भी लीग में अधिकारी के रूप में नहीं बल्कि एक फ्रेंचाइजी मालिक बनकर लौटने की कोशिश कर रहे हैं. 'खेल नाओ' की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आईपीएल की पहली चैंपियन राजस्थान रॉयल्स को खरीदने की रेस में 4 दावेदार हैं और इनमें से एक ललित मोदी भी हैं, जो एक अमेरिकी बिजनेसमैन के साथ मिलकर अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं.

रिपोर्ट में बताया गया है कि 16 मार्च को राजस्थान रॉयल्स की बिक्री की प्रक्रिया को देख रहे इन्वेस्टमेंट बैंक और संभावित दावेदारों की मीटिंग होगी, जिसमें इसको लेकर चर्चा होगी. फिलहाल रॉयल्स को खरीदने की रेस में 4 दावेदार हैं और इनमें से ही एक मोदी और उनके अमेरिकी पार्टनर हैं. इसके मुताबिक मोदी एंटरप्राइजेस के प्रेजिडेंट ललित मोदी और अमेरिकी बिजनेसमैन काल सोमानी का कंसोर्टियम को भी शॉर्टलिस्ट किया गया है. राजस्थान रॉयल्स को कम से कम 1.1 बिलियन डॉलर का आंका जा रहा है.

अब ललित मोदी और कोल सोमानी की बोली सफल होती है या नहीं, ये आने वाले दिनों में साफ हो जाएगा. अगर मोदी यहां बाजी मारते हैं तो 2013 के बाद पहली बार उनकी भारतीय क्रिकेट में वापसी होगी. असल में मोदी ने ही 2008 में आईपीएल की नींव रखने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई थी और वो लीग के पहले कमिश्नर थे. खिलाड़ियों की नीलामी का आइडिया भी उनका ही माना जाता है. वो 2010 तक इसके कमिश्नर रहे और भारतीय क्रिकेट बदल गया.

आईपीएल 2026 से पहले पंजाब किंग्स की बढ़ी टेंशन

खराब फॉर्म में चल रहे 3 स्टार खिलाड़ी

खेल डेस्क, 16 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल में पंजाब किंग्स साल 2008 से हिस्सा ले रही है. लेकिन टीम अभी तक एक भी ट्रॉफी नहीं जीत पाई है. अब आईपीएल 2026 से पहले पंजाब के 3 खिलाड़ियों ने टीम की टेंशन में इजाफा किया है. आईपीएल 2026 का आगाज होने में अब चंद दिन का समय रह गया है. सीजन 19 की शुरुआत 28 मार्च से होने जा रही है. पहला मैच आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा. पंजाब किंग्स श्रेयस अय्यर की अगुवाई में खेलने के लिए उतरेगी. सीजन से पहले पंजाब किंग्स के लिए बुरी खबर सामने आई है. टीम के 3 स्टार खिलाड़ी आउट ऑफ फॉर्म चल रहे हैं.

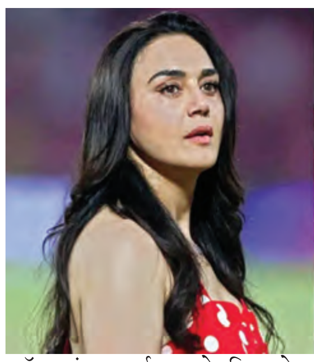

मार्कस स्टोयनिस

ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर मार्कस स्टोयनिस से इस बार पंजाब किंग्स को खासा उम्मीदें रहने वाली हैं. हालांकि उनकी हालिया फॉर्म खराब है, स्टोयनिस ने हाल ही में टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में खराब प्रदर्शन किया. ऑस्ट्रेलिया के लिए वह 4 मैच में केवल 55 रन ही बना सके. उन्होंने 18.33 की औसत के साथ रन बनाए. वहीं गेंदबाजी में भी स्टोयनिस ने निराशाजनक प्रदर्शन किया. उन्होंने केवल 4 विकेट लिए.

लॉकी फर्ग्यूसन

न्यूजीलैंड के स्टार तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन अपनी रफ्तार के लिए जाने जाते हैं. वह निरंतर 150 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं. टी-20 वर्ल्ड कप में लॉकी ने न्यूजीलैंड के लिए 8 मैच में प्रतिनिधित्व किया. लेकिन वह अपनी गेंदबाजी से टीम के लिए कुछ खास नहीं कर सके. उन्होंने 8 मैच में केवल 6 विकेट लिए. फाइनल में भारत के खिलाफ भी वह महंगे साबित हुए. उन्होंने 2 ओवर में 48 रन खर्च किए.

कूपर कॉनॉली

ऑस्ट्रेलिया के उभरते हुए बल्लेबाज कूपर कॉनॉली भी इस बार पंजाब किंग्स के लिए खेलेंगे. हालांकि वह टी-20 वर्ल्ड कप में अपनी बल्लेबाजी से धमाल नहीं मचा सके. उन्होंने 2 मैच में सिर्फ 14 रन बनाए. पंजाब के लिए ये तीन खिलाड़ी टेंशन की बड़ी वजह हैं. आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स ने फाइनल तक अपनी जगह बनाई थी. हालांकि आरसीबी ने पंजाब को हराकर अपना पहला खिताब जीता था और पंजाब का सपना तोड़ दिया था.

पाकिस्तानी खिलाड़ी खरीदना भारतीयों की जान से खिलवाड़: गावस्कर

इस पैसे से हथियार खरीदे जाते हैं, सनराइजर्स ने ब्रिटिश लीग में अबरार को खरीदा

खेल डेस्क, 16 मार्च (एजेंसियां)। इंग्लैंड की लीग द हंड्रेड में सनराइजर्स लीड्स ने पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद को खरीदा था, इस पर विवाद खड़ा हो गया है। इस फैसले पर पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। गावस्कर ने कहा कि भारतीय मालिकों का पाकिस्तानी खिलाड़ियों को खरीदना भारतीयों की जान से खिलवाड़ जैसा है और ऐसे फैसलों से बचना चाहिए। इन पैसों से भारत के खिलाफ लड़ने के लिए हथियार खरीदे जाते हैं। 13 मार्च को लंदन में हुए ऑक्शन में अबरार को 2.34 करोड़ में खरीदा गया था। ऑक्शन में काव्या मारन मौजूद थीं, जो सनराइजर्स की सीईओ हैं। जिनके पास आईपीएल की सनराइजर्स हैदराबाद और साउथ अफ्रीका लीग की टीम सनराइजर्स ईस्टर्न केप भी है। एसआरएच के अबरार को खरीदने के फैसले के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने काफी विरोध भी किया था। एसआरएच का ऑफिशियल एक्स अकाउंट भी टेम्परेरी तौर पर बैन कर दिया गया था।

विवाद स्वाभाविक था- सुनील गावस्कर ने कहा कि द हंड्रेड में किसी भारतीय मालिक वाली टीम द्वारा पाकिस्तानी खिलाड़ी को खरीदने पर विवाद होना हैरान करने वाली बात नहीं है। मुंबई हमलों के बाद से बायकॉट- मुंबई हमलों के बाद से भारतीय फ्रेंचाइजी मालिक आईपीएल में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को नहीं लेते रहे हैं।

पैसा पाक सरकार तक पहुंचता है- गावस्कर के मुताबिक जब पाकिस्तानी खिलाड़ी को फीस दी जाती है, तो वह अपने देश में टैक्स देता है और वह पैसा वहां की सरकार के पास जाता है। उन्होंने कहा कि वही पैसा हथियार खरीदने में इस्तेमाल हो सकता है और इससे भारतीय सैनिकों व नागरिकों को नुकसान पहुंच सकता है।

गावस्कर ने कहा कि सनराइजर्स लीड्स के कोच डेनियल विट्टोरी न्यूजीलैंड के हैं, इसलिए हो सकता है कि वे इस स्थिति को पूरी तरह न समझ पाए हों और उन्होंने टीम में पाकिस्तानी खिलाड़ी को लेने की सलाह दी हो।

लेकिन टीम के मालिक को हालात की पूरी समझ होनी चाहिए थी और उन्हें यह खरीद रोक देनी चाहिए थी। गावस्कर ने सवाल उठाया कि क्या ऐसा टूर्नामेंट जीतना, जिसे दुनिया के बाकी देश नहीं खेलते, भारतीय लोगों की जान से ज्यादा महत्वपूर्ण है?

इस मामले पर बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि बोर्ड इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकता, क्योंकि यह एक विदेशी लीग से जुड़ा मामला है। अंतिम फैसला फ्रेंचाइजी को ही लेना होगा। पाकिस्तान के खिलाड़ी आईपीएल में नहीं खेलते। उन्होंने केवल 2008 के पहले सीजन में हिस्सा लिया था। इसके बाद नवंबर 2008 में हुए मुंबई आतंकी हमले के बाद आईपीएल में पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर रोक लगा दी गई। आम तौर पर भारतीय फ्रेंचाइजी, जिनकी विदेशी लीगों में भी टीमें हैं, पाकिस्तानी खिलाड़ियों को नहीं खरीदतीं। लेकिन सनराइजर्स ने इस परंपरा को नहीं अपनाया। आईपीएल की फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स ने 16 दिसंबर 2025 को अबू धाबी में आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को 9.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। इसके बाद बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याओं के कारण भारत में इसका विरोध होने लगा। इस पर बीसीसीआई के कहने पर केकेआर ने रहमान को रिलीज कर दिया है। इससे नाराज बांग्लादेशी सरकार ने अपने देश में आईपीएल के प्रसारण पर रोक लगा दी थी।

अर्जेंटीना-स्पेन के बीच होने वाला मैच रद्द

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण कतर में 27 मार्च को नहीं होगा मुकाबला

खेल डेस्क, 16 मार्च (एजेंसियां)। अर्जेंटीना और स्पेन के बीच होने वाला फाइनलिसिमा मुकाबला रद्द कर दिया गया है। यूरोपीय फुटबॉल संघ ने कहा कि मिडिल ईस्ट में बढ़ते युद्ध और सुरक्षा हालात को देखते हुए यह फैसला लिया गया।

यह मैच 27 मार्च को कतर की राजधानी दोहा में खेला जाना था। इसमें साउथ अमेरिका की चैंपियन अर्जेंटीना और यूरोप की चैंपियन स्पेन आमने-सामने होने वाली थीं। मुकाबले को लियोनेल मेस्सी और लामिन यामल की टीमों के बीच बड़ा मैच माना जा रहा था।

मिडिल ईस्ट में ईरान और उसके पड़ोसी देशों के बीच जारी संघर्ष और अमेरिका-इजरायल के हवाई हमलों के कारण क्षेत्र में स्थिति काफी तनावपूर्ण बनी हुई है। पिछले तीन हफ्तों से जारी इस तनाव के बीच कतर में मैच कराना जोखिम भरा माना गया। यूईएफए ने कहा कि कतर के आयोजकों के साथ चर्चा के बाद मौजूदा राजनीतिक स्थिति को देखते हुए 27 मार्च को कतर में मैच कराना संभव नहीं है। यह मुकाबला लुसैल स्टेडियम में होना था। इसी मैदान पर 2022 वर्ल्ड कप का फाइनल खेला गया था, जिसमें अर्जेंटीना ने फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में हराकर खिताब जीता था। उस मैच में मेस्सी ने दो गोल किए थे, जबकि किलियन एम्बाप्पे ने हैट्रिक लगाई थी। मैच को दूसरे स्थान पर कराने के विकल्प भी देखे गए। मैड्रिड के सैंटियागो बर्नाबेउ स्टेडियम में मैच कराने का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने इसे स्वीकार नहीं किया। एक विकल्प यह भी था कि मुकाबला दो लेग में कराया जाए। पहला मैड्रिड में और दूसरा ब्यूनस आयर्स में। इस प्रस्ताव पर भी सहमति नहीं बन सकी।

बाद में यूईएफए ने 27 मार्च को इटली में मैच कराने का प्रस्ताव दिया, लेकिन अर्जेंटीना ने इसे 31 मार्च को कराने की मांग रखी। यूईएफए के अनुसार चार दिन बाद मैच कराना संभव नहीं था, इसलिए आखिरकार इसे रद्द करना पड़ा। फाइनलिसिमा का पहला मुकाबला 2022 में लंदन के वेम्बली स्टेडियम में खेला गया था, जिसमें अर्जेंटीना ने इटली को 3-0 से हराया था।

फाइनलिसिमा एक इंटरकॉन्टिनेंटल फुटबॉल मुकाबला है, जिसमें कोपा अमेरिका के विजेता और यूरोपीय चैम्पियनशिप (यूरो) के विजेता आमने-सामने होते हैं। यह टूर्नामेंट दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल महासंघ कॉनमेबोल और यूरोपीय फुटबॉल महासंघ यूईएफए के बीच सहयोग समझौते का हिस्सा है। इस समझौते के तहत दोनों संगठन फुटबॉल के विकास के लिए मिलकर कई परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। इनमें महिला फुटबॉल, फुटसल, युवा वर्ग के टूर्नामेंट, रेफरी का आदान-प्रदान और तकनीकी प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रम शामिल हैं।

101 चौके-छक्के, बाप-बेटे की जोड़ी का बड़ा कारनामा

40 ओवर में ठोके 590 रन

एडिलेड, 16 मार्च (एजेंसियां)। क्रिकेट के मैदान पर कभी-कभी ऐसे पल आते हैं जो इतिहास रच देते हैं. इंटरनेशनल क्रिकेट में अभी तक कई भाइयों की जोड़ियों ने एक-साथ क्रिकेट खेलकर सुर्खियां बटोरी हैं. वहीं, बाप-बेटे की जोड़ी भी एक-साथ खेल चुकी हैं. लेकिन ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसा कारनामा देखने को मिला है, जिसने पूरे क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया है. साउथ ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के एक क्लब मैच में बाप-बेटे की जोड़ी ना सिर्फ एक-साथ मैदान पर उतरी, बल्कि एक ऐतिहासिक साझेदारी करके मैदान के बाहर लौटी.

दरअसल, साउथ ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में कोरोमंडेल क्रिकेट क्लब की ओर से खेलते हुए डैरेन चीक और उनके बेटे सैम चीक ने गजब की बल्लेबाजी की.

मोरफेटविल पार्क के खिलाफ खेलते हुए इस जोड़ी ने 40 ओवर के मैच में 590 रनों की नाबाद साझेदारी की, जो न सिर्फ क्लब लेवल पर, बल्कि साउथ ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में एक बड़ा रिकॉर्ड माना जा रहा है.दोनों ने ओपनिंग की और पूरी 40 ओवर की पारी में टीम ने एक भी विकेट नहीं गंवाया. इस दौरान सैम चीक ने नाबाद 402 रन बनाए. वहीं, उनके पिता डैरेन चीक ने नाबाद 175 रन ठोके.

पूरी पारी में कुल 50 चौके और 51 छक्के लगे, जो बताता है कि बल्लेबाजों ने गेंदबाजों पर कितना दबाव बनाए रखा. सैम चीक की 402 रनों की पारी खासतौर पर चर्चा में रही, क्योंकि उन्होंने 30 चौके और 42 छक्के लगाए. यह 40 ओवर क्रिकेट में वर्ल्ड रिकॉर्ड से भी बेहतर मानी जा रही है. सैम ने 132 गेंदों पर यह स्कोर बनाया, वहीं डैरेन ने 108 गेंदों का सामना किया.

सोशल मीडिया पर वायरल हुई बाप-बेटे की जोड़ी

सोशल मीडिया पर यह जोड़ी तेजी से वायरल हो गई है. इंस्टाग्राम और फेसबुक पर लोग इसे 'पार्टनरशिप फॉर द एजेस' कह रहे हैं. क्लब के फेसबुक पेज पर भी इसकी लाइव अपडेट्स और तस्वीरें शेयर की गईं, जहां फैंस ने तारीफों के पुल बांधे. 40 ओवर के मैच में इतने रन बनाना आसान नहीं होता, लेकिन यहां दोनों बल्लेबाजों ने हर गेंद पर हमला बोला. अब हर कोई इस साझेदारी की जमकर तारीफ कर रहा है.

नंगे पैर खेलने से 'गोल ऑफ द टूर्नामेंट' तक

एशियन कप फुटबॉल में 30 गज से गोल दागकर चर्चा में आई पंजाब की मनीषा कल्याण

सिडनी, 16 मार्च (एजेंसियां)। 2026 विमंस एशियन कप के मैच में भारतीय टीम चीनी ताइपे से 1-0 से पीछे थी। 39वें मिनट में भारत को गोल से 30 गज की दूरी पर फ्री-किक मिली। सामने सफेद जर्सी में चार डिफेंडर दीवार बनकर खड़ी थीं। ऐसे में 24 वर्षीय मनीषा कल्याण एक पल के लिए रुकीं और अपने बाएं पैर से एक ऐसा करारा शॉट दागा कि गेंद क्रॉसबार के निचले हिस्से से टकराकर सीधे गोल लाइन के पार चली गई। वीएआर ने गोल की पुष्टि की और कमेंटेटर ने इसे देखते ही 'गोल ऑफ द टूर्नामेंट' करार दिया। भले ही भारतीय टीम यह मैच 1-3 से हारकर ग्रुप में सबसे नीचे रही, लेकिन पंजाब के होशियारपुर की इस बेटी ने दुनिया को भारतीय फुटबॉल की एक उजली तस्वीर जरूर दिखा दी।

यह सिर्फ एक गोल की नहीं, बल्कि उस लड़की की कहानी है जिसके नसीब में कभी खेल के जूते नहीं थे। आठ साल पहले पंजाब के मुग्गोवाल गांव के एक सरकारी स्कूल में पीटी टीचर ब्रह्मजीत सिंह ने एक लड़की को लड़कों के साथ नंगे पैर

खेलते देखा। वह बेखौफ गोल दाग रही थी। मनीषा के पिता नरेंद्रपाल सिंह की गांव में एक छोटी सी कॉस्मेटिक की दुकान थी। वह अपनी चार बेटियों को सिर्फ पढ़ाना चाहते थे; उनके पास स्पोर्ट्स शूज और ट्रेनिंग के पैसे नहीं थे।

कोच ब्रह्मजीत ने पिता को एक महीने तक मनाया और भरोसा दिलाया कि पैसा कभी रुकावट नहीं बनेगा। जब पिता राजी हुए, तो पड़ोसियों ने ताने कसे कि लड़की शॉर्ट्स पहनकर लड़कों के साथ खेलती है, आगे चलकर इसका कुछ नहीं होगा। लेकिन माता-पिता ने इन तानों को अनसुना कर दिया। गांव में लड़कियों की कोई टीम नहीं थी, इसलिए मनीषा खेलने के लिए अक्सर 15 किलोमीटर पैदल चलती या दौड़ती थीं। उनके शानदार खेल और खास हेयरस्टाइल के कारण दोस्तों ने उन्हें ब्राजीलियाई दिग्गज रोनाल्डिन्हो के नाम पर प्यार से 'डिनो' बुलाना शुरू कर दिया। नवंबर 2021 में एक बड़ा बदलाव आया। भारत ने ब्राजील के खिलाफ मैच 6-1 से गंवाया, लेकिन इकलौता गोल मनीषा ने किया। वह सीनियर फुटबॉल में ब्राजील के खिलाफ गोल दागने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।

इस गोल ने उनके लिए दुनिया के दरवाजे खोल दिए। साइप्रस के क्लब 'अपोलोन लेडीज' ने उन्हें साइन किया। शुरुआत में अंग्रेजी न आने के कारण उन्हें मैदान पर पास नहीं मिलते थे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और भाषा सीखी। अगस्त 2022 में वह यूईएफए विमंस चैम्पियंस लीग खेलने और गोल करने वाली पहली भारतीय बनीं।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने तेलुगु तल्ली की प्रतिमा का अनावरण किया

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के साथ सोमवार को विधानसभा परिसर में तेलुगु तल्ली की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी, विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का, कई मंत्री तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इससे पहले मुख्यमंत्री के साथ राज्यपाल ने विधानसभा परिसर में स्थित महात्मा गांधी और डॉ.बी.आर. आंबेडकर की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की।

एसीबी की आकस्मिक जांच में कामारेड्डी नगरपालिका में अनियमितताएं उजागर

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी), निजामाबाद रेंज के अधिकारियों ने सोमवार को कामारेड्डी नगरपालिका के आयुक्त कार्यालय में आकस्मिक जांच की और अभिलेखों तथा कार्यालय के कार्यों की समीक्षा के दौरान कई प्रशासनिक और वित्तीय अनियमितताएं उजागर कीं। जांच के दौरान एसीबी अधिकारियों ने पाया कि वर्ष 2025-26 में अवैध निर्माण से संबंधित 47 शिकायतें प्राप्त हुई थीं और अधिकांश मामलों में नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद भी आगे कोई कार्रवाई नहीं की गई। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि वर्ष 2025-26 के दौरान 400 से अधिक व्यावसायिक प्रतिष्ठानों ने अपने व्यापार लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं कराया, जिसके कारण नगरपालिका को लगभग 1 करोड़ रुपये की बकाया राशि प्राप्त नहीं हो सकी। मैदानी सत्यापन के दौरान संपत्ति कर निर्धारण में भी कई विसंगतियाँ पाई गईं, जिससे सरकार को राजस्व हानि होने की आशंका है। इसके अतिरिक्त जांच में यह भी पाया गया कि नगरपालिका अधिकारियों के ईंधन व्यय के लिए प्रति माह लगभग 12.4 लाख रुपये आवंटित किए जाते हैं, लेकिन इसके संबंध में पर्याप्त दस्तावेज और अभिलेख उपलब्ध नहीं हैं, जिसके कारण आगे सत्यापन की आवश्यकता है। एक अन्य अनियमितता में यह पाया गया कि कुछ आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की कुछ दिनों की अनुपस्थिति के बावजूद भुगतान अभिलेखों में उन्हें पूरे महीने का वेतन दिया गया दर्शाया गया है। अधिकारियों ने भवन अनुमति प्रक्रियाओं में भी देरी पाई। दिसंबर 2025 से अब तक प्राप्त 169 आवेदनों में से 18 आवेदन निर्धारित 21 दिनों की समय सीमा से अधिक समय तक लंबित रहे। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि इन सभी अनियमितताओं पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर सरकार को भेजी जाएगी और संबंधित नगरपालिका अधिकारियों के विरूद्ध उचित कार्रवाई की सिफारिश की जाएगी। एसीबी ने नागरिकों से भ्रष्टाचार की सूचना देने के लिए अपनी टोल-फ्री हेल्पलाइन 1064 पर संपर्क करने का आग्रह भी किया है।

बजट सत्र से पहले बीआरएस का शहीद स्मारक पर प्रदर्शन

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बजट सत्र से पहले सोमवार को बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव के नेतृत्व में पार्टी के विधायकों और एमएलसी ने गन पार्क स्थित तेलंगाना शहीद स्मारक पर विरोध प्रदर्शन किया। नेताओं ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कांग्रेस सरकार पर चुनावी वादे पूरे न करने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारियों ने छह गारंटियों को कानूनी दर्जा देने, रैतु बंधु योजना की सहायता में देरी दूर करने और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए पर्याप्त धन आवंटित करने की मांग की। तख्तियों के माध्यम से पेंशन, महिलाओं, किसानों, छात्रों तथा कमजोर वर्गों के लिए घोषित योजनाओं में देरी पर भी सवाल उठाए गए। मीडिया से बातचीत में रामाराव ने कहा कि कांग्रेस ने 100 दिनों में छह गारंटियां लागू करने और उन्हें वैधानिक समर्थन देने का वादा किया था, लेकिन अब तक इसे पूरा नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों की सहायता, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और अन्य योजनाओं में भी देरी हो रही है। बीआरएस ने कहा कि वह बजट सत्र के दौरान इन सभी मुद्दों को जोरदार ढंग से उठाएगी और सरकार से स्पष्ट जवाब मांगेगी।

तेलंगाना विधानसभा का बजट सत्र हंगामे के बीच शुरू

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा का बजट सत्र सोमवार को हंगामेदार माहौल में शुरू हुआ। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए सरकार की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं का जिक्र किया, लेकिन बीआरएस सदस्यों ने भाषण के दौरान लगातार नारेबाजी कर विरोध जताया। राज्यपाल ने 'तेलंगाना राइजिंग-2047' विजन दस्तावेज का उल्लेख करते हुए 2047 तक राज्य को 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य बताया। उन्होंने 2025-26 के लिए राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, प्रति व्यक्ति आय, कृषि, उद्योग और अवसंरचना से जुड़े सुधारों पर भी प्रकाश डाला।

विरोध में बीआरएस विधायक काले बैज पहनकर सदन में पहुंचे और सरकार पर चुनावी वादे पूरे न करने तथा पिछली सरकार की योजनाओं का श्रेय लेने का आरोप लगाया। कई बार झूठा और गलत के नारे लगाते हुए उन्होंने राज्यपाल के भाषण में बाधा डाली। राज्यपाल ने व्यवधानों के बावजूद अपना संबोधन जारी रखा और निवेश, किसान कल्याण, स्वास्थ्य सेवाओं तथा बुनियादी ढांचे से जुड़ी योजनाओं का जिक्र किया। कांग्रेस सदस्य बेंच थपथपाकर समर्थन जताते रहे, जबकि भाजपा, एआईएमआईएम और वाम दलों के सदस्य शांत रहे।

राज्यपाल के अभिभाषण को बीआरएस ने बताया खोखला

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विपक्षी बीआरएस ने सोमवार को राज्यपाल के अभिभाषण को खोखला बताते हुए कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला किया। पार्टी विधायकों ने आरोप लगाया कि सरकार झूठे दावे कर रही है और पिछली बीआरएस सरकार की उपलब्धियों का श्रेय ले रही है, जबकि चुनावी वादों को पूरा नहीं किया जा रहा है। विधानसभा के मीडिया प्वाइंट पर पूर्व मंत्री और विधायक वेमुला प्रशांत रेड्डी ने कहा कि राज्यपाल का भाषण वास्तविक मुद्दों से दूर था और इसमें छह गारंटियों समेत कई महत्वपूर्ण वादों का उल्लेख नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं, किसानों और युवाओं से किए गए आर्थिक सहायता और रोजगार संबंधी वादे अब तक लागू नहीं हुए हैं।

बीआरएस नेताओं ने यह भी कहा कि भाषण में पिछली सरकार के दौरान शुरू की गई परियोजनाओं का श्रेय वर्तमान सरकार को दिया गया है। पार्टी के विधायकों ने छह गारंटियों को कानूनी मान्यता न मिलने के विरोध में काले बैज पहनकर अपना विरोध दर्ज कराया। बीआरएस ने कहा कि वह बजट सत्र के दौरान इन मुद्दों को लगातार उठाएगी और सरकार पर अपने वादे पूरे करने का दबाव बनाए रखेगी।

नृशंस हत्या के मामले में दो आरोपी छह घंटे के भीतर गिरफ्तार

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। चिल्कानगर में रविवार रात हुई एक नृशंस हत्या के मामले में उप्पल पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र छह घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बानोथु संतोष उर्फ संथु (28), जो एक रैपिडो चालक है, और पोडिशेट्टी तरुण (22), जो कार चालक है, के रूप में हुई है। दोनों आरोपी उप्पल क्षेत्र के निवासी हैं।

आरोप है कि दोनों ने परुवुला सुधीर कुमार की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना 15 मार्च को शाम करीब 7:30 बजे हुई। संतोष और तरुण ने चल रहे विवाद को सुलझाने के लिए सुधीर को चिलकानगर मैदान में बुलाया था। सुधीर अपने मित्र इमरान खान के साथ मोटरसाइकिल से वहां पहुंचा। बातचीत के दौरान कहासुनी बढ़ गई, जिसके बाद संतोष ने कथित रूप से चाकू निकालकर सुधीर पर हमला कर दिया। जब सुधीर वहां से भागने की कोशिश करने लगा तो दोनों आरोपियों ने उसका पीछा किया और उस पर कई बार चाकू से वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद दोनों आरोपी वहां से फरार हो गए। इस संबंध में उप्पल पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) सहपठित 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 16 मार्च को दोनों आरोपियों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू, दो मोबाइल फोन, एक एक्टिवा स्कूटर और घटना के समय पहने गए कपड़े बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी और मृतक लंबे समय से मित्र थे। हाल ही में एक गृहप्रवेश समारोह को लेकर हुए विवाद तथा फोन और व्हाट्सएप पर हुई तीखी बातचीत के कारण यह हत्या हुई। यह कार्रवाई डीसीपी उप्पल के. सुरेश कुमार के पर्यवेक्षण में तथा उप्पल पुलिस स्टेशन और विशेष अभियान दल की टीमों द्वारा की गई।

बाघ का आतंक दो दिनों में दो गायों का शिकार

जगतियाल, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तरी तेलंगाना के कई इलाकों में घूम रहा एक बाघ जगतियाल जिले में फिर दिखाई दिया है। पिछले दो दिनों में बाघ ने कोडिमियल मंडल के सुरमपेटा गांव के पास दो गायों को मार डाला, जिससे किसानों और ग्रामीणों में भय का माहौल है। वन विभाग के अनुसार, रविवार रात गंगाराम थंडा के पास एक गाय को मारने से पहले शनिवार रात को भी बाघ ने इसी क्षेत्र में एक अन्य गाय पर हमला किया था। हाल के दिनों में बाघ की गतिविधि निजामाबाद और अन्य आसपास के जिलों में भी देखी गई है। पदचिह्नों की जांच से पता चला है कि बाघ विभिन्न वन क्षेत्रों से होता हुआ यहां पहुंचा है और पिछले दो दिनों से कोडिमियल के जंगलों में घूम रहा है। इससे पहले भी कई गांवों के पास बाघ के पदचिह्न मिले थे और कुछ स्थानों पर मवेशियों पर हमले की घटनाएं सामने आई थीं।

जुबली हिल्स में तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर पलटी

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार देर रात जुबली हिल्स के पॉश इलाके में रोड नंबर 5 पर जुबली हिल्स मेट्रो स्टेशन के पास एक तेज रफ्तार कार चालक का नियंत्रण खोने से बेकाबू हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार कार ने पहले सड़क के डिवाइडर को जोरदार टक्कर मारी, जिससे वाहन हवा में पलट गया और सड़क के दूसरी ओर जा गिरा। इसके बाद कार सड़क किनारे खड़ी अन्य गाड़ियों से भी टकरा गई, जिससे उन्हें काफी नुकसान पहुंचा। हालांकि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

मेडचल में मंदिर के पास महिला की गला काटकर हत्या

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार शाम उपनगर मेडचल में श्री रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर के पास अज्ञात लोगों ने एक महिला की बेरहमी से हत्या कर दी। स्थानीय लोगों ने मंदिर परिसर के पास शव देखकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हमलावरों ने महिला का गला काटकर उसकी हत्या की है। मृतका की उम्र लगभग 35 से 38 वर्ष के बीच बताई जा रही है, लेकिन उसकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और महिला की पहचान करने तथा आरोपियों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या हत्या से पहले महिला को किसी अन्य स्थान से यहां लाया गया था।

छह वर्षीय बच्ची के साथ कथित तौर पर बलात्कार, हत्या

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को उपनगर नरसिंगी में एक छह वर्षीय बच्ची के साथ कथित तौर पर बलात्कार कर उसकी हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार, आरोपी ने बच्ची को चॉकलेट देने का लालच देकर उसे अपने साथ ले गया। उसका विश्वास जीतने के बाद, उसने कथित तौर पर बच्ची का यौन उत्पीड़न किया और बाद में उसकी हत्या कर दी। बच्ची रविवार शाम से लापता थी। उसके माता-पिता ने रात करीब 10 बजे नरसिंगी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी। शिकायत के आधार पर, पुलिस ने आसपास के इलाकों से सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें उन्हें एक व्यक्ति लड़की को उसके घर के पास से ले जाते हुए दिखाई दिया। पता चला है कि आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

7 माह की गर्भवती आदिवासी महिला की हत्या, आरोपी फरार

कुमराम भीम आसिफाबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पेंचिकलपेट मंडल के कोंडापल्ली और सुलुगुपल्ली गांवों के बीच स्थित वन क्षेत्र में सात महीने की गर्भवती 25 वर्षीय आदिवासी महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान अथराम सम्मक्का के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, जयहिंदपुर बस्ती निवासी केलकारी जलपति पर महिला की हत्या का आरोप है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच पिछले चार वर्षों से संबंध थे। जलपति पहले से विवाहित था, जबकि सम्मक्का उस पर शादी करने का दबाव बना रही थी। इसी विवाद के चलते आरोपी ने कथित तौर पर उसे जंगल में ले जाकर पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना की सूचना आरोपी के भाई ने पुलिस को दी, जिसके बाद जंगल से शव बरामद किया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सिरपुर (टी) के सरकारी अस्पताल भेज दिया है। परिजनों की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम तथा भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। घटना के बाद से फरार आरोपी की तलाश के लिए पुलिस ने अभियान शुरू कर दिया है।

आपराधिक मामले में गणित शिक्षक निलंबित

कोत्तागुडेम, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के बुरगाम्पाडु स्थित एक सरकारी हाई स्कूल में कार्यरत स्कूल सहायक (गणित) एम. नागेश्वर राव को आपराधिक मामले में नाम आने के बाद निलंबित कर दिया गया है। मंडल शिक्षा अधिकारी (एमईओ) यदुसिम्हाराजू ने बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी बी. नागलक्ष्मी के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। शिक्षक के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले के संबंध में उन्हें गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में वे न्यायिक हिरासत में हैं। अधिकारी के अनुसार, सेवा आचरण नियम (सीसीए) के तहत किसी कर्मचारी के न्यायिक हिरासत में रहने की स्थिति में निलंबन अनिवार्य होता है। इसी प्रावधान के अनुसार निलंबन आदेश जारी किया गया है। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि मामले की आगे की कानूनी प्रक्रिया के अनुसार ही अगली कार्रवाई तय की जाएगी।

उगादी और रमजान पर टीजीएसआरटीसी चलाएगा विशेष बसें

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने उगादी और रमजान त्योहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष बस सेवाएं चलाने का फैसला किया है। गृहनगर जाने वाले लोगों की भारी भीड़ को देखते हुए 17 और 18 मार्च को अतिरिक्त बसें तैनात की जाएंगी, जबकि 23 मार्च को वापसी यात्रा के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। निगम के अनुसार, वर्ष 2003 के सरकारी आदेश के तहत त्योहारों के दौरान विशेष बसों के किराए में डेढ़ गुना तक वृद्धि की जा सकती है। संशोधित किराया केवल 17, 18 और 23 मार्च को चलने वाली विशेष बसों पर ही लागू होगा, जबकि नियमित बसें सामान्य किराए पर चलती रहेंगी।

अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों को सुरक्षित और सुगम यात्रा उपलब्ध कराने के लिए ये सेवाएं शुरू की जा रही हैं। यदि किसी मार्ग पर वापसी में यात्रियों की संख्या कम रहती है, तो बसों को तुरंत अधिक मांग वाले मार्गों पर भेज दिया जाएगा। महालक्ष्मी योजना के तहत त्योहारों के दिनों में महिलाओं को पल्ले वेलुगु, एक्सप्रेस, सिटी ऑर्डिनरी और मेट्रो एक्सप्रेस बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा जारी रहेगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से अग्रिम आरक्षण करा लें या अधिक जानकारी के लिए आरटीसी कॉल सेंटर से संपर्क करें।

फलकनुमा में सोफा फैक्ट्री में भीषण आग

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। फलकनुमा रोड पर स्थित गद्दे और सोफा बनाने वाली एक फैक्ट्री में सोमवार शाम भीषण आग लग गई, जिससे आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। आग शाम करीब 4:30 बजे लगी। सूचना मिलते ही मुगलपुरा और चंद्रयानगुट्टा से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। फैक्ट्री में कपास और कपड़े के बंडलों जैसी ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैल गई। फैक्ट्री के पास एलपीजी सिलेंडर का गोदाम, फर्नीचर की दुकान और एक रेस्तरां होने से स्थिति और गंभीर हो गई। दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं और आसपास के दमकल केंद्रों से अतिरिक्त गाड़ियां भी बुलाई गईं।

रैतु भरोसा को लेकर आंदोलन से पहले बीआरएस नेता नजरबंद

आदिलाबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रैतु भरोसा योजना के लाभ तत्काल जारी करने की मांग को लेकर किसानों द्वारा विधानसभा घेराव के आह्वान के बाद सोमवार को इछोड़ा मंडल में बीआरएस के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को नजरबंद कर दिया गया। पुलिस ने बीआरएस इछोड़ा मंडल अध्यक्ष कृष्णा रेड्डी, पूर्व मुखरा (के) एमपीटीसी सदस्य गाडगे सुभाष सहित अन्य नेताओं को उनके घरों से हिरासत में लेकर पुलिस थाने पहुंचाया। किसानों ने चेतावनी दी थी कि यदि योजना की राशि तुरंत जारी नहीं की गई तो वे विधानसभा का घेराव करेंगे। इस दौरान कृष्णा रेड्डी ने कहा कि किसान अपने अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी सरकार योजना के लाभ जारी करने में देरी कर किसानों के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने मांग की कि सरकार चरणबद्ध भुगतान के बजाय पूरी राशि एकमुश्त जारी करे। पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई से क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है।

दिव्या पाठक के कथक अरंगेत्रम ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। युवा नृत्यांगना दिव्या पाठक ने रवींद्र भारती सभागार में आयोजित अपने कथक अरंगेत्रम से दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। आकृति कथक केंद्र के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में उनकी पहली मंचीय प्रस्तुति को खूब सराहना मिली। कार्यक्रम की शुरुआत गुरु स्तोत्रम से हुई, जिसके बाद दिव्या ने तीन ताल में सुंदर कथक प्रस्तुति देकर अपनी कला और साधना का परिचय दिया। होली के अवसर पर राधा-कृष्ण के प्रेम पर आधारित नृत्य को दर्शकों ने विशेष रूप से पसंद किया। इसके बाद उन्होंने दशावतारम और अंत में पारंपरिक तराना प्रस्तुत कर कार्यक्रम का समापन किया। प्रस्तुति में कई कलाकारों ने संगीत सहयोग दिया, जिनमें गायन, तबला, सितार, सारंगी और बांसुरी वादन शामिल था। मंच सज्जा, प्रकाश व्यवस्था और समन्वय ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। इस अवसर पर गुरु डॉ. राघव राज भट्ट के मार्गदर्शन और आयोजन टीम के सहयोग की भी सराहना की गई।

ईद से पहले शहर के बाजारों में बढ़ी रौनक, देर रात तक खरीदारी

हैदराबाद, 16 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ईद अल-फितर के नजदीक आते ही शहर भर के बाजारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिल रही है। सुबह से देर रात तक लोग कपड़े, जूते, बर्तन और सजावट का सामान खरीदने के लिए बाजारों में उमड़ रहे हैं। चारमीनार और मदीना क्षेत्र के अलावा टोलीचौकी बाजार भी इन दिनों खरीदारों से भरा हुआ है। यहां पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए डिजाइनर कपड़ों के साथ जूते-चप्पल और घरेलू सामान की दुकानों पर भी भीड़ लगी रहती है। दुकानदारों के अनुसार त्योहार के दौरान शहर के विभिन्न इलाकों से बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए यहां पहुंचते हैं और दुकानें दोपहर से लेकर रात भर खुली रहती हैं।

आबिद रोड और मुशीराबाद का बांग्लादेशी बाजार भी सस्ते और विविध सामान के कारण लोकप्रिय बना हुआ है। यहां साड़ियां, रेडीमेड कपड़े, बैग और कृत्रिम आभूषण कम कीमत पर उपलब्ध हैं। हाफिज बाबानगर में रमजान बाजार के चलते मुख्य सड़क बंद कर दी गई है, जहां चूड़ियों सहित लगभग 200 दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ रही है। दुकानदारों का कहना है कि रमजान के अंतिम दिनों में खरीदारी और भी तेज होने की उम्मीद है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.